राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

Www.gauravshalibharat.com

गौरवशाली भारत

वर्ष : 13 , अंक : 126, पृष्ठ : 08, नई दिल्ली मंगलवार 21 नवंबर 2023, मूल्य : 1.50/-

नई दिल्ली से प्रकाशित

RNI No .DELHIN/2011/38334

मुख्य अपडेट

राघव चड्ढा ने खटखटाया दिल्ली हाईकोर्ट का दरवाजा, मानहानि मामले में जारी आदेश को दी .... पेज 03

सिविल समेत प्रदेश के 4 अस्पतालों का कायाकल्प करेगी योगी सरकार .... पेज 05

मार्नस और ट्रैविस का योगदान काबिल ए तारीफ : कमिंस .... पेज 07

अर्घ्य देकर लौट रहे 6 लोगों पर फायरिंग, 2 की मौत

लखीसराय। बिहार के लखीसराय में सोमवार सुबह छठ का अर्घ्य देकर लौट रहे परिवार पर एक युवक ने ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। घटना में दो सगे भाइयों की मौत हो गई। सोमवार को परिवार के लोग पूजा करने के बाद घाट से घर लौट रहे थे। घर से थोड़ी ही दूरी पर युवक ने 6 लोगों को गोली मार दी। घटना जिले के कवैया थाना इलाके के पंजाबी मोहल्ला की है।

मृतक भाइयों की पहचान चंदन कुमार झा और राज नंदन कुमार झा के रूप में हुई है। वहीं, उनके पिता शशि भूषण झा, बहन दुर्गा झा और चंदन की पत्नी लवली कुमारी और राज नंदन की पत्नी प्रीति कुमारी का पटना में इलाज चल रहा है। घटना को अंजाम दुर्गा झा के कथित पति आशीष चौधरी ने दिया है। वारदात के बाद आरोपी फरार हो गया। वहीं पुलिस ने मौके से हत्या में इस्तेमाल पिस्टल जब्त कर ली है। हालांकि, लड़की की भाभी ने बताया कि पहले से ही इन दोनों के बीच प्रेम-प्रसंग था। इसी को लेकर घटना को अंजाम दिया गया है। आशीष चौधरी मेरी ननद से जबरदस्ती शादी करना चाहता था।

विशाखापट्टनम में बंदरगाह पर लगी आग : 40 नाव जलकर खाक

बंदरगाह में आग लगने से करीब 25-30 करोड़ रुपए के नुकसान की संभावना जताई जा रही है

नई दिल्ली। (पी एम ए) आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में बंदरगाह में देर रात भीषण आग लग गई। इस आग की चपेट में आने से 40 नौकाएं जलकर खाक हो गई।

आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में मछली पकड़ने के बंदरगाह पर सोमवार सुबह भीषण आग लग गई। यह आग पहले एक नाव में लगी, फिर देखते ही देखते 40 अन्य नावों तक फैल गई। हालात पर काबू पाने के लिए दमकल की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। पुलिस मामला दर्ज कर घटना की जांच कर रही है। बंदरगाह में आग

लगने से करीब 25-30 करोड़ रुपए के नुकसान की संभावना जताई जा रही है। नावों में लगी आग को देखकर मालिकों के आंसू नहीं रूक रहे है। हालांकि इस आग से कोई जनहानी नहीं हुई है। अधिकारियों का कहना है कि आग की वजह का अभी पता नहीं चल पाया है।

पुलिस ने कहा कि लगभग 40 फाइबर-मशीनीकृत नावें पूरी तरह से जल गईं, जबकि दुर्घटना में किसी के हताहत होने या घायल होने की सूचना नहीं है। स्थानीय लोगों ने आग बुझाने के लिए अग्निशमन कर्मियों को सूचित किया। स्थानीय मछुआरों का आरोप है कि अज्ञात व्यक्तियों ने जानबूझकर नावों में आग लगाई है। बंदरगाह पर मौजूद स्थानीय मछुआरों ने आग लगने के बाद तुरंत स्थानीय पुलिस को इसकी जानकारी दी। डीसीपी आनंद रेड्डी ने कहा कि आग रात करीब 11: 30 बजे लगी। कुछ नौकाओं में विस्फोट भी हुआ, माना जा रहा है कि ईंधन टैंकों तक आग पहुंचने के कारण हुआ। इस हादसे के बाद इलाके में दहशत फैल गई।

30 करोड़ रुपए की नुकसान की आशंका

विशाखापट्टनम के मछुआरों ने कहा कि आग के कारण मछली पकड़ने वाली लगभग 40 नौकाएं जल गईं। हर नाव की कीमत करीब 40 लाख रुपए थी। आग इतनी तेजी से इसलिए फैली, क्योंकि जिस नाव पर आग लगी, उसके आस-पास नावों ने लंगर डाला हुआ था। बंदरगाह में आग लगने से 25-30 करोड़ रुपए की नुकसान की आशंका जताई जा रही है।

देशभर में मौसम ने ली करवट

कश्मीर में पारा शून्य के नीचे, दिल्ली-यूपी में रातें सर्द; तेजी से करवट बदल रहा मौसम

नई दिल्ली। नवंबर अंत की तरफ बढ़ रहा है और इसके साथ ही ठंड ने अपने तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं। देश के अलग-अलग हिस्सों में सोमवार को मौसम की रंगत बदली नजर आई। जम्मू-कश्मीर की राजधानी श्रीनगर में आज न्यूनतम तापमान शून्य से 0.8 नीचे दर्ज किया गया है। इसके अलावा धुंध की मोटी परत के चलते विजिबिलिटी भी प्रभावित हुई है। मौसम में हुए इस बदलाव के चलते घाटी के प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन ने सरकार से सर्दियों की छुट्टियां जल्दी करने की बात कही है। वहीं, देश के अन्य हिस्सों में भी रात के मौसम में अच्छी-खासी गिरावट दर्ज की गई है।

रात में सताने लगी सर्दी

वहीं देश के बाकी हिस्सों की बात करें तो मौसम में बदलाव साफ महसूस किया जा सकता है। खासतौर पर रात के वक्त ठिठुरन अपना असर दिखाने लगी है। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा और महाराष्ट्र में रात का तापमान 15 डिग्री सेल्सियस के नीचे जाने लगा है। वहीं, उत्तरी-पश्चिमी गुजरात में यह 15 से 18 डिग्री सेल्सियस के बीच था। हालांकि अभी भी दिन में गर्मी बनी हुई है। यहां पर दिन का तापमान अभी भी 35 डिग्री सेल्सियस या इससे ऊपर बना हुआ है।

कई जगह सिंगल डिजिट तक गिरावट

इसके अलावा उत्तरी भारत में दिन-प्रति-दिन ठंड का असर बढ़ता है। मैदानी इलाकों की बात करें तो पंजाब के ज्यादातर हिस्सों, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और राजस्थान में 10 से 14 डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट आई है। बीते हफ्ते कई जगहों पर तो किसी-किसी दिन तापमान में सिंगल डिजिट तक गिरावट दर्ज की गई। ऐसा हाल पंजाब, हरियाणा और राजस्थान में भी देखने को मिला। 16 नवंबर को रेवाड़ी जिले में 9.9 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम तापमान दर्ज किया गया। इसके अलावा राजस्थान के सीकर जिला स्थित फतेहपुर 7.2 डिग्री के साथ सबसे कम तापमान वाली जगह है। हालांकि दिल्ली-एनसीआर और उत्तर प्रदेश में अभी भी मिनिमम तापमान सिंगल डिजिट में नहीं पहुंचा है।

साफ आसमान के चलते पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में रात में कड़ाके की ठंड पड़ने लगी है। मौसम विभाग के मुताबिक विभिन्न जगहों पर न्यूनतम तापमान शून्य के नीचे चला गया है। दक्षिणी कश्मीर के पहलगाम में माइनस 2.6 डिग्री, उत्तरी कश्मीर के कुपवाड़ा में 0.8 डिग्री तो गुलमर्ग में माइनस 1.2 डिग्री तापमान दर्ज किया गया। वहीं, धुंध के चलते विजिबिलिटी कम रही, जिसके चलते वाहनों, खासतौर पर स्कूली बसों को काफी परेशानी हुई। कड़कड़ाती ठंड में स्कूली बच्चे कांपते नजर आए। रुखसाना नाम की एक स्थानीय महिला के दोनों बच्चे स्कूल जाते हैं। रुखसाना ने कहाकि इस साल मौसम बहुत जल्द खराब हो गया। हमारे बच्चों को सुबह जल्दी स्कूल निकलना पड़ रहा है। इसके चलते उनके स्वास्थ्य पर भी खराब असर पड़ रहा है। बहुत से स्कूली बच्चों को बुखार और सर्दी की शिकायत है। उन्होंने कहाकि हम चाहते हैं कि स्कूल और शिक्षा अधिकारी छोटी क्लासेस के लिए सर्दी की छुट्टियां जल्द घोषित कर दें।

तेलंगाना के मोइनाबाद में बड़ा हादसा

बन रहे स्टेडियम की गिरी दीवार, तीन लोगो की मौत

तेलंगाना के रंगारेड्डी जिला स्थित मोइनाबाद गांव में एक बड़ा हादसा हुआ है। यहां पर एक इनडोर स्टेडियम के निर्माण के दौरान दीवार का एक हिस्सा गिर जाने के चलते तीन लोगों की मौत हो गई। इस हादसे में 10 लोग घायल भी हुए हैं। हादसे की सूचना मिलते ही जिम्मेदार मौके पर पहुंच गए। इसके बाद बचाव कार्य भी काफी तेजी से अंजाम दिया जा रहा है। घटनास्थल से आए विजुअल्स में दिखाई दे रहा है कि मौके से टूटी हुई दीवार के मलबे को हटाने का काम किया जा रहा है। बताया जाता है कि जिस इनडोर स्टेडियम की दीवार गिरी है, वह एक प्राइवेट स्टेडियम है। राजेंद्रनगर के डीएसपी जगदीश्वर रेड्डी के मुताबिक फिलहाल घटनास्थल से एक शव को निकाला जा चुका है। वहीं, अधिकारी मलबे से अन्य शवों को निकालने के प्रयास में जुटे हुए हैं। इसके अलावा हादसे में घायल हुए लोगों को इलाज के लिए स्थानीय अस्पतालों में ले जाया गया है।

विधानसभा चुनाव

राजस्थान विधानसभा चुनाव से पहले पाली में एक सार्वजनिक बैठक के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अभिनंदन किया गया।

पंजाब में किसानों-पुलिस में झड़प, रोड किए जाम

पराली लदी ट्रॉलियां लेकर डीसी ऑफिस पहुंचे; अधिकारियों के सामने लगाई आग

अमृतसर। पंजाब में पराली जलाने पर केस दर्ज करने और जुर्माना लगाने से भड़के 18 किसान संगठन सोमवार को डीसी ऑफिस का घेराव करने पहुंचे। इस दौरान कई जगह बवाल हुआ। लुधियाना में किसानों को संगोवाल गांव के पास रोका गया तो उन्होंने दोराहा-लुधियाना-मोगा रोड पर जाम लगा दिया। वहीं मोगा में पुलिस और किसानों में झड़प हुई। यहां किसान ट्रॉलियों में ही पराली लेकर डीसी ऑफिस पहुंचे थे। इस दौरान उन्हें पुलिस ने रोकने के लिए बैरिकेड लगा रखे थे, जो किसानों ने खुद ही हटा दिए। इस दौरान पुलिस के साथ जमकर धक्का-मुक्की हुई। इसके साथ मोहाली में डीसी ऑफिस के बाहर प्रदर्शन कर रहे किसानों ने प्रशासन की मौजूदगी में पराली को आग लगाई। वहीं फतेहगढ़ साहिब में ट्रॉलियों में पराली भरकर डीसी दफ्तर जा रहे भारतीय किसान यूनियन (एकता-सिद्धूपुर) के अध्यक्ष जगजीत सिंह डल्लेवाल को रास्ते में ही रोक लिया गया। गुरुद्वारा ज्योति स्वरूप साहिब के पास किसानों का जत्था रोका गया। इन्हें आगे जाने नहीं दिया गया। जिसके चलते गुस्साए किसानों ने वहीं पर रोड जाम करने का ऐलान किया।

चुनाव वाले 5 राज्यों से 1760 करोड़ की शराब-कैश जब्त

ये आंकड़ा 2018 विधानसभा चुनाव में हुई जब्ती का 7 गुना : आयोग

नयी दिल्ली। भारतीय निर्वाचन आयोग ने सोमवार को बताया कि पांच राज्यों में इस समय चल रहे विधानसभा चुनावों की घोषणा के बाद उसने इन राज्यों में अब तक कुल 1760 करोड़ रुपये की नकदी, शहराब और मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए उन्हें मुफ्त दिये जाने वाले सामान जब्त किये हैं।

आयोग ने एक विज्ञप्ति में बताया कि यह जब्ती प्रवर्तन एजेंसियों के सहयोग और समन्वय के साथ की गयी है। इन कार्रवाइयों में सबसे अधिक नकदी तेलंगाना में और सबसे कम (शून्य) नकदी मिजोरम में पकड़ी गयी है।

इन राज्यों में इस बार की गयी जब्ती इन पांचों राज्यों में 2018 में कराये गये राज्य विधानसभा चुनावों के दौरान इस तरह की जब्ती की तुलना में करीब सात गुना है।

आयोग की चुनाव के दौरान जब्ती की कार्रवाई के लिये स्थापित प्रबंधन प्रणाली और प्रवर्तन एजेंसियों ने अब तक 373 करोड़ रुपये की नकदी, 215 करोड़ रुपये की शराब, 245 करोड़ रुपये की ड्रग, 371 करोड़ रुपये की बहुमूल्य धातुयें, 556 करोड़ रुपये के मुफ्त बांटने के सामान जब्त किये हैं।

इस दौरान छत्तीसगढ़ में करीब 21 करोड़ रुपये की नकदी, दो करोड़ रुपये से अधिक की शबरा, साढ़े चार करोड़ रुपये से अधिक के मादक द्रव्य , करीब 23 करोड़ रुपये की बहुमूल्य धातुएं और करीब 26 करोड़ 70 लाख रुपये के सामान जब्त किये गये।

मध्य प्रदेश में 33.72 करोड़ रुपये की नकदी, 69.85 करोड़ रुपये की शराब, 15.53 करोड़ रुपये के ड्रग्स, 84.1 करोड़ रुपये की महंगी धातुयें, और 120.53 करोड़ रुपये के सामान जब्त किये गये हैं।

मिजोरम में 4.67 रुपये की शराब, 29.82 रुपये की ड्रग्स, और 15.16 रुपये के सामान की जब्ती की गयी है।

राजस्थान में 93.17 करोड़ रुपये की नकदी, 51.29 करोड़ की शराब, 91.71 करोड़ रुपये के ड्रग्स, 73.36 करोड़ रुपये की मूल्यवान धातुयें तथा 341.24 करोड़ रुपये मूल्य के बांटने के सामान पकड़े गये हैं।

तेलंगाना में चुनाव में मतदाताओं को लुभा कर चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित करने की अवांछित गतिविधियों की रोकथाम के तहत जब्ती की कार्रवाई में सबसे अधिक 225.23 करोड़ रुपये की नकदी,

86.82 करोड़ रुपये की शराब, 103.74 करोड़ रुपये के ड्रग्स, 191.02 करोड़ रुपये की बहुमूल्य धातुयें तथा 52.41 करोड़ रुपये के सामान पकड़े गयें हैं। मिजोरम, मध्या प्रदेश और छत्तीसगढ़ में मतदान कराये जा चुके हैं। राजस्थान और तेलंगाना में क्रमशः 25 और 30 नवंबर को मतदान होगा और मतों की गिनती तीन दिसंबर को करायी जायेगी।

पहले 6 अन्य राज्यों से 1400 करोड़ की चीजें जब्त की गई थीं

आयोग के मुताबिक, इससे पहले जिन 6 राज्यों (गुजरात, हिमाचल प्रदेश, नगालैंड, मेघालय, त्रिपुरा और कर्नाटक) में चुनाव हुए थे, वहां से 1400 करोड़ की चीजें जब्त की गई थीं। यह इन राज्यों में पिछले चुनाव के दौरान हुई जब्ती का 11 गुना था।

केंद्र सरकार, केरल के राज्यपाल कार्यालय को सुप्रीम कोर्ट का नोटिस

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने केरल विधानसभा से पारित विधेयकों को मंजूरी देने में अनिश्चितकालीन देरी के मामले में सोमवार को वहां के राज्यपाल कार्यालय और केंद्र सरकार को नोटिस जारी किया।

मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने केरल सरकार की ओर से दायर रिट याचिका पर केंद्र सरकार और राज्यपाल के प्रधान सचिव को जवाब-तलब किया। पीठ ने अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी से भी अदालत की सहायता करने को कहा।

केरल सरकार ने यह आरोप लगाते हुए एक याचिका दायर की थी कि राज्यपाल विधानसभा द्वारा पारित

विधेयकों को मंजूरी देने में अनिश्चितकालीन देरी कर रहे हैं। केरल सरकार का पक्ष रख रहे वरिष्ठ वकील के के वेणुगोपाल ने पीठ के समक्ष कहा कि आठ विधेयकों में से कुछ सात महीने से और कुछ तीन साल से लंबित हैं।

शीर्ष अदालत इस मामले की अगली सुनवाई शुक्रवार को करेगी।

गौरतलब है कि इस मामले पर पंजाब और तमिलनाडु के बाद केरल शीर्ष अदालत में रिट याचिका दायर करने वाला तीसरा विपक्षी शासित राज्य है। तेलंगाना सरकार ने भी अप्रैल में इसी तरह की याचिका दायर की थी।

अपनी याचिका में केरल सरकार ने यह घोषणा करने की मांग शीर्ष अदालत से की कि संविधान के अनुच्छेद 200 के तहत विवेकाधीन शक्ति का प्रयोग किए बिना विधेयकों को अनिश्चितकाल तक रोकने का राज्यपाल का कदम सरकार और लोकतांत्रिक संविधानवाद और संघवाद के सिद्धांत के खिलाफ है।

याचिका में कहा गया है कि राज्य विधानसभा द्वारा पारित और संविधान के अनुच्छेद 200 के तहत उनकी सहमति के लिए राज्यपाल को प्रस्तुत किए गए आठ विधेयक लंबित थे।

बांके बिहारी कॉरिडोर को हाईकोर्ट की मंजूरी

कुंज गलियों से अतिक्रमण हटाने का आदेश, यूपी सरकार 5 एकड़ में बनाएगी कॉरिडोर

प्रयागराज। बांके बिहारी मंदिर कॉरिडोर को इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मंजूरी दे दी है। इसके साथ ही कुंज गलियों से अतिक्रमण हटाने का आदेश भी दिया है। हालांकि हाईकोर्ट ने मंदिर के बैंक खाते में जमा धन 262.50 करोड़ रुपए का कॉरिडोर बनाने में उपयोग करने की सरकार को परमिशन नहीं दी है।

सोमवार को चीफ जस्टिस प्रितिंकर दिवाकर की डबल बेंच ने यह फैसला सुनाया। इस फैसले के बाद यूपी सरकार मंदिर के आस-पास 5 एकड़ में कॉरिडोर बनाएगी।

हाईकोर्ट ने 8 नवंबर को इस मामले में सुनवाई के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया था। कोर्ट ने फैसला सुनाते हुए कहा कि सरकार अपनी प्रस्तावित

योजना के साथ आगे बढ़ सकती है, मगर यह भी तय करे कि दर्शनार्थियों को दर्शन में बाधा न आए।

कोर्ट ने कहा कि एक बार अतिक्रमण हटाने के बाद इन गलियों में दोबारा अतिक्रमण न हो और मंदिर के पहुंच मार्गों पर कोई बाधा न पहुंचे, सरकार को यह सुनिश्चित करना होगा। इस केस में 31 जनवरी 2024 को अगली सुनवाई होगी।

अनंत शर्मा, मधुमंगल दास और अन्य की ओर से 2022 में जनहित याचिका दाखिल की गई थी। इसमें कहा गया था कि आम दिनों में मंदिर में दर्शन के लिए आने वाले भक्तों की संख्या 40 से 50 हजार होती है। मगर, शनिवार-रविवार और छुट्टियों के दिन यह संख्या डेढ़ से ढाई लाख तक पहुंच जाती है। त्योहार और शुभ दिनों में मंदिर में ठाकुर जी के दर्शन के लिए आने वाले भक्तों की संख्या लगभग 5 लाख पहुंच जाती है।

मंदिर तक पहुंचने की सड़कें बहुत संकरी और भीड़-भाड़ वाली हैं। लिहाजा, भारी भीड़ की वजह से आवाजाही में तमाम दिक्कतें होती हैं। संकरी गलियों पर अतिक्रमण कर लिया गया है।

स्मगलर गैंग

अमृतसर पुलिस ने 9 तस्कर पकड़े; साढ़े 14 लाख रुपए की ड्रग मनी समेत मोबाइल-डोंगल जब्त

पुलिस ने पाकिस्तान बॉर्डर पर चल रहे स्मगलर गैंग का किया भंडाफोड़

एजेंसी

अमृतसर। अमृतसर में रूरल पुलिस ने 9 तस्करों को ड्रग मनी, हेरोइन और हथियारों के साथ गिरफ्तार किया है। तकरीबन 10 दिनों के अंदर-अंदर की गई कार्रवाई के दौरान पुलिस ने भारत-पाकिस्तान क्रॉस बॉर्डर चल रहे तस्करी के गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने सभी आरोपियों को हिरासत में लेकर कार्रवाई शुरू कर दी है।

अमृतसर रूरल पुलिस के अधिकारियों की तरफ से दी गई जानकारी के अनुसार, ये कार्रवाई पुलिस स्टेशन लोपोके की तरफ से की

गई है। अधिकारियों ने बताया कि पुलिस ने शुरुआत में कुछ तस्करों को गिरफ्तार किया था। जिनके बैकवर्ड व फॉरवर्ड लिंक को खंगाला गया। जिसके बाद कुछ ऐसे व्यक्ति भी मिले, जो हवाला के जरिए पैसों को क्रॉस बॉर्डर भेजने का काम करते थे।

पुलिस ने बताया कि इस पूरी कार्रवाई में कुल 9 लोग पकड़े गए हैं। जिनसे एक कार व एक मोटरसाइकिल भी रिकवर किया गया है।

14.55 लाख ड्रग मनी भी जब्त

ये तस्करी का बड़ा गिरोह है, जो हेरोइन की तस्करी के अलावा पैसों को सरहद पार भेजने जैसे कामों को अंजाम देते थे। ये पैसा हवाला के जरिए भेजा जाता था। इस गिरोह से कुल 14.55 लाख रुपए ड्रग मनी जब्त की गई है। वहीं, आरोपियों से 110 ग्राम हेरोइन, एक पिस्टल व दो जिंदा कारतूस, 5 मोबाइल व एक डोंगल भी जब्त की गई है।

डोंगल के जरिए इनस्क्रिप्टेड एप से जुड़े थे तस्कर

इन तस्करों के पाकिस्तान से भी लिंक सामने आए हैं। आरोपियों से जब्त की गई डोंगल के जरिए ये तस्कर अपने मोबाइलों पर बिना सिम के इंटरनेट प्रयोग करते थे। वहीं, इनस्क्रिप्टेड एप का प्रयोग कर पाकिस्तान में बैठे तस्करों से आरोपी बात किया करते थे। फिलहाल आरोपियों के फोन जब्त करके जांच की जा रही है।

शार्ट न्यूज

पंजाब विधानसभा का सत्र 28-29 नवम्बर को

चंडीगढ़। पंजाब सरकार ने राज्य की 16वीं विधानसभा का पांचवां और शीतकालीन सत्र 28 और 29 नवम्बर को बुलाने का फैसला लिया है। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान की अध्यक्षता में सोमवार को यहां हुई मंत्रिमंडल की बैठक में यह फैसला लिया गया। मंत्रिमंडल की बैठक के बाद वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने संवाददाताओं से कहा कि सत्र केवल दो दिन का होगा तथा इसमें कुछ लम्बित महत्वपूर्ण विधेयक लाये जायेंगे। इससे पहले मुख्यमंत्री ने हालांकि सत्र लम्बा होने के संकेत दिये थे। उल्लेखनीय है कि पंजाब सरकार ने विधानसभा के चौथे सत्र के विस्तार के तौर गत 20 और 21 अक्टूबर को बैठक बुलाई थी जिसे राज्यपाल बनवारी लाल पुरोहित ने गैरकानूनी करार दे दिया था। विधानसभा का यह सत्र एक दिन की बैठक के बाद ही बिना कोई कार्यवाही के ही अनिश्चितकाल के लिये स्थगित कर दिया गया था। चीमा ने बताया कि बैठक में पटियाला स्थित महाराजा भूपिंदर विश्वविद्यालय में कामकाज सुचारु रूप से चलाने के लिये नौ पद सृजित करने को भी मंजूरी प्रदान की गयी। इसके अलावा बैठक में जेलों में बंद कई कैदियों के मामले रद्द करने और उन्हें रिहा करने का भी फैसला लिया गया।

अश्लील वीडियो बना कर ब्लैकमेल करने वाले गिरोह के छह सदस्य गिरफ्तार

यमुनानगर। हरियाणा की यमुनानगर पुलिस ने हनीट्रैप में फंसा कर लोगों से मोटी रकम ऐंठने वाले गिरोह का भंडाफोड़ करके इसके छह सदस्यों को गिरफ्तार किया है जिसमें तीन महिलाएं भी शामिल हैं। पुलिस सूत्रों ने सोमवार को यहां बताया कि गिरोह की एक महिला और दो पुरुषों को भी जल्द गिरफ्तार किया जायेगा तथा इस सम्बंध में पुलिस कार्रवाई कर रही है। उन्होंने बताया कि कुरूक्षेत्र निवासी एक व्यवसायी ने अपनी शिकायत में बताया कि उनके एक परिचित ने उनकी किसी महिला से मुलाकात कराई थी। उस महिला ने चाय में उसे नशीला पदार्थ मिलाकर पिला दिया और उसकी अश्लील फिल्में बना लीं। उसके बाद से वह महिला उसे अश्लील वीडियो सोशल मीडिया में वायरल करने की धमकी देकर लगातार ब्लैकमेल कर रही है। ऐसा नहीं करने के बदले पांच लाख रुपये की मांग कर रही है। सिंह ने बताया कि शिकायत के आधार पर पुलिस ने तुरंत मामला दर्ज कर जाल बिछाया और उक्त महिला को पैसे लेने के लिए तय जगह पर बुलाया। महिला जब अपने साथियों के साथ पैसे लेने आई तो उसे 50 हजार रुपए देकर कहा गया कि आप इसे गिनिए, बाकी पैसे थोड़ी देर में पहुंच रहे हैं। इसके बाद महिला और उसके साथियों को पुलिस ने पैसे लेते रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया।

महाप्रबंधक के हस्तक्षेप के बाद अनिश्चितकालीन आंदोलन 22 की शाम तक स्थगित

जबलपुर। (पी एम ए) पश्चिम मध्य रेलवे के प्रमुख मुख्य भंडार प्रबंधक (पीसीएमएम) के लगातार कर्मचारी विरोधी कार्यप्रणाली व तानाशाही पूर्ण रवैये के खिलाफ वेस्ट सेंट्रल रेलवे एम्पलाइज यूनियन आक्रोशित है. लगातार अधिकारी की कार्यप्रणाली में सुधार के लिए उच्च स्तर पर मांग करने के बावजूद कोई सकारात्मक परिणाम सामने नहीं आने पर यूनियन ने सोमवार 20 नवम्बर से अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन आंदोलन का निर्णय लिया था, लेकिन ऐन वक्त पर महाप्रबंधक श्रीमती शोभना बंदोपाध्याय के हस्तक्षेप के बाद यूनियन महामंत्री मुकेश गालव ने आंदोलन को 22 नवम्बर की शाम तक स्थगित करने का निर्णय लिया है. इस संबंध में यूनियन के जबलपुर मंडल सचिव रोमेश मिश्रा ने बताया कि पमरे के पीसीएमएम द्वारा लगातार कर्मचारी विरोधी कार्य किया जा रहा है. छोटी-छोटी बातों पर एसएफ 5 जैसे मेजर पेनाल्टी चार्जशीट जारी किया जा रहा है. वहीं अपने चहेतों स्टाफ को नियम विरुद्ध उपकृत करने का कार्य किया जा रहा है. यूनियन ने इस संबंध में पमरे प्रशासन को पीसीएमएम की अनुचित कार्यप्रणाली पर रोक लगा कर कर्मचारियों की प्रताडऩा को बंद करने की मांग की थी, लेकिन कोई ठोस परिणाम नहीं निकला, जिसके बाद यूनियन ने रेल प्रशासन को धरना-आंदोलन 20 नवम्बर से करने का अल्टीमेटम दिया और इसके लिए पमरे महाप्रबंधक कार्यालय के समक्ष टेंट आदि भी लगा दिये गये थे।

राजस्थान चुनाव में 60 हजार से अधिक बुजुर्ग और दिव्यांग मतदाताओं ने घर बैठे डाले वोट

जयपुर। राजस्थान में 25 नवंबर को होने वाले विधानसभा आम चुनाव में भारत निर्वाचन आयोग की होमवोटिंग की पहल के प्रति बुजुर्ग और दिव्यांग मतदाताओं में उत्साह है और इसके प्रथम चरण में प्रदेश भर में इन श्रेणियों के 60 हजार से अधिक मतदाताओं ने घर बैठे अपने मताधिकार उपयोग किया। राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने बताया कि पहले चरण में 60 हजार 424 बुजुर्ग एवं दिव्यांग मतदाताओं ने मतदान किया। गुप्ता ने बताया कि होम वोटिंग के दौरान अब तक 1220 मतदाता घर पर नहीं मिले जबकि इस सुविधा के लिए पात्र 884 मतदाताओं की मृत्यु हो चुकी है। उन्होंने बताया कि प्रथम चरण में 96.63 प्रतिशत बुजुर्ग और दिव्यांग मतदाताओं ने होम वोटिंग की है इनमें 96.48 प्रतिशत बुजुर्ग एवं 97.56 प्रतिशत दिव्यांग शामिल है। विधानसभा आम चुनाव के तहत प्रदेश में 80 वर्ष से अधिक उम्र के वरिष्ठ मतदाता तथा 40 प्रतिशत से अधिक दिव्यांग मतदाताओं को घर से ही मतदान करने की सुविधा का विकल्प दिया गया है। प्रदेश में होम वोटिंग के पहले पांच दिन में 47196 बुजुर्ग तथा 20,161 दिव्यांग एवं रविवार को 1485 बुजुर्ग एवं 286 दिव्यांग मतदाताओं ने घर से मतदान करने की सुविधा का लाभ लिया। उन्होंने बताया कि पात्र 62 हजार 927 मतदाताओं ने विकल्प के तौर पर होम वोटिंग सुविधा के लिए आवेदन किया है।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने जिलों के उपायुक्तों के साथ की वर्चुअल बैठक

रांची। झारखंड के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने आज जिलों के उपायुक्तों सह जिला निर्वाचन पदाधिकारियों के साथ विशेष संक्षिप्त मतदाता पुनरीक्षण कार्य की प्रगति को लेकर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक की। बैठक में उन्होंने सभी जिलों के जिला निर्वाचन पदाधिकारियों से मतदाता पुनरीक्षण कार्यक्रम से संबंधित अब तक हुई प्रगति की समीक्षा करते हुए बचे हुए कार्यों को ससमय निष्पादित करने के लिए जरूरी निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि स्थाई रूप से शिफ्ट हो चुके मतदाताओं, मृत मतदाताओं, डुप्लीकेट एंट्री वाले मतदाताओं आदि का नाम विहित प्रक्रिया अपनाकर हटाने का शेष काम जल्द ही कर लें, साथ ही इस कार्य में पूरी सावधानी और जिम्मेदारी भी बरतें। दिव्यांग मतदाताओं को चिन्हित करने, स्थानीय स्तर पर कैंप लगाने, समुचित प्रचार प्रसार करने जैसे विषयों से संबंधित भी उन्होंने कई निर्देश दिए। उन्होंने सुझाव दिया कि इस अभियान के दौरान स्कूली बच्चों को भी निर्वाचन साक्षरता क्लब के तहत निर्धारित प्रोजेक्ट वर्क करवाये जाएं। इस बैठक में जिला निर्वाचन पदाधिकारीयों के अलावा जिला शिक्षा पदाधिकारी भी मौजूद थे।

राज्य स्तरीय ऑडिट सप्ताह प्रारंभ

भोपाल। मध्यप्रदेश विधानसभा प्रमुख सचिव अवधेश प्रताप सिंह ने आज 20 नवंबर से 24 नवंबर तक आयोजित ऑडिट सप्ताह का शुभारंभ महालेखा परीक्षक एवं महालेखाकार के विभिन्न अधिकारियों एवं कर्मचारियों की उपस्थिति में किया। सिंह के द्वारा मध्यप्रदेश एकाउन्टेंयट जनरल (ऑडिट) ऑफिस के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को संबोधित करते हुये कहा कि संसदीय प्रणाली का आधार निर्वाचित विधायिका के प्रति शासन चलाने वाली कार्यपालिका का उत्तरदायी होना है। कार्यपालिका का यह उत्तनरदायित्व सभा के सदस्यों द्वारा विधायी प्रक्रिया के तहत विधान सभा के सत्र के समय प्रश्न, ध्यानाकर्षण, बजट की मांगो पर चर्चा आदि के माध्यम शासन की नीतियों और कार्यक्रमों का विश्लेवषण कर सुनिश्चित किया जाता है। परन्तु विधान सभा का सत्र न होने पर यही कार्यपालिका की एकाउन्टबिलिटी के निर्धारण का कार्य विधान सभा की समितियों द्वारा किया जाता है। उन्होंने कहा कि इन समितियों में विशेष रूप से वित्तीय समितियां, जैसे लोक लेखा समिति, सार्वजनिक उपक्रमों संबंधी समिति, पंचायती राज लेखा समिति आदि के परीक्षण के कार्य में महालेखाकार एवं उनके कार्यालय द्वारा सहयोग की महत्वपूर्ण भूमिका रहती है।

1292 एकड़ में यीडा बसाएगा नया बहुउद्देशीय सेक्टर

नए आवासीय सेक्टर-5 में जनवरी में आएगी भूखंडों की योजना

ग्रेटर नोएडा। नोएडा एयरपोर्ट के पास यमुना प्राधिकरण बहुउद्देशीय उपयोग के लिए नया सेक्टर विकसित करेगा, जो सेक्टर-8 के नाम से जाना जाएगा। इसके लिए 1292 एकड़ जमीन चिन्हित कर ली गई है। जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया जल्द शुरू होगी। यहां आवासीय व औद्योगिक गतिविधियों के अलावा स्कूल, कॉलेज, अस्पताल व मार्केट सहित सभी सुविधाएं मौजूद होंगी।

वहीं, नए आवासीय सेक्टर-5 को बसाने की प्रक्रिया तेज कर दी गई है। इस सेक्टर में जनवरी में दो हजार भूखंडों की योजना लॉन्च होगी। इसके लिए 1100 हेक्टेयर जमीन अधिग्रहीत की जा रही है। प्राधिकरण ने इसका प्रस्ताव तैयार कर लिया है।

Yamuna Expressway Industrial Development Authority
यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण

निर्माणाधीन एयरपोर्ट के कारण आवासीय, औद्योगिक, संस्थागत सहित सभी तरह के भूखंडों की मांग तेजी से बढ़ी है।

स्थिति यह है कि सबसे ज्यादा निवेशक यमुना प्राधिकरण क्षेत्र में निवेश करने के लिए आगे आ रहे हैं। इसे देखते हुए ही प्राधिकरण एयरपोर्ट के आसपास सेक्टर-8 के नाम से सेक्टर बसाने जा रहा है। योजना के तहत बहुउद्देशीय सेक्टर में आवासीय, औद्योगिक, संस्थागत आदि गतिविधियां होंगी, ताकि इस सेक्टर में रहने वाले लोगों को आवास सहित अन्य सुविधाओं के लिए भटकना न पड़े। खेलकूद की सुविधाएं भी मुहैया कराई जाएंगी।

नए साल में आने वाली योजना का बेसब्री से इंतजार

भूखंडों की बढ़ती मांग को देखते हुए प्राधिकरण नए साल में दो हजार आवासीय भूखंडों की योजना लॉन्च करेगा।

खास बात यह है कि इसमें छोटे आकार के भी भूखंड होंगे। ऐसे में लोग बेसब्री से इसका इंतजार कर रहे हैं। बीते सितंबर में आई 1184 भूखंडों की योजना में 1.30 लाख से अधिक लोगों ने आवेदन किया था। ऐसे में अनुमान लगाया जा रहा है कि नए साल में आने वाली योजना भी सुपरहिट होगी।

> जेवर एयरपोर्ट के पास बहुउद्देशीय सेक्टर बसाया जाएगा। इसकी तैयारी शुरू कर दी गई है। इस सेक्टर में आवासीय, औद्योगिक व संस्थागत सहित सभी सुविधाएं होंगी। खेलकूद की सुविधाओं का भी ध्यान रखा जाएगा।
>
> **- डॉ. अरुणवीर सिंह, सीईओ, यमुना प्राधिकरण**

इन परियोजनाओं से औद्योगिक गतिविधियां भरेंगी उड़ान

मास्टर प्लान-2031 के तहत यमुना प्राधिकरण सेक्टर-10 में औद्योगिक भूखंडों के लिए 312 हेक्टेयर, सेक्टर- 7 में वेयर हाउस, लॉजिस्टिक व औद्योगिक भूखंड के लिए 283.01 हेक्टेयर, सेक्टर-28 में मेडिकल डिवाइस पार्क की अवशेष भूमि के लिए 193.9141 हेक्टेयर, औद्योगिक सेक्टर-29 व 32 के अवशेष क्षेत्रफल के लिए 258.89 हेक्टेयर व टप्पल बाजना अर्बन सेंटर के लिए 172.52 हेक्टेयर जमीन अधिग्रहीत करेगा। इसके अधिग्रहण पर 3558 करोड़ रुपये का खर्च संभावित है।

एक लाख 83 हजार से अधिक मतदान कार्मिकों ने डाक मतपत्रों से किया मतदान

जयपुर। राजस्थान में 25 नवंबर को होने वाले विधानसभा आम चुनाव में लगे एक लाख 83 हजार से अधिक कार्मिक डाक मतपत्र से अपना मतदान कर चुके हैं। राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने बताया कि चुनाव ड्यूटी में लगे कार्मिकों, पुलिस अधिकारियों आदि द्वारा सभी जिलों में बने फेसिलिटेशन सेंटर्स पर अब तक एक लाख 83 हजार 467 मत डाले गए हैं। रविवार को 45 हजार 872 मतदान कार्मिकों द्वारा मताधिकार का प्रयोग किया गया। गुप्ता ने बताया कि प्रदेश के सभी विधानसभा क्षेत्रों एवं अन्य जिलों में चुनाव कार्य में नियुक्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए डाक मतपत्र से मतदान करने के लिए फेसिलिटेशन सेंटर स्थापित किये गए हैं। इन केंद्रों पर 24 नवंबर तक मतदान किया जा सकेगा।

केन्द्र जम्मू-कश्मीर के लोगों के साथ सौतेला व्यवहार न करें : उमर

श्रीनगर। नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने सोमवार को यहां केन्द्र सरकार से केन्द्रशासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के लोगों के साथ सौतेला व्यवहार नहीं करने का आग्रह किया।

उमर ने सशस्त्र बल न्यायाधिकरण (एएफटी) द्वारा सेना के कैप्टन भूपेन्द्र सिंह की मंजूर की गयी जमानत पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की। उन्होंने दक्षिण कश्मीर में आज एक सार्वजनिक रैली से इतर मीडियाकर्मियों से कहा कि लोगों की हत्या के लिये जिम्मेदार ठहराये गये आरोपियों की इतनी आसानी से जमानत मंजूर नहीं की जानी चाहिये।

नेकां उपाध्यक्ष ने कहा कि सेना अधिकारी को जुलाई 2020 में दक्षिण कश्मीर में एक मुठभेड़ में तीन लोगों की हत्या का दोषी पाया गया था और नौ नवंबर को उनकी जमानत मंजूर कर दी गयी। अब्दुल्ला ने इस मुद्दे पर राज्य और केंद्र सरकार के रुख पर अफसोस जताते हुए कहा, केन्द्रशासित प्रदेश के लोगों को यह मत सोचने दीजिये कि उनका खून इतना सस्ता है।

केन्द्रशासित प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने एक अन्य प्रश्न के उत्तर में कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) चुनाव , बेरोजगारी , विकास , बिजली और अन्य चीजों के नाम पर केवल जम्मू-कश्मीर के लोगों को धोखा दे रही है।

नोएडा में अतीक की प्रॉपर्टी की तलाश करेगा प्राधिकरण

प्रयागराज कमिश्नरेट ने लिखा पत्र, सात दिन में चार विभाग के अधिकारी एकत्र करेंगे ब्योरा

नोएडा। माफिया अतीक अहमद ने कितनी प्रॉपर्टी बनाई थी ? ये सवाल अब भी कायम है।

बताते हैं कि पिछले सरकार की तमाम नाकेबंदी, बुलडोजर एक्शन और जब्ती के बावजूद अब भी अतीक की करोड़ों की नामी-बेनामी संपत्तियां हैं। पता चला है कि इसकी और इसके परिवार के नाम कई और संपत्तियां नोएडा में भी है।

इस संपत्ति की तलाश के लिए कमिश्नरेट प्रयागराज की ओर से नोएडा विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी को एक पत्र भेजा गया है। इस पर अमल करते हुए एसीईओ संजय खत्री ने प्राधिकरण के सभी विभागों को निर्देशित किया कि सात दिनों के अंदर अतीक अहमद से जुड़ी सभी प्रॉपटी की डिटेल निकाली जाए।

इस साल अप्रैल में भाई अशरफ संग

अतीक के मारे जाने के बाद अतीक का परिवार इन बची हुई संपत्तियों को मैनेज करने के लिए परेशान है। पता चला है कि पिछले कुछ समय से परिवार नोएडा की प्रॉपर्टी बेचने की फिराक में है। अतीक के बेटों के दोस्त सौदा तय कर रहे हैं। कई रिश्तेदार भी इसमें लगे हैं।

नौ लोगों की संपत्ति का लिया जा रहा ब्योरा

उधर, पुलिस अवैध रूप से अर्जित करोड़ों की जमीन की तलाश में है। इस क्रम में ये पत्र नोएडा प्राधिकरण को भेजा गया।

पत्र में स्पष्ट है कि अतीक समेत कुल 9 लोगों के खिलाफ गैंगस्टर 14 (आई) एक्ट के तहत कार्यवाही की जा रही है। इस क्रम में अतीक अहमद , अशरफ अतीक की पत्नी शइस्ता, अशरफ की पत्नी जैनम और अतीक के पुत्र अली, उमर, असद, एहजम और आबान की संपत्ति का विवरण तलाशने के लिए कहा गया है।

> **लैंड, ग्रुप हाउसिंग, कॉमर्शियल, इंडस्ट्री में तलाशी जा रही जमीन**
>
> एसीईओ संजय खत्री ने बताया कि नोएडा में लैंड, ग्रुप हाउसिंग, इंडस्ट्री, कॉमर्शियल के अधिकारी डीजीएम , एजीएम को पत्र से अवगत करा दिया गया है। निर्देशित किया गया है कि सात दिनों में अतीक और उसके परिवार से जुड़ी संपत्ति का विवरण तलाश कर बताया जाए। विवरण मिलते ही इसकी जानकारी कमिश्नरेट प्रयागराज को दी जाएगी। बता दे अतीक और उसके गैंग आईएस-227 से जुड़े गैंग मेंबर की अवैध तरीके से अर्जित नामी-बेनामी संपत्ति जब्त करने का सिलसिला जारी है। पुलिस, ईडी ने अब तक अतीक, अशरफ और उसके परिवार की 12 हजार करोड़ की संपत्ति को चिह्नित कर कार्रवाई की है। अतीक की ज्यादातर संपत्ति दूसरे के नामों पर रही हैं। अब परिवार के लोग चुपके से उस जमीन को बेच रुपए अर्जित करने में लगे हैं ताकि करोड़ों की इस जमीन को भी कुर्क न कर लिया जाए।

हर गांव, शहर के प्रत्येक वार्ड में जाएगी विकसित भारत संकल्प यात्रा

सिरसा। केन्द्र व राज्य सरकार की योजनाओं से आमजन को जागरूक करने के लिए प्रदेश भर में 25 नवंबर से विकसित भारत संकल्प यात्रा शुरू की जाएगी। इस यात्रा से हरियाणा के प्रत्येक जिला के हर गांव के साथ-साथ शहरों के प्रत्येक वार्ड को जोड़ा जाएगा।

हरियाणा के मुख्य सचिव संजीव कौशल ने सोमवार को वीडियो कॉफ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेशभर के उपायुक्तों की बैठक में उपरोक्त जानकारी दी। उन्होंने विकसित भारत संकल्प यात्रा की तैयारियों के बारे में आवश्यक दिशा निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने कहा कि इस यात्रा का मुख्य ध्येय विकसित भारत का निर्माण करना है जिसमें हर नागरिक को सरकार की योजनाओं के साथ जोडऩा और उन्हें लाभ पहुंचाकर सशक्त बनाना है। उन्होंने कहा कि विकसित संकल्प भारत यात्रा से गांव व शहर के हर व्यक्ति को शामिल कर इसे महोत्सव का रूप देना है।

सूचना, जनसम्पर्क, भाषा तथा संस्कृति विभाग के महानिदेशक डा. अमित अग्रवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रत्येक जिला के उपायुक्त इस यात्रा के ऑल ओवर इंचार्ज होंगे और अतिरिक्त उपायुक्त इस यात्रा के नोडल अधिकारी नियुक्त किए गए हैं।

उन्होंने कहा कि यात्रा को गांव व वार्ड स्तर पर स्वास्थ्य शिविरों, कॉमन सर्विस सेंटर के माध्यम से सेवाएं सुलभ करवाकर, स्वयं सहायता समूहों, नेहरू युवा केंद्र के वॉलिंटियर, पंचायत प्रतिनिधियों, स्वयं सेवी संस्थाओं, रेजिडेंट वेल्फेयर एसोसिएशनों की जनभागीदारी से सांस्कृतिक कार्यक्रमों आदि से मनभावक एवं मनोरंजन से भरपूर बनाया जाए ताकि लोगों में उत्साह एवं जोश बना रहे। इसके साथ ही हर गांव एवं वार्ड स्तर पर आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रम की फोटो व वीडियो अपलोड करना अनिवार्य है।

उपायुक्त पार्थ गुप्ता ने जिला का जिक्र करते हुए बताया कि सिरसा जिला में विकसित भारत संकल्प यात्रा के सफल आयोजन के लिए 58 दिनों का शैड्यूल तैयार किया गया है। उन्होंने कहा कि शहरी क्षेत्र में इस यात्रा के सफल आयोजन के लिए डीएमसी नोडल अधिकारी रहेंगे तथा ग्रामीण क्षेत्र में सीईओ जिला परिषद यात्रा के नोडल अधिकारी होंगे।

हिमाचल में 'छठ पूजा' के दौरान तड़के नदी में डूबा युवक

शिमला। हिमाचल प्रदेश में गुरु की नगरी पांवटा साहिब में 'छठ पूजा' के दौरान दर्दनाक हादसा प्रकाश में आया है। सोमवार सुबह 18 साल के युवक की यमुना नदी में डूबने से मौत हो गई।

शुरुआती जानकारी के मुताबिक सुबह छठ पूजा के दौरान युवक यमुना नदी में स्नान करने उतरा था। इसी दौरान गहरे पानी में डूब गया। फ़िलहाल, युवक के शव का सुराग नहीं लग पाया है। पुलिस टीम मौके पर शव की तलाश में जुटी हुई है। मां यमुना स्नान घाट पर तड़के 5 बजे हुए हादसे के बाद परिजनों व श्रद्धालुओं ने युवक को ढूंढने का प्रयास किया। लेकिन सफलता नहीं मिली। डूबने वाला युवक प्रवासी (बिहार) था। नदी किनारे परिजनों में मातम पसरा हुआ है। मां और बेटी का रो-रोकर बुरा हाल है, वो बेटे को ढूंढने की गुहार लगा रही है।

तीन एक्सप्रेस ट्रेनों का शुभारंभ करेंगी मुर्मू

जमशेदपुर। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू मंगलवार को ओडिशा के बादामपहाड़ रेलवे स्टेशन पर तीन एक्सप्रेस ट्रेनों का शुभारंभ करेंगी और बादामपहाड़ रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास की आधारशिला रखेंगी। राष्ट्रपति इस मौके पर बादामपहाड़ स्टेशन से रायरंगपुर तक करीब 32 ट्रेन में यात्रा भी करेंगी। यह पहला अवसर होगा जब भारतीय राष्ट्रपति किसी साधारण ट्रेन में सवारी करेंगी। दरअसल बादामपहाड़ श्रीमती मुर्मू का पैतृक क्षेत्र है। उनकी ससुराल और मायका दोनों ही बादामपहाड़ के समीप ही है। इस तरह से झारखंड एवं ओडिशा का आदिवासी क्षेत्र कोलकात्ता और राउरकेला जैसे औद्योगिक एवं आधुनिक शहरों से जुड़ जाएंगे। रेल मंत्रालय के अनुसार कल सुबह करीब साढ़े नौ बजे राष्ट्रपति बादामपहाड़ स्टेशन पहुंचेंगी। इस मौके पर ओडिशा के राज्यपाल रघुबर दास, रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान उपस्थित रहेंगे। राष्ट्रपति जिन ट्रेनों को हरी झंडी दिखा कर शुभारंभ करेंगी उनमें 18049/18050 शालीमार- बादामपहाड़ -शालीमार साप्ताहिक एक्सप्रेस, 18051/18052 बादामपहाड़ -राउरकेला -बादामपहाड़ साप्ताहिक एक्सप्रेस और 08147/08148 टाटानगर बादामपहाड़ -टाटानगरमेमू सेवा शामिल है। मुर्मू अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत बादामपहाड़ रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास का शिलान्यास करेंगी। उल्लेखनीय है कि टाटानगर से बादामपहाड़ तक रेलवे की मीटरगेज की ब्रांच लाइन हुआ करती थी जिसे कुछ वर्ष पहले ब्रॉड गेज में परिवर्तित किया गया था। कोविड काल में यह विद्युतीकृत भी हो गई है।

शर्मा ने छतरपुर मामले में कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

छतरपुर। मध्यप्रदेश भारतीय जनता पार्टी प्रदेश अध्यक्ष और खजुराहो सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने आज छतरपुर मे कलेक्टर संदीप जी आर और पुलिस अधीक्षक अमित सांघी को ज्ञापन सौंप कर राजगनर के पार्टी प्रत्याशी अरविंद पटेरिया के खिलाफ दर्ज हुए मामले की जांच की मांग की। शर्मा ने आरोप लगाया कि पटेरिया और 35 भाजपा कार्यकर्ताओं के खिलाफ गलत तरीके से मामला दर्ज हुआ है। इसके साथ ही उन्होंने आचार संहिता के दौरान छतरपुर जिले में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह और उनके समर्थकों द्वारा धरना दिया जाने पर भी कार्रवाई की मांग की।

हिमाचल के केलांग का न्यूनतम तापमान माइनस 0.4 डिग्री सेल्सियस

शिमला। हिमाचल प्रदेश में एक सप्ताह तक मौसम साफ बना रहने की संभावना है। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला के अनुसार राज्य के सभी क्षेत्रों में 26 नवंबर तक मौसम शुष्क बना रहने के आसार हैं। इसबीच केलांग जिले का न्यूनतम तापमान शून्य से चार डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया। आगामी 23 नवंबर से एक ताजा कमजोर पश्चिमी विक्षोभ का हिमाचल सहित पश्चिमी हिमालय क्षेत्र में प्रभाव देखने को मिल सकता है। वहीं, आज राजधानी शिमला व अन्य भागों में मौसम साफ बना हुआ है।

उधर, सुबह-शाम के तापमान में लगातार गिरावट दर्ज की गई है। मौसम विभाग ने पशुपालकों-किसानों को सलाह दी है कि तापमान गिर रहा है, इसलिए ठंड से बचाव के इंतजाम कर लें।

शिमला में न्यूनतम तापमान 8.6, सुंदरनगर 6.1, भुंतर 5.0, कल्पा 1.5, धर्मशाला 11.2, ऊना 8.6, नाहन 13.0, केलांग माइनस 0.4, पालमपुर 7.0, सोलन 6.5, मनाली 3.4, कांगड़ा 9.6, मंडी 7.7, चंबा 8.1, डलहौजी 6.9, जुब्बड़हट्टी 9.4, कुफरी 7.5, नारकंडा 5.5, भरमौर 5.7, रिकांगपिओ 3.9, धौलाकुआं 11.6, बरठीं 10.5, समधो माइनस 0.7, मशोबरा 8.0, पांवटा साहिब 15.0, सराहन 6.0 और देहरा गोपीपुर में 12.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया है। ऊना में रविवार को अधिकतम तापमान 27.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था।

उत्तरकाशी में सुरंग में फंसे 40 लोगों का मामला पहुंचा हाईकोर्ट

नैनीताल। उत्तरकाशी के सिलक्यारा में 40 मजदूरों के टनल में फंसने का मामला सोमवार को उत्तराखंड उच्च न्यायालय पहुंच गया। उच्च न्यायालय ने मामले को गंभीरता से लेते हुए राज्य सरकार से 48 घंटे में जवाब देने को कहा है।

इस मामले को देहरादून की समाधान नामक गैर सरकारी संस्था (एनजीओ) की ओर से एक जनहित याचिका के माध्यम से चुनौती दी गयी है। साथ ही इस प्रकरण की सुनवाई कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मनोज कुमार तिवारी और न्यायमूर्ति पंकज पुरोहित की युगलपीठ में हुई।

याचिकाकर्ता की ओर से अदालत को बताया गया कि उत्तरकाशी के सिलक्यारा में चारधाम ऑल वेदर रोड परियोजना के तहत 4.5 किमी लंबी

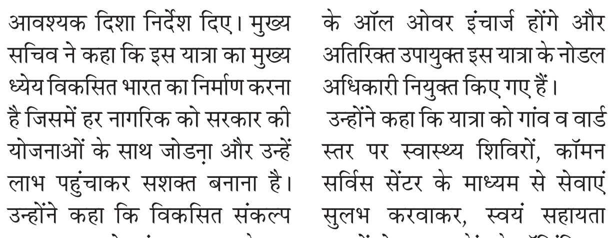

सुरंग का निर्माण किया जा रहा है। पिछले 12 नवम्बर को सुरंग का एक हिस्सा ढहने से 40 मजदूर टनल में फंस गये। राज्य सरकार अभी तक मजदूरों को बाहर निकालने में विफल साबित हुई है।

याचिकाकर्ता की ओर से कहा गया कि सुरंग निर्माण से पूर्व टनल में मजदूरों की सुरक्षा के लिये कोई सुरक्षात्मक उपाय नहीं किये गये और न ही ऐसे उपकरण मौके पर मौजूद थे।

याचिकाकर्ता की ओर से आगे कहा गया कि यह एक आपराधिक मामला है और इस मामले की जांच विशेष अन्वेषण दल (एसआईटी) से करायी जाये।

याचिकाकर्ता की ओर से यह भी कहा गया कि प्रदेश में लगातार ऐसे कई हादसे सामने आ रहे हैं और प्रदेश सरकार गरीब मजदूरों के लिये आज तक कोई मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) तैयार नहीं कर पायी है। याचिकाकर्ता की ओर से कहा गया कि मानव जीवन की कीमत पर विकास की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए।

याचिकाकर्ता की ओर से अदालत से मांग की गयी है कि सरकार और सक्षम प्राधिकारियों को निर्देश दिये जायें कि मजदूरों का जीवन बचाने के लिये हर संभव उपाय किये जायें और इसमें एक भी जनहानि न हो पाये।

यह भी मांग की गयी कि भविष्य में सुरक्षा उपाय किये बिना प्रदेश में कोई भी सुरंग निर्माण का कार्य शुरू न किये जाये।

साथ ही ऐसे स्थल पर एयर एम्बुलेंस की स्थायी व्यवस्था की जाये। साथ ही उच्च न्यायालय की देखरेख में एक एसआईटी जांच की मांग की जाये। एसआईटी जांच रिपोर्ट अदालत में सौंपे।

विदेश भेजने के नाम पर ठगी करने वाला एक वर्ष से फरार युवक गिरफ्तार

टिहरी/देहरादून। उत्तराखंड के युवाओं को विदेश भेजने के नाम पर ठगने वाले एक कबूतरबाज को टिहरी जनपद पुलिस ने पंजाब के अमृतसर से गिरफ्तार किया है।

यह आरोपी पिछले लगभग एक वर्ष से फरार था और टिहरी पुलिस ने इसकी गिरफ्तारी पर डेढ़ हजार रुपए का इनाम घोषित किया था।

पुलिस प्रवक्ता ने सोमवार को बताया कि आठ सितंबर, 2022 को वादी सुनील चंदेल पुत्र नारायण सिंह चंदेल, निवासी ग्राम बागी, जनपद टिहरी गढ़वाल द्वारा कोतवाली नई टिहरी पर अभियुक्तगण बंटी कपूर, राहुल उर्फ राजबीर तथा आशीष मसीह द्वारा विदेश भेजने के नाम पर रु-5,00000 हड़प लिये जाने के सम्बन्ध में तहरीर दी। जिसके आधार पर धारा 420/467/486/471/120बी भा0द0वि0 बनाम आशीष मसीह आदि तीन नफर अभियुक्त के विरुद्ध विवेचना प्रचलित थी।

उन्होंने बताया कि इस मामले में अभियुक्त बंटी कपूर द्वारा हाई कोर्ट से गिरफ्तारी स्टे लिया गया था व राहुल उर्फ राजबीर को पूर्व में टिहरी पुलिस द्वारा गिरफ्तार किया जा चुका है। जबकि तीसरा अभियुक्त आशीष मसीह अभियोग पंजीकृत होने के बाद से ही फरार चल रहा था और नाम वेश, ठिकाने बदल-बदल कर रह रहा था। जिस पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद टिहरी गढ़वाल द्वारा 1500 रु का ईनाम घोषित किया गया था।

शार्ट न्यूज

राघव चड्ढा ने खटखटाया दिल्ली हाईकोर्ट का दरवाजा, मानहानि मामले में जारी आदेश को दी चुनौती

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के सांसद चड्ढा ने दिल्ली उच्च न्यायालय में याचिका दायर कर ट्रायल कोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी, जिसमें समन के खिलाफ उनकी अपील को खारिज कर दिया गया था। उन्होंने भाजपा नेता छैल बिहारी गोस्वामी की ओर से दायर मानहानि मामले में आरोपमुक्त करने की मांग की है। मानहानि मामले में ट्रायल कोर्ट ने समन जारी किया था और सेशन कोर्ट ने आदेश को बरकरार रखा था। न्यायमूर्ति स्वर्णकांता शर्मा ने राघव चड्ढा के वकील से याचिका में अतिरिक्त दस्तावेज दाखिल करने का निर्देश दिया है। अदालत ने मामले की सुनवाई 11 दिसंबर तय की है। राउज़ एवेन्यू कोर्ट के विशेष न्यायाधीश एमके नागपाल द्वारा पारित 11 नवंबर, 2023 के ट्रायल कोर्ट के आदेश के खिलाफ राघव चड्ढा ने उच्च न्यायालय का रुख किया है। कोर्ट ने समन आदेश के खिलाफ राघव चड्ढा और सत्येन्द्र जैन द्वारा दायर दो अपीलों को खारिज कर दिया था। ट्रायल कोर्ट ने भाजपा नेता छैल बिहारी गोस्वामी द्वारा दायर मानहानि की शिकायत पर अपीलकर्ता को समन जारी किया था।

डीयू कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने किया तीन दिवसीय इंडिया मशरूम समिट 2023 का उद्घाटन

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय में आयोजित किए जा रहे तीन दिवसीय इंडिया मशरूम समिट 2023 का पहला दिन प्रदर्शनी के औपचारिक उद्घाटन के साथ शुरू हुआ। इस अवसर पर दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. योगेश सिंह बतौर मुख्य अतिथि और कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय के सचिव अतुल कुमार तिवारी बतौर विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहे। इस दौरान भारतीय और विदेशी उद्योग प्रतिभागियों द्वारा विविध स्टालों का प्रदर्शन किया गया। प्रो. योगेश सिंह ने अपने उद्घाटन भाषण में नए भारत के विकास में योगदान देने के लिए युवाओं को प्रेरित किया और दिल्ली विश्वविद्यालय के सहयोग से कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रमों का भी प्रस्ताव रखा। इस तीन दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन मिल्की वे स्पॉन कंपनी लिमिटेड द्वारा 20-22 नवंबर 2023 तक शहीद राजगुरु कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइंसेज फॉर वुमेन, दिल्ली विश्वविद्यालय और कैंपस ऑफ ओपन लर्निंग, दिल्ली विश्वविद्यालय के सहयोग से किया जा रहा है। यह समिट कवक से संबंधित सभी चीजों पर गहन चर्चा, नवीन विचारों और ज्ञान साझा करने का एक मंच है। समिट के उद्घाटन अवसर पर विशिष्ट अतिथि, कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय के सचिव अतुल कुमार तिवारी ने मशरूम खेती के क्षेत्र में तकनीकी और व्यावहारिक सहायता की आवश्यकता पर ध्यान केंद्रित करते हुए उद्यमिता प्रशिक्षण, कौशल कार्यक्रम और वित्त पोषण के लिए मंत्रालय की सेवाओं की भी पेशकश की।

कैफे में रंगदारी मांगने आए बदमाशों ने की मारपीट

गाजियाबाद। गाजियाबाद के थाना कौशांबी क्षेत्र में दी ब्लू कैफे में रविवार रात 12: 00 बजे बदमाशों ने हमला बोल दिया। बदमाश हथियारों से लैस थे। इस घटना में कैफे का सिक्योरिटी इंचार्ज और एक कर्मचारी घायल हो गया। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर 07 बदमाशों पर मुकदमा दर्ज कर लिया है। जोकि पूरी वारदात सीसीटीवी में कैद हो गई है। कैफे के सिक्योरिटी इंचार्ज रोहित बैसोया ने बताया कि रविवार रात 12: 00 बजे 07 बदमाश असलहों से लैस होकर कैफे पहुंचे। इससे पहले भी ये बदमाश दो बार रंगदारी मांग चुके हैं। रोहित ने बताया कि बदमाशों ने धारदार हथियार से उस पर हमला कर दिया। उसे बचाने आए सिक्योरिटी कर्मचारी रबनूर कसाना पर भी उन्होंने हमला किया। रोहित के मुताबिक बदमाशों के पास हथियार थे। जिसमें बंदूक बड़े चाकू लाठी डंडे थे। रोहित के मुताबिक पहले इन्होंने धमकी दी थी कि अगर यहां धंधा चलाना है, तो इनको रंगदारी देनी पड़ेगी। यह पूरी वारदात कैफे में लगे सीसीटीवी में कैद हो गई। रोहित ने 7 नामजद बदमाशों के खिलाफ थाना कौशांबी में मुकदमा दर्ज कराया है। एसीपी इंदिरापुरम स्वतंत्र सिंह के मुताबिक पीड़ित की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। आरोपी बदमाशों की तलाश की जा रही है।

पुलिस ने पारदी गैंग के बदमाश को किया गिरफ्तार

गाजियाबाद। गाजियाबाद पुलिस ने मध्य प्रदेश के रहने वाले सक्रिय पारदी गैंग के 25 हजार के इनामी बदमाश को गिरफ्तार किया है। इस बदमाश में मई महीने में अपने गैंग के साथ एक सप्ताह के अंदर तीन वारदातों को अंजाम दिया था। गाजियाबाद पुलिस कमिश्नरेट में तैनात एडीसीपी सच्चिदानंद राय ने बताया कि यह गिरफ्तार बदमाश दुर्गा है। जो मध्य प्रदेश के आदिवासी समुदाय से आता है। उनके गैंग को पारदी गैंग कहा जाता है। इनको कच्छा बनियान गिरोह के नाम से भी जाना जाता है। गिरफ्तार बदमाश पर 25 हजार का इनाम था। पुलिस के मुताबिक इनको जहां घटना करनी होती है। वहां जाकर पहले गली में खिलौने गुलदस्ता या फेरी लगते हैं। इसके बाद यह रेकी करते हैं कि किसी मकान में घटना करना आसान होगा। इस गैंग का काम करने का तरीका होता है कि यह कच्छा बनियान पहनकर शरीर पर तेल लगाकर असलाह और सरिया लिए रेकी किए हुए मकान में घुस जाते हैं। फिर वारदात को अंजाम देते हैं। पुलिस के मुताबिक इस बदमाश ने पूछताछ में बताया है कि उनके कुछ साथी घरों के बाहर रहते हैं जो गुलेल लेकर कुत्तों को भगाते हैं। घटना के दौरान अगर घर का कोई सदस्य विरोध करता है, तो उसके साथ मारपीट करके कमरे में बंद कर दिया जाता है। इसके अलावा जिस इलाके में यह वारदात को अंजाम देते हैं। वहां से जाकर दूसरे इलाके में रहने लगते हैं।

हलाल सर्टिफिकेट प्रोडक्ट को लेकर खाद्य-विभाग टीम ने की छापेमारी: प्रोडक्ट किए जा रहे सीज

गाजियाबाद। गाजियाबाद में खाद्य एवं औषधि विभाग के अधिकारी स्टोर और दुकानों पर रेड कर रहे हैं। जहां भी हलाल सर्टिफिकेट वाले प्रोडक्ट मिल रहे हैं उनको सीज किया जा रहा है। साथ ही उनका सैंपल भेजा जा रहा है। गाजियाबाद में तैनात असिस्टेंट कमिश्नर फूड विनीत कुमार ने बताया कि फिलहाल बड़े स्टोरों पर यह कार्रवाई की जा रही है। पूरे जिले में हलाल सर्टिफिकेट प्रोडक्ट्स को लेकर कार्रवाई चल रही है। दुकानदारों को भी जागरूक किया जा रहा है। जिससे वह इस तरह के प्रोडक्ट ना रखें। 6 जगहों पर खाद्य विभाग की टीम ने कार्रवाई की है। उत्तर प्रदेश सरकार ने निर्देश जारी करके हलाल सर्टिफिकेट वाले प्रोडक्ट को बैन कर दिया था। शनिवार को निर्देश जारी किए जाने के बाद रविवार को छुट्टी होने के चलते सोमवार को खाद्य एवं औषधि प्रशासन की टीम बाजारों में जहां हलाल सर्टिफिकेट वाले प्रोडक्ट मिल रहे है। उनको सीज किया जा रहा है। अधिकतर स्टोर्स पर सूप और नूडल्स के पैकेट मिले हैं। जिन पर हलाल के सर्टिफिकेट लगे हुए हैं। जो हलाल सर्टिफिकेट वाले प्रोडक्ट मिल रहे हैं। उनको सीज किया जा रहा है। साथ ही उनका एक पैकेट जांच के लिए भेजा जा रहा है।

मोदीनगर में पेड़ से गिरकर अधेड़ की मौत

मोदीनगर। गाजियाबाद में मोदीनगर कोतवाली क्षेत्र के निवाड़ी रोड स्थित एक शिक्षण संस्थान के हॉस्टल परिसर में लगे पेड़ से गिरकर एक व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक की शिनाख्त नहीं हो सकी है। पुलिस ने अज्ञात में पंचनामा भरकर शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा है। निवाड़ी स्थित दिव्य ज्योति शिक्षण संस्थान का राज चौराहे के निकट हॉस्टल है। हॉस्टल के दो गेट हैं। एक मुख्य गेट है और दूसरा पार्किंग की तरफ निवाड़ी रोड पर खुलता है। दोनों गेट के बीच में पेड़ लगा है। सुबह एक व्यक्ति के शोर मचाते हुए पेड़ से गिरने की आवाज सुनकर गेटमैन ओमप्रकाश मौके पर पहुंचे। तब तक व्यक्ति की मौत हो चुकी थी। व्यक्ति का शव खून से लथपथ पड़ा था। मामले की सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लिया गया। एसीपी मोदीनगर का कहना है कि मामले की हकीकत का पता लगाने के लिए हॉस्टल में लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज खंगाली गई। जिसमें व्यक्ति पेड़ से गिरता नजर आया है। अब तक की जांच में सामने आया है कि मृतक की उम्र 50 वर्ष थी और वह मानसिक रूप से विक्षिप्त था। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट मिलने के बाद मौत होने का कारण स्पष्ट हो सकेगा। फिलहाल शिनाख्त के लिए प्रयास किए जा रहे हैं।

केजरीवाल सरकार पर भड़के एलजी

तस्वीरें साझा कर दिखाई यमुना की दूर्दशा, झागों के बीच हुई छठ पूजा

नई दिल्ली। यमुना के प्रदूषण को लेकर दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने दिल्ली सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि पिछले कई साल यमुना को साफ करने का दावा किया जा रहा है, लेकिन इस बार फिर से छठ महापर्व में व्रतियों को प्रदूषित यमुना के जल में अर्घ्य देना पड़ा। यमुना में बनने वाले झाग को खत्म करने के लिए रसायन डालने की बात की गई, लेकिन परिणाम ढाक के तीन पात ही रहे।

दिल्ली के उपराज्पाल वीके सक्सेना ने सोशल मीडिया पर लिखा कि दीनानाथ भगवान भास्कर को अर्घ्य के साथ छठ महापर्व सोमवार को संपन्न हुआ। छठी मइया विदा हुईं यमुना मइया एक बार फिर कलुषित-प्रदूषित ही छूट गयीं। व्रती-श्रद्धालु एक बार फिर गाद-मलबे और सड़ांघ में पूजा अर्चना के लिए मजबूर हुए। नदी में जा कर अर्घ्य अर्पण वर्जित हो गया पर यमुना साफ नहीं हुई।

वहीं, अधिकारियों ने बताया कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कई बार सार्वजनिक घोषणा कर दावा किया कि यमुना को साफ कर देंगे। वह खुद यमुना में डुबकी लगाएंगे। लेकिन लंबा समय गुजरने के बाद भी यमुना की स्थिति जस की तस है। दिल्ली के उपराज्यपाल यमुना को साफ करने की दिशा में काम कर रहे हैं। केंद्र सरकार के सहयोग से काम किया रहा है। नजफगढ़ नाले की सफाई को लेकर अभियान चलाया जा रहा है, लेकिन सरकार इस दिशा में कोई काम नहीं कर रही। जबकि चुनावी भाषण में हर बार सरकार यहीं दावा करती है कि यमुना को साफ कर देगी।

वहीं, विशेषज्ञों का कहना है कि यमुना दिल्ली में केवल दो फीसदी ही बहती है, लेकिन सबसे ज्यादा प्रदूषित इसी क्षेत्र में होती है। यदि दिल्ली में होने वाले प्रदूषण को रोक दिया जाए तो यमुना पूरी तरह से साफ हो जाएगी। वजीराबाद से पहले यमुना का स्वरूप काफी बेहतर है। यदि कोशिश की जाए तो वजीराबाद के बाद भी यमुना की स्थिति को सुधारा जा सकता है।

उत्तम नगर, डाबड़ी, ककरौला, बदरपुर, सरिता विहार, आश्रम, जैतपुर, संगम विहार, देवली, महरौली, पालम, महावीर एंकलेव, इंद्रप्रस्थ एक्सटेंशन, नांगलोई, नजफगढ़, श्याम विहार, द्वारका, राणाजी एंक्लेव आदि इलाकों में बने घाटों पर जुटने शुरू हो गए थे, जबकि इन स्थानों पर पहले से ही श्रद्धालु भारी संख्या में उपस्थित थे।

इसी बीच श्रद्धालु सूर्यदेव को अर्घ्य देने के लिए पानी में खड़े होने शुरू हो गए और उन्होंने आस्था और श्रद्धा के प्रतीक सूर्यदेव की पूजा अर्चना के बीच उन्हें अर्घ्य दिया। वहीं व्रतियों के परिजनों ने भी अर्घ्य पर दूध चढ़ा कर सूर्य की उपासना की।

कहासुनी के बाद बदमाशों ने युवक पर बरसाईं गोलियां

युवक को गंभीर हालत में एलएनजेपी अस्पताल में कराया गया भर्ती

नई दिल्ली। मध्य दिल्ली का जामा मस्जिद इलाका रविवार आधी रात गोलियों की तड़तड़ाहट से गूंज उठा। मामूली कहासुनी के बाद दो बदमाशों ने एक युवक पर ताबड़तोड़ गोलियां बरसा दीं। एक गोली युवक की कनपटी को छूकर निकली। आरोपियों ने पिस्टल की बट से कई वार कर युवक को लहूलुहान कर दिया। बाद में आरोपी गोली चलाते हुए फरार हो गए। शोर-शराबा और गोली चलने की आवाज सुनकर मौके पर लोगों की भारी भीड़ जुट गई। पीड़ित मोहम्मद असद (25) को एलएनजेपी अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। सूचना मिलते ही वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंच गए।

क्राइम टीम के अलावा एफएसएल की टीम ने मौके से साक्ष्य जुटाए हैं। जामा मस्जिद थाना पुलिस ने हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है। सीसीटीवी कैमरों की फुटेज से पड़ताल की जा रही है। पुलिस अधिकारियों ने दोनों ही आरोपियों की पहचान करने की बात कही है। फिलहाल रंजिश में हमले की बात सामने आ रही है। पुलिस के मुताबिक, मो. असद परिवार के साथ गली जगत वाली, जामा मस्जिद में रहता है। परिवार में पिता सिराजुद्दीन, पत्नी, एक माह की बच्ची व बाकी सदस्य हैं। असद का अपना कारोबार है। रविवार को उसकी बच्ची की तबीयत खराब थी। शाम में वह उसे दवाई दिलवाकर लौटा था। देर रात खाना खाने के बाद वह मेडिकल स्टोर पर दवाई लेने के लिए घर से निकला। इसी बीच दोनों आरोपी युवक उसे मिल गए। स्थानीय लोगों का दावा है कि दोनों शराब के नशे में थे। उन्होंने असद से बहस की और उस पर पिस्टल निकालकर गोली चला दी। कई राउंड गोलियां चलाने के बाद भी असद को गोली नहीं लगी। एक गोली उसकी कनपटी को छूकर निकली। बाद में आरोपियों ने पांच-छह बार उसकी कनपटी पर पिस्टल से हमला किया। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने बताया कि एक आरोपी का नाम साद है, दूसरे की भी पहचान हो गई है। हमलावर और पीड़ित एक दूसरे को अच्छी तरह जानते हैं।

संजय सिंह की याचिका पर केंद्र, ईडी को सुप्रीम कोर्ट का नोटिस

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने दिल्ली शराब नीति से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जेल में बंद राज्य सांसद संजय सिंह की याचिका पर सोमवार को केंद्र सरकार और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को नोटिस जारी किया।

न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और एस वी एन भट्टी की पीठ ने चार अक्टूबर को गिरफ्तार आम आदमी पार्टी (आप) के नेता सिंह की याचिका पर केंद्र सरकार और ईडी से जवाब-तलब किया। शीर्ष अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि यदि सिंह ने अंतरिम जमानत के लिए याचिका दायर की हो तो इस पर दिल्ली उच्च न्यायालय के फैसले में की गई टिप्पणी का कोई असर नहीं पड़ना चाहिए।

दिल्ली उच्च न्यायालय ने संजय सिंह की याचिका 20 अक्टूबर खारिज कर दी थी। उन्होंने अपनी गिरफ्तारी और हिरासत को चुनौती देते हुए अंतिम जमानत की गुहार लगाई थी।

शीर्ष अदालत इस मामले की अगली सुनवाई 11 दिसंबर को करेगी।

उच्चतम न्यायालय ने दिल्ली शराब नीति के कथित घोटाले के एक अन्य प्रमुख आरोपी दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की जमानत याचिका 30 अक्टूबर को खारिज कर दी।

ऐतिहासिक गुरु द्रोणाचार्य मंदिर से दानपात्र चोरी

जेवर। दनकौर कस्बे में स्थित ऐतिहासिक गुरु द्रोणाचार्य मंदिर परिसर से एक अज्ञात चोर दानपात्र चुराकर ले गया। जिसकी यह करतूत वहां लगी सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। जिसके आधार पर पुलिस आरोपी की पहचान कर उसको जल्दी गिरफ्तार करने का दावा कर रही है। इस संबंध में मंदिर समिति के एक पदाधिकारी ने अज्ञात चोर के खिलाफ पुलिस से सोमवार को शिकायत की है। कस्बे में महाभारत कालीन गुरु द्रोणाचार्य का ऐतिहासिक मंदिर है। जहां रोजाना सैकड़ो की संख्या में लोग दर्शन करने के लिए पहुंचते हैं।

देह व्यापार करने वाली दो महिलाएं गिरफ्तार

महिलाओं के खिलाफ मामला दर्ज कर छानबीन में जुटी पुलिस

नई दिल्ली। छावला के बीएसएफ कैंप के पास सार्वजनिक जगह पर देह व्यापार से जुड़ीं दो महिलाओं को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इन महिलाओं के खिलाफ पुलिस को लगातार शिकायतें मिल रही थीं। नकली ग्राहक बनकर पुलिस ने दोनों को पकड़ा।

पुलिस ने इनके खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस महिलाओं से पूछताछ कर धंधे में शामिल अन्य आरोपियों की पहचान करने में जुटी है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि शिकायत मिली कि बीएसएफ कैंप गंदा नाला के पास कुछ महिलाएं देह

व्यापार कर रही हैं। महिलाएं वहां से गुजर रहे लोगों के साथ अश्लील हरकतें करती हैं। जिससे लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

इन शिकायतों को देखते हुए पुलिस ने उस इलाके में मुखबिरों को सक्रिय किया। 17 नवंबर की देर शाम को मुखबिरों ने पुलिस को बताया कि कुछ महिलाएं बीएसएफ कैंप गंदा नाला के पास मौजूद हैं। सूचना पर पुलिस ने तुरंत एक टीम गठित की। पुलिस की टीम ने वहां पहुंचकर घेराबंदी की। एक हवलदार को नकली ग्राहक बनाकर महिलाओं के पास भेजा गया। वहां पर दो महिलाएं मौजूद थीं। पुलिसकर्मी ने दोनों से बातचीत करने के बाद सौदा तय किया। पुलिसकर्मी ने एक महिला को पैसे देने के बाद पुलिस टीम को इशारा कर दिया। टीम ने तुरंत छापा मारकर दो महिलाओं को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार दोनों महिलाएं छावला इलाके की रहने वाली हैं।

अखिल भारतवर्षीय यादव महासभा ने वीर अहीर शौर्य दिवस मनाया

18 नवम्बर 1962 को भारत चीन युद्ध रेजंगला चौकी पर शहीद 114 वीर अहीर जवानों की शहादत पर 18 नवम्बर को वीर अहीर शौर्य दिवस मनाया गया । दिल्ली में आयोजित कार्यक्रमों की श्रंखला में अखिल भारतवर्षीय यादव महासभा 1924 दिल्ली प्रदेश के अध्यक्ष मा.जयभगवान यादव जी के मार्गदर्शन में बाहरी दिल्ली क्षेत्र के समयपुर गाँव स्थित शिव मंदिर प्रांगण में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में दिल्ली के विभिन्न गांवों - समयपुर, बादली, हैदरपुर,भलस्वा, जहांगीर पुरी, बेगमपुर, नाहरपुर, शकूरपुर मादीपुर, ख्याला, रजोकरी नजफगढ़ नांगलोई, सम्मानित बंधुओं,की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम में उपस्थित सज्जनों ने हवन में आहुति देकर वीर अहीर शूरवीरों को आहुति देकर याद किया। रेजांगला की रक्त रंजित पवित्र माटी के कलश को नमन करते हुए अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की और अखिल भारत वर्षीय यादव महासभा को कृतज्ञतापूर्वक धन्यवाद दिया जिनके प्रयास से उन्हें इस पवित्र माटी के दर्शन करने और नमन करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। सभी ने --एक दिया शहीदों के नाम प्रज्ज्वलित किया। वीर अहीर शूरवीरों की शहादत को सम्मान मिले, उन्हें उनका अधिकार मिले -- *अहीर रेजिमेंट का गठन हो। इस मांग के लिए सभी ने अपनी आवाज बुलंद की। सरकार में प्रतिनिधित्व कर रहे बंधुओं को अहीर रेजिमेंट के गठन की अपनी मांग के लिए ज्ञापन देने का प्रस्ताव रखा गया।

दिल्ली में नगर पालिका क्षेत्र में सड़क का नामकरण रेजांगला के वीर सपूतों के नाम पर किया जाने की मांग व डाक टिकट जारी करवाने की मांग को दोहराया गया। रेजांगला शहीदी दिवस पर कार्यक्रम स्थल पर भण्डारा प्रसाद का वितरण किया गया।

नौकरी दिलाने के नाम पर लाखों की ठगी

नई दिल्ली। द्वारका नॉर्थ इलाके में केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) में माली के पद पर नौकरी दिलाने का झांसा देकर युवक से लाखों की ठगी करने का मामला सामने आया है। पीड़ित ने अपने एक दोस्त और उसके साथियों पर ठगी करने का आरोप लगाया है। आरोपियों ने बिहार के दानापुर में पीड़ित का मेडिकल भी करवाया और फर्जी नियुक्ति पत्र सौंप दिया। नियुक्ति पत्र लेकर जब वह दिल्ली कैंट पहुंचा तो पता चला कि यहां सीआईएसएफ की कोई यूनिट ही नहीं है। ठगी का अहसास होने के बाद उन्होंने द्वारका नॉर्थ थाने में इसकी शिकायत की। पुलिस इस बाबत मामला दर्ज कर छानबीन में जुट गई है। पीड़ित की पहचान मिथलेश कुमार के रूप में हुई है। मूलत- भागलपुर, बिहार का रहने वाला मिथलेश पिछले पांच साल से द्वारका सेक्टर 13 स्थित एक होटल में काम करता है। होटल में काम करने के साथ ही वह पढ़ाई भी कर रहा है। पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 2019 में वह पीडीएम कॉलेज बहादुरगढ़ से डिप्लोमा किया। पढ़ाई करने के दौरान उसकी मिलन से दोस्ती हो गई। दोनों भोपाल स्थित एनआरआई कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग से बीटेक की पढ़ाई करने लगे।

दिल्ली विश्वविद्यालय के हिन्दू अध्ययन केंद्र का उद्घाटन समारोह आयोजित

देश भर में संचालित हिन्दू अध्ययन केन्द्रों में अध्ययन के लिए अनुकरणीय उदाहरण स्थापित करेगा सेंटर फॉर हिंदू स्टडीज में किया गया शोध : प्रो. योगेश सिंह

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय के हिन्दू अध्ययन केन्द्र में एमए के लिए शैक्षणिक कैलेंडर सोमवार को कक्षाएं शुरू करने की घोषणा के साथ लॉन्च किया गया। इस अवसर पर दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने हिंदू अध्ययन केंद्र का विधिवत उद्घाटन किया। उद्घाटन समारोह के दौरान साउथ कैंपस के निदेशक प्रो. श्री प्रकाश सिंह, कला संकाय के डीन अमिताव चक्रवर्ती, हिन्दू अध्ययन केंद्र के निदेशक प्रो. ओम नाथ बिमली और संयुक्त निदेशक डॉ. प्रेरणा मल्होत्रा, अन्य डीन, विभाग प्रमुख, प्रिंसिपल तथा प्रोफेसर भी उपस्थित रहे। अपने संबोधन में कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने कहा सेंटर फॉर हिंदू स्टडीज में किया गया शोध देश भर में संचालित हिन्दू अध्ययन केन्द्रों में अध्ययन के लिए एक अनुकरणीय उदाहरण स्थापित करेगा। इस अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा मंत्रोच्चारण के साथ वैदिक हवन का कार्यक्रम किया गया जिसमें कुलपति प्रो. योगेश सिंह मुख्य यजमान रहे। यज्ञ के बाद सभी के लिए प्रसाद वितरण किया गया। प्रश्नोत्तर सत्र में प्रो. श्री प्रकाश सिंह ने विद्यार्थियों की चिंताओं पर ध्यान दिया और बताया कि कैसे यह केंद्र स्वाभाविक रूप से अंत:विषय प्रकृति का है। चर्चा में शामिल होते हुए, डॉ. प्रेरणा मल्होत्रा ने केंद्र में पढ़ाए जाने वाले विषयों के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि हिंदू अध्ययन, राजनीति विज्ञान, कंप्यूटर विज्ञान, वाणिज्य के साथ-साथ पांडुलिपि विज्ञान और डेटा जैसे कौशल- विषय हैं। प्रथम सेमेस्टर में जहां हिंदू धर्म और दर्शन के अध्ययन, संरक्षण और शिक्षण पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा और वहीं कौशल आधारित शिक्षा से छात्र/ छात्राओं को अपना करियर बनाने में मदद मिलेगी। डॉ. प्रेरणा मल्होत्रा ने बताया कि हिंदू अध्ययन केंद्र की स्थापना का उद्देश्य छात्रों/ छात्राओं को हिंदू धर्म और दर्शन के सार के बारे में गंभीर रूप से सोचने का प्रशिक्षण प्रदान करना है। दिल्ली विश्वविद्यालय में स्थापित हिन्दू अध्ययन केन्द्र की मुख्य विशेषता है कि यह विद्यार्थियों को हिन्दू अध्ययन के रूप में मेजर तथा माइनर में अन्य कौशल आधारित विषयों जैसे कम्प्यूटर विज्ञान, राजनीति विज्ञान, वाणिज्य, डेटा अध्ययन आदि विषयों को चयन करने की सुविधा देता है, जिससे संबंधित विषयों में विद्यार्थियों के लिए करियर के नवीन विकल्प उपलब्ध होंगे।

परिशिष्ट 'ए' - संख्यांक 2

न्यायालय सिविल जज (सीनियर डिवीजन) ललितपुर

विवाद्यकों के स्थिरीकरण के लिए समन — वाद संख्या 19 / 2019
(आदेश 5 के नियम 1 और 5) — विनोद कुमार आदि बनाम श्रीमती आशा उपाध्याय आदि
तारीख पेशी : 15-01-2024

प्रेषिती-

1- श्रीमती रामसकी उम्र करीब 54 वर्ष पत्नी श्री हरीकिशन लोधी निवासिनी आरजेड0-162, बी-ब्लॉक अर्जुन पार्क नजफगढ़, साउथ वेस्ट दिल्ली। प्रतिवादी संख्या 2

2- श्रीमती लाड़कुंदर लोधी उम्र करीब 45 वर्ष पत्नी श्री हुकुम सिंह लोधी निवासिनी आनन्दपुर ट्रस्ट के सामने, राजघाट रोड, पिसनाची ललितपुर, परगना, तहसील व जिला ललितपुर

3- श्रीमती पार्वती उम्र करीब 45 वर्ष पत्नी श्री राजू निवासिनी मुहल्ला बढ़ापुरा ललितपुर, परगना, तहसील व जिला ललितपुर। -तरतीदी प्रतिवादी संख्या 6 व 8

विनोद कुमार आदि उक्त ने आपके विरुद्ध स्थायी निषेधाज्ञा एवं आज्ञात्मक व्यादेश एवं बैनामा निरस्तीकरण की प्राप्ति हेतु याद संस्थित किया है। आपको इस न्यायालय में तारीख 15-01-2024 को 10 : 30 ए एम बजे दावे का उत्तर देने के लिए उपसंजात (हाजिर होने के लिए समन किया जाता है आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते हैं। जिसे सम्यक अनुदेश दिए गए हों और जो इस दाद सम्बन्धित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सकें आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन दाखिल करें और उस दिन से ऐसी सब दस्तावेजें जो आपके कब्जे या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपकी प्रतिरक्षा या मुजराई का दावा प्रतिदावा आधारित है और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो या न हो, अपनी प्रतिरक्षा या मुजराई के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते हैं तो आप ऐसे दस्तावेजों की लिखित कथन के साथ उपाबद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्टि करें।

आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप ऊपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो दाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।

यह आज तारीख 08-11-202× को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।

न्यायालय सिविल जज (सीनियर डिवीजन) ललितपुर

संपादकीय

मणिपुर में राहत में सुस्ती और सरकार की कार्यक्षमता पर सवाल

मानवाधिकार आयोग ने मणिपुर के कुछ हिस्सों में हिंसा जारी रहने पर चिंता जाहिर करते हुए राज्य सरकार से हालात सामान्य करने के लिए रूपरेखा तैयार करने को कहा है। मणिपुर में हिंसा की शुरुआत के करीब छह महीने बाद भी अगर राज्य सरकार वहां शांति कायम नहीं कर सकी है तो यह उसकी कार्यक्षमता पर ही सवाल है। मगर ज्यादा अफसोस की बात यह है कि हिंसा के शिकार लोगों को राहत मुहैया कराने के मामले में भी समय पर जरूरी कदम नहीं उठाए गए और इसके लिए देश की दूसरी संस्थाओं को याद दिलाना पड़ रहा है।

मानवाधिकार आयोग और पीड़ितों को मुआवजा

गौरतलब है कि राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने मणिपुर सरकार से राज्य में मई महीने में शुरू हुए जातीय संघर्षों में मारे गए सभी लोगों के परिजनों को दस-दस लाख रुपए मुआवजा देने को कहा है। आयोग ने यह आदेश भी दिया कि हिंसा में क्षतिग्रस्त घरों का मूल्यांकन किया जाए और छह सप्ताह के भीतर प्रत्येक पीड़ित को दस लाख रुपए मुआवजा दिया जाए। यानी जो काम सरकार को अपनी ओर से करना चाहिए था, उसे लेकर भी वह सजग नहीं है। क्या सरकार के इसी उदासीन रवैये की वजह से राज्य में आज भी बिगड़े हालात पर काबू पाना मुश्किल नहीं बना हुआ है?

राज्य में हिंसा की घटनाएं और शांति के प्रयास

सरकार के काम करने की शैली का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि वहां दो समुदायों के बीच शुरू हुए टकराव को एक लंबा वक्त गुजर जाने के बावजूद हालात पर काबू पाने के लिए कोई ठोस नतीजा सामने नहीं आ सका है। अब भी वहां हिंसा और आगजनी की घटनाएं हो रही हैं। इस पहलू पर मानवाधिकार आयोग ने मणिपुर के कुछ हिस्सों में हिंसा जारी रहने पर चिंता जाहिर करते हुए राज्य सरकार से हालात सामान्य करने के लिए रूपरेखा तैयार करने को कहा है। यह सरकार के लिए शर्मिंदगी का विषय होना चाहिए कि वह राज्य में हिंसा की वजहें पहचान कर उसका हल निकालने के लिए जरूरी कदम उठाने में नाकाम रही, फिर बाद में जब कुकी और मैतेई समुदाय के बीच हिंसा ने व्यापक शक्ल ले ली, तब भी उसे रोकने को लेकर कोई ऐसी पहल नहीं दिखी, जिसे दूरदर्शी कहा जा सके। नतीजा यह हुआ कि राज्य में पुलिस से लेकर सेना तक की तैनाती के बावजूद वहां हिंसा और अराजकता बनी हुई है। हालांकि मैतेई समुदाय को जनजाति श्रेणी में शामिल करने के मसले पर वहां विरोध का जो ज्वार उठा, उसमें यह साफ दिख रहा था कि यह कैसा रूप ले सकता है। मगर इतने संवेदनशील मुद्दे को भी सरकार ने शायद तात्कालिक प्रतिक्रिया मान लिया था। इसी उदासीनता का नतीजा था कि समूचे राज्य में अराजकता का माहौल बन गया और उसके बाद स्थिति पर नियंत्रण करना सरकार के लिए मुश्किल हो गया। केंद्रीय गृह मंत्रालय और सुप्रीम कोर्ट की ओर से भी शांति और निगरानी समितियां बना कर हल निकालने की कोशिश की गई, मगर उसका कोई ठोस नतीजा नहीं निकला। जबकि इस मसले का अकेला समाधान कुकी और मैतेई समुदायों के बीच संवाद और उभरे सवालों पर सहमति कायम करना है। मगर हिंसा से प्रभावित इलाकों में न केवल कार्रवाई को लेकर शिथिलता बरती गई, बल्कि सरकार और पुलिस पर पक्षपात करने के भी आरोप लगे। मानवाधिकार आयोग को एक निश्चित तारीख तक एक सौ अस्सी लोगों के मारे जाने की सूचना दी गई थी, लेकिन ऐसे सिर्फ तिरानबे लोगों के परिजनों को ही दस लाख रुपए मुआवजा दिया गया। इससे सरकार की कार्यशैली और उसकी मंशा पर सवाल उठते हैं कि क्या वह राज्य में हिंसा को पूरी तरह रोकने और पीड़ितों को राहत मुहैया कराने को लेकर गंभीर है?

रोजगार की सरहद और आरक्षण पर सरकार की सियासी सोच

निजी कंपनियां और संस्था-संस्थान अपनी जरूरत के हिसाब से कौशल आदि का आकलन करते हुए कर्मचारी नियुक्त करते हैं। उसमें पचहत्तर फीसद स्थानीय लोगों को भरने की अनिवार्यता लागू करने से उन्हें कुशल कर्मचारियों के चुनाव में अड़चन आना स्वाभाविक है।

अपने सियासी स्वार्थ साधने की कोशिश में अक्सर पार्टियां और सरकारें संवैधानिक मर्यादाओं के परे जाकर भी वादे और फैसले कर जाती हैं। यही किया हरियाणा सरकार ने। तीन साल पहले उसने कानून बना कर तय कर दिया कि उन सभी निजी कंपनियों, संस्थानों और संस्थाओं को अपने यहां नौकरियों में हरियाणा के युवाओं को पचहत्तर फीसद आरक्षण देना होगा, जिनमें दस से अधिक कर्मचारी काम करते हैं और उनका वेतन तीस हजार रुपए से कम है।

जिस तरह राजनीतिक दल पूरे देश में जातीय और क्षेत्रीय अस्मिता के मुद्दे पर अपना जनाधार बनाने की कोशिश करते देखे जाते हैं, उसमें हरियाणा सरकार का यह कदम नया नहीं कहा जा सकता। अच्छी बात है कि पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय ने उस कानून को रद्द कर दिया। दरअसल, इस आरक्षण का वादा विधानसभा चुनाव के वक्त जननायक जनता पार्टी ने किया था। फिर जब सत्ता गठबंधन में शामिल हुई तो उसने यह कानून भी बना दिया। हर कल्याणकारी सरकार का कर्तव्य है कि वह अपने नागरिकों को रोजी-रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराए। मगर इसके लिए संविधान में दिए गए समानता और जीवन जीने के अधिकार को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। दूसरों के अधिकारों का हनन नहीं किया जा सकता। ऐसी कोई सरहद नहीं बनाई जा सकती, जिसमें दूसरे इलाकों के लोगों का प्रवेश वर्जित हो।

भारत में संघीय व्यवस्था है और इसमें हर नागरिक को संवैधानिक अधिकार प्राप्त है कि वह देश के किसी भी हिस्से में जाकर बस और रोजी-रोजगार के अवसर तलाश सकता है। कोई भी राज्य सरकार इस पर पाबंदी नहीं लगा सकती। मगर राजनीतिक दल अपने स्वार्थ के लिए क्षेत्रीय अस्मिता का हवाला देते हुए कई बार बाहरी लोगों के खिलाफ स्थानीय लोगों को भड़काने का प्रयास करते देखे जा चुके हैं।

असम और महाराष्ट्र इसके ज्वलंत उदाहरण हैं। असम में बिहारी मजदूरों पर यह कह कर हमला किया गया और उन्हें वहां से भगाने का प्रयास हुआ था कि उनकी वजह से असम के युवाओं को रोजगार नहीं मिल पाता। इसी तर्क पर महाराष्ट्र में भी दूसरे प्रदेशों से जाकर बसे या किसी रोजी-रोजगार में लगे लोगों पर हमले किए गए थे। इस संकीर्ण सोच को रोपने का अवसर उन सभी इलाकों में उपलब्ध होता है, जहां उद्योग-धंधे और रोजी-रोजगार के अवसर अधिक हैं। हालांकि बहुत सारी जगहों पर ऐसी विभेदकारी कोशिशें सफल नहीं हो पातीं।

हरियाणा में भी उद्योग-धंधे बहुत हैं, जहां दूसरे राज्यों से बड़ी संख्या में आकर लोग काम करते हैं। इस तरह जजपा के लिए हरियाणा के लोगों में यह भाव भरना आसान हो गया कि स्थानीय लोगों का हक बाहरी लोग छीन रहे हैं।

निजी कंपनियां और संस्था-संस्थान अपनी जरूरत के हिसाब से कौशल आदि का आकलन करते हुए कर्मचारी नियुक्त करते हैं। उसमें पचहत्तर फीसद स्थानीय लोगों को भरने की अनिवार्यता लागू करने से उन्हें कुशल कर्मचारियों के चुनाव में अड़चन आना स्वाभाविक है। इसलिए कंपनियों ने इस कानून के खिलाफ अदालत का दरवाजा खटखटाया और तर्क दिया था कि इससे उनकी उत्पादकता और कार्य-कुशलता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। इससे संविधान के मूल उद्देश्य का हनन तो हो ही रहा था। अगर सभी राज्य सरकारें इसी संकुचित सोच के साथ काम करने लगें, तो देश का संघीय ढांचा ही टूट जाएगा। हमारी मिश्र और समावेशी संस्कृति भी खत्म हो जाएगी। रोजगार के लिए योग्यता और कुशलता के बजाय क्षेत्रीयता कोई पैमाना नहीं होना चाहिए।

इस हार के लिए वीवीआईपी की मौजूदगी तो जिम्मेदार नहीं

अशोक मधुप

वनडे विश्व कप 2023 के फाइनल में भारत को हार का सामना करना पड़ा। लगातार 10 मैच जीतकर फाइनल में पहुंचने वाली टीम इंडिया का विजय रथ ऑस्ट्रेलिया ने तोड़ा और फाइनल अपने नाम किया।वर्ल्ड कप के फ़ाइनल मुक़ाबले में भारतीय टीम की हार के बाद क्रिकेट प्रशंसक काफ़ी निराश हैं।वे मानते हैं कि टीम का अति आत्मविश्वास हार का कारण बना। इस फाइनल मैच को देखने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ,गृह मंत्री अमित शाह समेत बडी संख्या में फिल्मी हस्तियों जैसे अति वीवीआईपी स्टेडियम में मौजूद थे। ये भी हो सकता है कि इन वीवीआईपी की मौजूदगी के कारण भारतीय टीम पर अच्छा प्रदर्शन दिखाने के प्रेशर रहा हो।इसीके कारण भारतीय टीम चूक करने लगी।वह अच्छा प्रदर्शन न कर सकी हो।

भारत की इस हार के बाद भारतवासियों समेत भारत के सभी खिलाड़ी निराश थे। कप्तान रोहित और मोहम्मद सिराज तो अपने आंसू भी नहीं रोक सके। मैच के बाद जब रोहित से टीम की हार पर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा नतीजा हमारे अनुकूल नहीं रहा। हम आज उतना अच्छा नहीं खेले। हमने सब कुछ करने की कोशिश की, लेकिन यह हमारी किस्मत में नहीं था। हम 20-30 रन और बनाते तो अच्छा होता। केएल और कोहली अच्छी साझेदारी कर रहे थे और हम 270-280 के स्कोर की ओर देख रहे थे, लेकिन हम लगातार विकेट खोते रहे। जब आपके पास बोर्ड पर 240 रन होते हैं, तो आप विकेट लेना चाहते हैं, लेकिन हमें खेल से बाहर करने का श्रेय हेड और लाबुशेन को जाता है, लेकिन मुझे लगता है कि रात में बल्लेबाजी के लिए विकेट थोड़ा बेहतर हो गया था। मैं इसे कोई बहाना नहीं बनाना चाहता। हमने पर्याप्त रन नहीं बनाए। शानदार साझेदारी करने के लिए उन दोनों ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों को श्रेय जाता है।

प्रशंसक कहते हैं कि भारतीय टीम अति आत्मविश्वास के कारण हारी है। बीबीसी के साथ बातचीत में उन्होंने कहा, खिलाड़ियों की ऊर्जा कम लग रही थी। गेंदबाज़ी और फील्डिंग में कमी थी। जिस दिन ज़रूरत थी उस दिन टीम चूक गई। उनका मानना था भारत ने आज अपना केवल 40 प्रतिशत प्रदर्शन ही ठीक दिया। रोहित शर्मा का विकेट गिरना मैच का टर्निंग प्वाइंट था। इस सवाल के जवाब में कि भारतीय टीम अच्छे फॉर्म में थी, फिर भी क्या हुआ, प्रशंसक कहते हैं, टीम में आज अनुशासन की कमी थी। वहीं एक प्रशंसक कहते हैं, आज ऑस्ट्रेलिया का दिन था. भारतीय टीम की इतनी आलोचना करना ठीक नहीं है।

भारत की हार के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्वीट कर टीम का हौसला बढ़ाया ।उन्होंने ट्वीट कर लिखा कि वर्ल्ड कप के दौरान टीम इंडिया का टैलेंट और दृढ़ संकल्प उल्लेखनीय था।पीएम मोदी ने लिखा, आपने बहुत अच्छे जज्बे के साथ खेला है और देश को गौरवान्वित किया है। हम आज आपके साथ खड़े हैं और आगे भी खड़े रहेंगे। ट्रैविस हेड और मार्नस लाबुशेन

की दमदार पारियों की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने भारत को छह विकेट से हराते हुए वनडे वर्ल्ड कप छठी बार जीत लिया है।ऑस्ट्रेलियाई पारी की शुरुआत अच्छी नहीं रही और इसके तीन बल्लेबाज़ केवल 47 रन पर आउट हो गए लेकिन इसके बाद ट्रेविस हेड और मार्नस लाबुशेन ने चौथे विकेट के लिए शतकीय साझेदारी निभाई और टीम को जीत की दहलीज तक ले गए।इससे पहले विराट कोहली और केएल राहुल की अर्धशतकीय पारियों की बदौलत भारत ने ऑस्ट्रेलिया के सामने वर्ल्ड कप 2023 जीतने के लिए 241 रनों का लक्ष्य रखा।टॉस जीत कर पैट कमिंस ने जब भारत को पहले बल्लेबाज़ी के लिए आमंत्रित किया तो रोहित शर्मा बोले कि वे भी पहले बैटिंग ही करना चाह रहे थे। रोहित के नेतृत्व में टीम ने ज़ोरदार शुरुआत भी की लेकिन बड़ा स्कोर नहीं खड़ा कर सकी।

खेल में हार- जीत चलती रहती है। क्रिकेट तो पूरा भाग्य का खेल माना जाता है। इसके बावजूद ये तो विचार करना ही है कि पूरे विश्व कप के दौरान शुरूआत से अब तक बढ़िया प्रदर्शन करने वाली टीम इंडिया, फाइनल में कोई करिश्मा क्यों नही कर सकी। इस मैच में उसके साथ ऐसा क्या हुआ, जो वह बढ़िया प्रदर्शन करने से चूक गई । इस मैच में न उसकी बॉलिंग अच्छी रही, फिल्डिंग ।न सिर्फ गेंदबाजी बल्कि बल्लेबाजी में भी भारतीय खिलाड़ी फ्लॉप हुए। भारतीय गेंदबाजों ने जहां इस मैच से पहले तक पूरे विश्व कप में विपक्षी टीम को अपनी सीम और स्विंग से परेशान किया था, इस मैच में शुरुआती कुछ ओवरों में जरूर सीम और स्विंग देखने को मिली, लेकिन बाद में नहीं। 15 ओवर के बाद ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज पूरी तरह जम गए।

भारत की टीम मानकर चल रही थी कि इस बार भी वह ही टास जितेगी। टास जीत कर दूसरी टीम को खेलने का अवसर देगी। लगता है कि टास के विपरित होते ही उसे झटका लगा।वह मानसिक तनाव महसूस करने लगी। ये भी सोचना होगा कि लगातार 10 मैच जीतकर फाइनल में पहुंचने वाली टीम इंडिया के साथ फाइनल में क्या हुआ, जो वह अच्छा प्रदर्शन नही कर सकी।गेंदबाजी के बूते फइनल में पहुंची टीम इंडिया कोई करिश्मा क्यों नही दिखा पाई? इसके पीछे कहीं स्टेडियम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत वीवीआईपी की मौजूदगी तो इसका कारण नही । कहीं ऐसा तो नही कि वीवीआईपी की मौजूदगी के कारण टीम ने मनोवैज्ञानिक प्रेशर महसूस किया हो।ज्यादा सचेत रहकर खेलने की कोशिश की हो और इसी कोशिश में वह बिखरती चली गई हो।

मैडिकल सांइस में एक टर्म है वीआईपी सिंड्रोम। इसमें कहा जाता है कि किसी वीआईवी के अस्पताल आते ही अस्पताल के चिकित्सक और स्टाफ मानसिक दबाव में आ जाते हैं।इसी कारण उनसे गलतियां होती चली जाती हैं। माना जाता है अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जॉन एफ? केनेडी और भारत की पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी पर हमले के समय भी चिकित्सक मानसिक दबाव में आ गए। माना जाता है कि इसी कारण उनसे गलतियां हुई और वे दोनों वीवीआईपी को नही बचा पाए। यह भी कहा जाता है कि बड़ी घटना के समय वीवीआईपी को मौके पर नही जाना चाहिए। बचाव कार्य में लगी टीम वीआईपी के दौरे में लग जाती है। बचाव में व्यय होने वाली उसकी एनर्जी वीवीआईपी की सुरक्षा आदि पर व्यय हो जाती है। अपने काम से बचाव टीम की एकाग्रता कम होती है।

इस मैच में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ गृहमंत्री अमित शाह के अलावा फिल्म हस्तियां शाहरूक खान, गौरी खान, आशा भोंसले,अनुष्का शर्मा और शालिया शेट्टी समेत कई दिग्गज हस्तियां मौजूद थी।फाइनल में भारत की विजय देखने के लिए एक लाख से ज्यादा उत्सुक भारतीयों से स्टेडियम भरा था। ये भारतीय टीम के कलर की टीशर्ट पहने थे।इन सब लोगों की आशा और उम्मीदों पर खरा उतरने के प्रयास में टीम मानसिक प्रेशर में आ गई हो।मानसिक प्रेशर आदमी- आदमी पर अलग होता है।इस मैच में आस्ट्रेलिया के डिप्टी पीएम रिचर्ड मार्लेस भी मौजूद थे,किंतु हो सकता है कि आस्ट्रेलिया की टीम ने उनकी मौजूदगी पर मानसिक दबाव न महसूस किया हो। भारतीय टीम प्रेशर में आ गई हो।कुछ भी हो इस बात से इंकार नही किया जा सकता कि स्टेडियम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत वीवीआईपी और टीम के कलर की टीशर्ट शर्ट पहले लाखों भारतीयों की मौजूदगी टीम पर मानसिक दबाव तो रहा ही होगा। इसलिए खेल की हार में कारणों के साथ मनोवैज्ञानिकों को मैच के दौरान भारतीय टीम के मानसिक स्तर ,उसपर मैच के दौरान के मानसिक दबाव की भी जांच होनी चाहिए। इन सबके बावजूद हमें अपने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का कार्यक्षमता की प्रशंसा करनी होती कि वह ऐसे अवसर पर बुलावे पर पंहुच जाते हैं। चंद्रयान दो के चंद्रमा पर उतरने के समय भी वह इस कार्य में लगे सांइस्टिस्ट के साथ थे। पीएम मोदी काफी पहले बेंगलुरु स्थित इसरो के मुख्यालय पहुंच गए थे। पीएम चंद्रयान-2 की ऐतिहासिक कामयाबी का गवाह बनना चाहते थे लेकिन आख़िरी पल में संपर्क टूट गया।ऐसा होते ही प्रधानमंत्री की मौजूदगी में इसरो मुख्यालय में तनाव फैल गया. बाद में पीएम मोदी ख़ुद ही सामने आए और वैज्ञानिकों से कहा कि विज्ञान में नाकामी जैसी कोई चीज़ नहीं होती , बल्कि हर क़दम एक नया प्रयोग होता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रोते इसरो प्रमुख के सिवन का ढाढस भी बंधाया था।चंद्रयान तीन के भी चंद्रमा पर उतरने के समय वह विदेश में होकर भी इसरो के केंद्र से जुड़े थे। ऐसा ही उन्होंने इस फाइनल में भारतीय टीम के साथ किया। ट्विट कर टीम के खेल की प्रशंसा की और यह भी कहा कि वह टीम के साथ हैं।

एक बात और हम भारत आशावादी हैं। ईश्वरवादी हैं।देश की 178 करोड़ आबादी इस मैच में भारत को विजयी देखना चाहती थी।कई दिन पहले से भारत की जनता इसके लिए प्रार्थनाएं कर रही थी।दुआ मांग रही थी। अरदास कर रही थी।इतना सब होने के बाद भी यदि भारत हारा तो यह मानना चाहिए कि प्रभु की ऐसी ही इच्छा थी।

वृद्ध माता पिता परिवार के वटवृक्ष और धरोहर

मां शब्द बड़ा ही वृहद और विराट होता है पूरी सृष्टि इसमें समाहित होती है। मां ,धरती, जननी, धरा ,माते इतने पवित्र शब्द है कि संताने उनका ऋण कभी नहीं चुका सकती हैं और पिता वटवृक्ष से घना साया हैं पितृऋण से कभी उबरा नहीं जा सकता। यूरोप और पश्चिम देश इतने अभागे हैं कि वे अपने माता और पिता को वृद्धा आश्रम में छोड़ आते हैं या उन्हें छोड़कर स्वयं संताने दूर चली जाती हैं। स्विजरलैंड जैसे खूबसूरत देश में बुजुर्ग दंपत्ति इच्छा मृत्यु लेकर अपना अंतिम समय व्यतीत करते हैं, पर भारत सांस्कृतिक संस्कारी रूप से समृद्ध है तथा मां-बाप संतानों के पास रहते हैं। कुछ प्रतिशत छोड़ दिया जाए महानगरों में संताने मां और पिता को वृद्ध आश्रम में रखने का उपक्रम करने लगे हैं। पाश्चात्य सभ्यता की यह अंधी नकल बुजुर्ग दंपतियों के लिए बड़ी ही मार्मिक और हृदय विदारक होती है। वृद्ध दंपतियों का अनुभव परिवार के विकास समृद्धि के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण होता है। यह विडंबना है मनुष्य अत्यंत अनुभवी परिपक्व,प्रबुद्ध शालीन हो जाता है तब उसके अनुभव कार्य की लगन सहनशीलताऔर परिपक्व मस्तिष्क का हम सदुपयोग नहीं करते उन्हें अवकाश प्रदान कर देते हैं यह भी इस सिक्के का दूसरा पहलू है कि ईस उम्र में शरीर में थकावट और वृद्धावस्था आ जाती है पर हम उन्हें सम्मान और यथा योग्य महत्व देकर उनके मार्गदर्शन और परामर्श का यथोचित लाभ लेकर अपने जीवन व्यवसाय अथवा नई नीतियों में सफलता प्राप्त कर सकते हैं, पर अमूमन ऐसा होता नहीं है।

वृद्धावस्था को जीवन का अंतिम पड़ाव एवं समस्याओं से गिरी हुई अवस्था माना जाता है, क्योंकि इस अवस्था में वृद्धों को अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ता है।समय की रफ्तार के साथ समाज में अनेक परिवर्तन होने लगे हैं। नवीन पीढ़ी के लोग पुराने विचारों के लोगों का उनके जीवन में हस्तक्षेप उचित ना समझ कर बर्दाश्त नहीं करते हैं,इसी कारण युवा पीढ़ी बुजुर्गों और वृद्धों के विचारों की गहन उपेक्षा करने लगते हैं और बुजुर्गों को लगता है कि उनकी समाज में उपयोगिता धीरे धीरे कम हो रही है। जीवन का सांध्य काल आने पर मनुष्य कई समस्याओं से घिर जाता है। सबसे बड़ी समस्या शारीरिक क्षमता में कमी आ जाने की है, शरीर की सभी इंद्रियां धीमी पड़ जाती हैं,अनेक प्रकार की व्याधियों से शरीर घिर जाता है और मनुष्य धीरे-धीरे शरीर पर नियंत्रण खोता जाता है। उम्र के वृद्धावस्था के पड़ाव पर अनेक शारीरिक बीमारियों के साथ-साथ मूल समस्या मानसिक व्याधि की होती है। सरकारी तथा गैर सरकारी संगठनों में वेतन भोगी कर्मचारी को एक निर्धारित आयु के बाद सेवानिवृत्त कर दिया जाता है और यह मान लिया जाता है कि वह व्यक्ति अब शारीरिक एवं मानसिक श्रम के योग्य नहीं रहा चाहे वह व्यक्ति स्वस्थ ही क्यों ना हो। इसके बाद उस व्यक्ति के जीवन में अनेक कठिनाई आने लगती हैं। जैसे ही व्यक्ति की आर्थिक उपयोगिता समाज में कम होने लगती है, वह समाज के लिए अनुपयोगी मान लिया जाता है और इस अवस्था में पहुंचने के बाद मानसिक तनाव की स्थिति बनने लगती है। लोगों के संपर्क में न रहना, सहयोगी तथा मित्रों की मृत्यु भी मानसिक तनाव का बड़ा कारण होती है।

कर्ज़ की कैनवास हुई जिन्दहगी

कर्ज़ की कैनवास हुई जिन्दहगी
अंतत: बकवास हुई जिन्दिगी

पहले था छोटा-सा आशियाना;
अटारी में नाश हुई जिन्दआगी

भावों के बोल अब टूट गये ;
हर क्षण बदहवास हुई जिन्दगगी

कर्ज़ की संस्कृणति का है सामियाना,
दीमक-सी बाँस हुई जिन्ददगी

पल-पल अब दिन लगता भारी,
काँटों की उच्वाा स हुई जिन्द्गी

किश्तोंि में कट रहा है पलछिन,
टूटती-सी साँस हुई जिन्दीगी

बन गया दूह-सा डीह अब,
मिट्टी की लाश हुई जिन्दडगी

डॉ. डी. एन. प्रसाद
-प्राध्यामपक
महात्माा गांधी अंतरराष्ट्री य
हिन्दीट विश्व विद्यालय,
वर्धा-442001 (महाराष्ट्र)
मो. 09420063304

आओ हल्दी की खेती के लिए किसानों को प्रोत्साहित करें

अंतरराष्ट्रीय स्तरपर हल्दी के नए बाजार विकसित करने में राष्ट्रीय हल्दी बोर्ड की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करना समय की मांग - एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया

गोंदिया - वैश्विकस्तर पर पूरी दुनियां को विश्वास हो चुका है कि भारत के हर क्षेत्र में चौमुखी विकास हो रहा है।40-50 सालों से लटके कामों को सफलतापूर्वक नए जोश के साथ आगे बढ़कर मंजिल तक पहुंचा जा रहा है। वहीं आज भारत ने हर क्षेत्र को विकसित करने के लिए उनकी जड़ों तक पहुंचकर समस्याओं का हल ढूंढने में भिड़ गया है जिसके लिए उस उत्पाद या क्षेत्रों का राष्ट्रीय बोर्ड गठन कर उसका विकास किया गया है, जिसका उदाहरण चाय बोर्ड सहित आने अनेक बोर्डों का गठन किया गया है और अब राष्ट्रीय हल्दी बोर्ड के गठन को केंद्रीय मंत्रिमंडल में मंजूरी प्रदान कर अधिसूचित हुआ है। बता दें इसके लिए अनेक वर्षों से किसानों की मांग जारी थीऔर 15-20 सालों से आंदोलन कर रहे थे, जिसमें इस राष्ट्रीय हल्दी बोर्ड के गठन को लेकर प्रण लिया था कि जब तक बोर्ड का गठन नहीं होगा तब तक वह चप्पल नहीं पहनेंगें, अब इस बोर्ड के गठन का प्रस्ताव केंद्रीय मंत्रिमंडल ने पारित कर अधिसूचित किया गया है। बोर्ड के गठन से अब अनेक स्थानों, हल्दी उत्पादन के दूरदराज दुर्लभ स्थान या अनजान स्थान का संज्ञान लेकर वहीं हल्दी उत्पादन में तकनीक की सहायता कर उत्पादन बढ़ाया जाएगा। अब समय आ गया है कि जिस क्षेत्र में हल्दी उगने का एटमॉस्फेयर है और हल्दी की फसल अच्छी निकालने की आमना है, वहां किसानों को हल्दी की खेती करने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए, क्योंकि हल्दी सभी खाद्य औषधि सहित अन्य सभी प्रयोग में आने वाली एक वस्तु है जिसमें किसानों को अच्छी कमाई करने की उम्मीद है, साथ ही बोर्ड की पूरी मदद मिलने की रणनीति तैयार की गई है। बोर्ड इसका संज्ञान लेकर इसका विकास करेगा तो नए ऊंचे आयामों की प्राप्ति किसानों को होगी। चूंकि हल्दी किसानों के लिए एक कमाई वाली फसल हैऔर अब राष्ट्रीय हल्दी बोर्ड के गठन को भी अधिसूचित किया गया है, इसलिए आज हम मीडिया में और पीआईबी में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे,आओ हल्दी की खेती के लिए किसानों को प्रोत्साहित करें।अंतरराष्ट्रीय स्तरपर हल्दी के नए बाजार विकसित करने में राष्ट्रीय हल्दी बोर्ड की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करना समय की मांग है। साथियों बात अगर हम हल्दी के महत्व और किसानों के लिए कमाई वाली फसल होने को, जानने की करें तो, बताते चलें कि हल्दी की खेती को कमाई वाली फसल कहा जाता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि ये बहुत से कार्यों में इस्तेमाल होने वाली फसल है। जिसकी मांग हमेशा बनी रहती है। हल्दी का इस्तेमाल मसाले, औषधि, ब्यूटी प्रोडक्ट्स व अन्य कई उत्पादों में होता है। इसके साथ ही हल्दी की खेती के दौरान अधिक पानी या फिर सिंचाई की आवश्यकता नहीं होती है, ये एक ऐसी फसल है जो कम लागत में उग सकती है और इससे अच्छी आमदनी की जा सकती है। देश के लगभग हर घर में हल्दी का इस्तेमाल किया जाता है।

इसकी खेती कर किसान भाई अच्छा पैसा कमा सकते हैं। यदि हम एक हेक्टेयर जगह में हल्दी की खेती करने की सोच रहे हैं तो करीब-करीब दस हज़ार रुपये के बीज, दस हजार रुपये की खाद व मजदूरी शुल्क जो उस समय लागू हो वह हमको देना होगा। हल्दी की खेती से होने वाली आय मुख्य रूप से उत्पादन पर निर्भर होती है। एक हेक्टेयर में हल्दी का औसत उत्पादन 20-25 क्विंटल तक का होता है। यदि हल्दी का भाव दो सव रुपये किलो है, तो एक हेक्टेयर में हल्दी की खेती से करीब 5 लाख तक की कमाई की जा सकती है। बाजार में हल्दी की काफी डिमांड है। भारत ही नहीं बल्कि विदेश में भी हल्दी की काफी मांग है। हम हल्दी को ऑनलाइन प्लेटफार्म के जरिए भी अच्छे दामों में बेच सकते हैं। हल्दी की खेती करने के लिए अच्छी जल निकासी वाली मिट्टी को चुनें। इसके खेती करने के लिए जैविक खाद का इस्तेमाल करें। हल्दी की खेती के दौरान कीटों और बीमारियों से बचाव के लिए उचित उपाय करें।फसल को सही समय पर खेत से निकाल लें।

साथियों बात अगर हम राष्ट्रीय हल्दी बोर्ड के गठन को अधिसूचित करने की करें तो, भारत सरकार ने राष्ट्रीय हल्दी बोर्ड के गठन को अधिसूचित कर दिया है।

राष्ट्रीय हल्दी बोर्ड देश में हल्दी और हल्दी उत्पादों के विकास और वृद्धि पर फोकस करेगा। बोर्ड हल्दी से संबंधित मामलों में नेतृत्व प्रदान करेगा, प्रयासों को मजबूत बनाएगा तथा हल्दी क्षेत्र के विकास और वृद्धि में मसाला बोर्ड और अन्य सरकारी एजेंसियों के साथ अधिक समन्वय की सुविधा प्रदान करेगा। सरकार ने कैबि?नेट की बैठक में नेशनल टर्मरिक बोर्ड (राष्ट्रीय हल्दी बोर्ड) के गठन को मंजूरी दे दी है। इसके बारे में जानकारी देते हुए केंद्रीय मंत्री का कहना है कि इस बोर्ड का लक्ष्य है कि भारत 2030 तक प्रतिवर्ष एक बिलियन डॉलर हल्दी का निर्यात विदेश में किया करेगा। नेशनल टर्मरिक बोर्ड केकामकाज के बारे में जानकारी देते हुए केंद्रीयमंत्री ने बताया कि कोरोना महामारी के बाद दुनियां ने हल्दी के महत्व को समझ लिया है। भारत सरकार भी इसके उत्पादन उपभोग और निर्यात को बढ़ावा देना चाहती है, यह बोर्ड इसमें मदद करेगा। इसके साथ ही बोर्ड देश में हल्दी और हल्दी उत्पादों के विकास और ग्रोथ पर ध्यान केंद्रित करेगा। बोर्ड हल्दी से जुड़े मामलों पर नेतृत्व प्रदान करेगा, प्रयासों को बढ़ाएगा, हल्दी क्षेत्र के विकास और टर्मरिक बोर्ड की ग्रोथ और अन्य सरकारी एजेंसियों के साथ अधिकसमन्वय की सुविधा प्रदान करेगा।

इसके साथ ही दुनिया भर में हल्दी की खप्त बढ़ने की बहुत संभावनाएं है और बोर्ड की मदद से हल्दी की प्रति जागरूकता और खपत बढ़ाने, निर्यात बढ़ाने के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नए बाजार विकसित करने, नए उत्पादों में रिसर्च करने और विकास को बढ़ावा देने का काम करेगा। बोर्ड विशेष रूप से मूल्य संवर्धन से अधिक लाभ प्राप्त करने के लिए हल्दी उत्पादकों की क्षमता निर्माण और कौशल विकास पर ध्यान केंद्रित करेगा. बोर्ड गुणवत्ता, खाद्य सुरक्षा मानकों के पालन को भी बढ़ावा देगा। इतना ही नहीं बोर्ड हल्दी को सुरक्षा प्रदान करेगा और उपयोगी दोहन के लिए भी कदमउठाएगा बोर्ड के गठन को मंजूरी मिलने के बाद केंद्रीय मंत्री ने पीएम को धन्यवाद देते हुए कहा कि वे हमेशा किसानों के हित में काम करते हैं। हल्दी बोर्ड का गठन भी इसी दिशा में किया गया एक प्रयास है।

उनका कहना है कि इससे कई किसानों की लंबी मांग पूरी हो गई जो लगभग 15 से 20 साल से इसको लेकर के आंदोलन कर रहे थे और अपने मांग के समर्थन में उन किसानों ने चप्पल न पहनने का फैसला लिया था। साथियों बात अगर हम हल्दी के प्रति जागरूकता बढ़ाने बोर्ड के कार्यों की करें तो, हल्दी के स्वास्थ्य और कल्याण लाभों पर विश्व भर में महत्वपूर्ण संभावनाएं और रुचि है, जिसका लाभ बोर्ड जागरूकता और खपत बढ़ाने, निर्यात बढ़ाने के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नए बाजार विकसित करने, नए उत्पादों में अनुसंधान और विकास को बढ़ावा देने तथा मूल्यवर्धित हल्दी उत्पादों के लिए हमारे पारंपरिक ज्ञान के विकास का काम करेगा।

शार्ट न्यूज

महोबा में बुजुर्ग किसान की हत्या

महोबा। उत्तर प्रदेश में महोबा जिले के चरखारी क्षेत्र में एक बुजुर्ग किसान की धारदार हथियारों से काटकर नृशंस हत्या कर दी गई। घटना में घायल हुए एक अन्य युवक को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है। अपर पुलिस अधीक्षक सत्यम ने सोमवार को बताया कि बगरोंन गांव निवासी किसान लक्ष्मण पाल (62) फसल की रखवाली के लिए बीती रात में अपने खेत पर बनी झोपड़ी में सोया हुआ था, । जबकि उसका भतीजा कोमल पाल भी पास में ही स्थित दूसरी झोपड़ी में सोया था। बताया गया है कि मध्यरात्रि में अवैध असलहों से लैस गांव के ही निवासी कुछ लोगों ने झोपड़ी में धावा बोला और धारदार हथियारों से लक्ष्मण की हत्या कर दी। इस दौरान ब्रम्हानंद का भतीजा कोमल जाग गया ओर शोर मचाते हुए वह हमलावरों की ओर दौड़ा तो हत्यारे उस पर प्रहार करके भाग निकले। उन्होने बताया कि घटना की सूचना पाकर मृतक लक्ष्मण के परिजन तत्काल मौके पर पहुंच गए। उन्होंने मामले की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने गम्भीर रूप से घायल युवक कोमल को तत्काल इलाज के लिए जिला अस्पताल पहुचाया। पुलिस ने घटना की जांच पड़ताल शुरू की है। इस बीच खबर मिलने पर जिले के वरिष्ठ पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों ने घटना स्थल का निरीक्षण किया है।

पुलिस हिरासत से फरार अभियुक्त दो माह बाद चढ़ा झांसी जीआरपी के हाथ

झांसी। उत्तर प्रदेश के झांसी में राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) ने सोमवार को 25 हजार के उस इनामी बदमाश को गिरफ्तार करने में सफलता पायी जो उत्तर मध्य रेलवे के अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट के यहां पेशी के लिए लाएं जाने के दौरान पुलिस वैन से फरार हो गया था। झांसी जीआरपी पुलिस उपाधीक्षक नईम खानं मंसूरी ने पत्रकारों को इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि 19 सितंबर 2023 को वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी रेलवे स्टेशन के सकुर्लेटिंग एरिया से पुलिस अभिरक्षा से तीन कैदी फरार हो गये थे। जीआरपी थाना झांसी में मामला दर्ज कराया गया था। इस मामले में दो फरार कैदियों को पहले ही गिरफ्तार कर लिया गया है और पुलिस पुलिस लगातार तीसरे कैदी की तलाश में जुटी हुई थी और आज तीसरे फरार इनामी कैदी गयाप्रसाद को भी झांसी रेलवे स्टेशन के सकुर्लेटिंग एरिया से गिरफ्तार कर लिया गया। इस पर 25 हजार का इनाम था। इस मामले में आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है। गया प्रसाद मध्य प्रदेश के सागर जिले का निवासी है।

चंदौली में सड़क दुघर्टना में महिला की मौत

चंदौली। चंदौली के सकलडीहा कोतवाली क्षेत्र में सोमवार को सड़क दुर्घटना में एक महिला की मौत हो गई। महिला अपने मायके में छठ पूजा करके चचेरे भाई के साथ बाइक से ससुराल से लौट रही थी। हालांकि सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। जानकारी के अनुसार बलुआ थाना क्षेत्र के जुड़ा निवासी सूबेदार की एकलौती पुत्री खुशबू (22) की शादी बरडीहा गांव के विजय के साथ हुई थी। छठ पर्व पर खुशबू अपने मायके गई थी। सोमवार को चचेरे भाई नन्द कुमार के साथ खुशबू बाइक से ससुराल बरडीहा जा रही थी। लेकिन जैसे ही बाइक सैदपुर-सकलडीहा मार्ग पर पपौरा गांव के समीप पहुंची। तभी गड्ढे में जाने से बाइक अनियंत्रित हो गई। जिसके चलते बाइक पर बैठी खुशबू सड़क पर गिर गई। घटना स्थल पर जुटे लोगों और राहगीरों ने घायल को एम्बुलेंस की मदद से सकलडीहा सीएचसी भेजवाया। जहां इलाज के दौरान चिकित्सकों ने खुशबू को मृत घोषित कर दिया। मृतक खुशबू को एक पुत्री राखी (7) और दो पुत्र चिगना (5) व गोलू (3) है। कोतवाल विमलेश मौर्य ने बताया कि सड़क दुर्घटना के चलते एक महिला की मौत हुई थी।

छेड़छाड़ से परेशान युवती ने किया सुसाइड

फतेहपुर। फतेहपुर में रविवार को छेड़छाड़ से परेशान से युवती ने सुसाइड कर लिया। उसका शव कमरे में फंदे से लटका मिला। हालांकि, युवती की मां ने हत्या आरोप लगाया है। उनका कहना है कि जब हम लोग खेत में गए, तो आरोपी युवक 2 दोस्तों के साथ घर में घुस गया। इसके बाद बेटी की गला घोंटकर हत्या की। फिर शव को फांसी पर लटका दिया। घरवालों की सूचना पर मौके पर पुलिस पहुंची। तभी गांव के लोग जुट गए। फिर उन्होंने आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर हंगामा कर दिया। 4 घंटे तक शव नहीं उठने दिया। इसके बाद पुलिस ने तहरीर लेकर आरोपी पर केस दर्ज किया और जल्द गिरफ्तारी का भरोसा दिया, तब जाकर परिजन शांत हुए। फिर शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। पूरा मामला गाजीपुर थाना क्षेत्र के सरकी गांव का है। यहां के रहने वाले राम सजीवन ने बताया, गांव का लल्ली मेरी बेटी (20 साल) से एकतरफा प्यार करता था। उससे शादी का दबाव बना रहा था। बेटी उसे कई बार समझाकर इनकार कर चुकी थी, मगर वो मान नहीं रहा था। इसके चलते बेटी परेशान रहने लगी थी।

आजमगढ़ में हलाला के नाम पर दुष्कर्म

आजमगढ़। आजमगढ़ जिले के बिलरियागंज थाना क्षेत्र में हलाला के नाम पर दुष्कर्म के आरोपी को गिरफ्तार किया है। इस मामले में पीड़िता ने मुकदमा दर्ज कराया कि मेरा देवर शहनवाज लगातार छेड़खानी की घटना को अंजाम देता था। मना करने पर ससुर इद्रीश और पति सनव्वर गाली-गलौच करते हैं। इसके साथ ही पति देवर और जेठ द्वारा मारपीट भी की जाती है। पुलिस को दिए शिकायती पत्र में पीड़िता ने आरोप लगाया कि पति सनव्वर ने गैरकानूनी तरीके से तलाक भी ले लिया। इसके साथ ही पति ने साजिश रचकर अपने बहनोई जाफर द्वारा पीड़िता के साथ जबरन अप्राकृतिक दुष्कर्म किया गया। इस मामले में पुलिस ने छह आरोपियों के विरूद्ध मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी। इसी क्रम में फरार चल रहे जाफर की तलाश शुरू की गई। मामले की विवेचना कर रहे बिलरियागंज के थाना प्रभारी बसंत लाल ने बताया कि इस मुकदमें में फरार चल रहे अभियुक्त जाफर जो कि गाजीपुर जिले के जंगीपुर का रहने वाला है। की तलाश की जा रही थी।

पिता ने मां के सामने बेटे को मार डाला

कानपुर। कानपुर में एक व्यक्ति ने सोमवार को अपनी पत्नी के सामने बेटे की हत्या कर दी। उसने बेटे दीपक निषाद (25) को पहले पीटा। फिर रस्सी से गला घोंट दिया। बेटे का कसूर सिर्फ इतना था कि उसने अपने पिता को शराब पीने से रोका था। पत्नी और बहू की शिकायत पर पुलिस जांच करने पहुंची, तो हत्याकांड का खुलासा हुआ। पुलिस ने हत्यारोपी पिता को हिरासत में लिया है। फोरेंसिक टीम और पुलिस अफसर मौके पर जांच में जुटे हैं। मामला चकेरी थाना क्षेत्र के अहिरवा का है। घटना के बाद से आरोपी पिता फरार है, जिसकी तलाश की जा रही है। परिवार में पत्नी सुनीता, एक बेटी रीना, बेटा दीपक निषाद (25) था। दीपक की शादी दो साल पहले महाराजपुर छिवली नदी के पास एक गांव में रहने वाली सुमन से हुई थी। लेकिन, वह मायके में ही रहती थी। जबकि बेटी रीना की शादी गुजरात में हुई थी और वह ससुराल में ही रहती है।

ट्रक की चपेट में आने से बाइक सवार की मौत

जौनपुर। जौनपुर के सरायख्वाजा थाना क्षेत्र में कुत्तूपुर तिराहे के समीप बाइक से परीक्षा देने जा रहे युवक की ट्रक की चपेट में आने से मौत हो गई। आक्रोशित लोगों ने चक्का जाम कर घंटों विरोध प्रदर्शन किया। आपसी समझौते के बाद पुलिस ने जाम को समाप्त कराया। कुत्तूपुर गांव के निवासी फेरई यादव पुत्र यश (लालु) यादव सोमवार को अपने दो साथियों के साथ बाइक पर सवार होकर एक निजी विद्यालय में परीक्षा देने के लिए जा रहा था। जब वह कुत्तूपुर चौराहे के समीप पहुंचा ही था। शाहगंज की तरफ से आ रही ट्रक से जोरदार टक्कर मार दी। ट्रक से टक्कर लगते ही बाइक पर सवार दो युवक ट्रक के नीचे आ गए। एक बाल-बाल बच गया। जैसे इसकी जानकारी लोगों को हुई, तो लोगों ने ट्रक का पीछा करने का प्रयास किया। लेकिन तब तक ट्रक चौकिया मोड़ के समीप पहुंच चुका था। जहां लोगों ने ट्रक को रुकवा लिया। इधर घटनास्थल पर ही यश यादव की मौत से लोगों में आक्रोश उत्पन्न हो गया था। सैकड़ों की संख्या में लोगों ने सड़क पर चक्का जाम कर दिया। ट्रक चालक के खिलाफ कार्रवाई की मांग करने लगे।

सिविल समेत प्रदेश के 4 अस्पतालों का कायाकल्प करेगी योगी सरकार

▶ गौतमबुद्धनगर के जिला संयुक्त चिकित्सालय, सिद्धार्थनगर (बांसी) के संयुक्त चिकित्सालय, भदोही के महाराजा चेतसिंह चिकित्सालय व लखनऊ के डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी (सिविल) अस्पताल का होगा मेकओवर

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में जनता तक उत्तम स्वास्थ्य सेवाएं पहुचाकर समुचित निदान उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध योगी सरकार ने प्रदेश के 4 मुख्य अस्पतालों के कायाकल्प की कार्रवाई शुरू कर दी है। प्रदेश के अस्पतालों के अपडेशन को लेकर सीएम योगी की मंशा अनुरूप एक विस्तृत कार्य योजना तैयार की गई है। इसी पर कार्य करते हुए योगी सरकार द्वारा गौतमबुद्धनगर के जिला संयुक्त चिकित्सालय, सिद्धार्थनगर (बांसी) के संयुक्त चिकित्सालय, भदोही के महाराजा चेतसिंह चिकित्सालय व डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी (सिविल) अस्पताल लखनऊ के मेकओवर की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इन तीनों अस्पतालों में उच्चीकरण प्रक्रिया को

पूर्ण करने के लिए हजारों मॉडर्न मेडिकल इक्विप्मेंट्स की खरीद की जाएगी। वहीं, अस्पतालों कोआधुनिक फर्नीचर व साज-सज्जा से लैस करने की योजना को भी पूर्ण किया जाएगा। इस क्रम में कुल 9.98 करोड़ रुपए के धनावंटन को प्रशासकीय व वित्तीय स्वीकृति दे दी गई है और इन सभी प्रस्तावित कार्यों को तेजी से पूर्ण करने के निर्देश भी योगी सरकार द्वारा जारी कर दिए गए हैं।

करोड़ों के खर्च से अस्पतालों का होगा मेकओवर

सीएम योगी की मंशा के अनुरूप प्रदेश के अस्पतालों के अपडेशन को लेकर बनी कार्ययोजना के अनुसार ही अपडेशन की प्रक्रिया को क्रियान्वित किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि सिद्धार्थनगर (बांसी) के संयुक्त चिकित्सालय में 205 से ज्यादा मदों में हजारों मेडिकल इक्विप्मेंट्स, फर्निचर्स व अन्य साजो-सामान की खरीद के लिए कुल 3.25 करोड़ रुपए की धनराशि खर्च की जाएगी।

इसी प्रकार, गौतमबुद्धनगर के जिला संयुक्त चिकित्सालय में 2.98 करोड़, भदोही के महाराजा चेतसिंह चिकित्सालय में 2.36 करोड़ व लखनऊ के डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी (सिविल) अस्पताल में मेडिकल इक्विप्मेंट्स की खरीद के लिए 1.47 करोड़ रुपए की धनराशि खर्च की जाएगी।

इन सभी खरीद व उच्चीकरण प्रक्रियाओं को चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा विभाग के महानिदेशक की देखरेख में उत्तर प्रदेश शासन की रूलबुक के अनुसार पूर्ण किया जाएगा।

सिविल अस्पताल को मिलेंगे ऑप्थैल्मिक ऑपरेटिंग माइक्रोस्कोप समेत कई उपकरण

लखनऊ के सिविल अस्पताल में जिन मेडिकल इक्विप्मेंट्स की खरीद निश्चित की गई है उनमें ऑप्थैल्मिक ऑपरेटिंग माइक्रोस्कोप मुख्य है। कई मायनों में विशिष्ट इस माइक्रोस्कोप की खरीद के लिए 45 लाख रुपए की रकम निर्धारित की गई है। इसी प्रकार, सिद्धार्थनगर (बांसी) के संयुक्त चिकित्सालय के लिए जिन उपकरणों की खरीद प्रक्रिया को पूर्ण किया जाना है उसमें इमर्जेंसी यूनिट, आईसीयू वॉर्ड, ऑपरेशन थिएटर, डेंटल, ऑर्थोपेडिक, ईएमटी, पैथोलॉजी, फिजियोथेरेपी व रेडियोलॉजी समेत तमाम यूनिट्स के लिए महत्वपूर्ण उपकरणों की खरीद सुनिश्चित होगी। इसी तर्ज पर भदोही के महाराजा चेतसिंह चिकित्सालय व गौतमबुद्धनगर के जिला संयुक्त चिकित्सालय में भी मेडिकल इक्विप्मेंट्स मॉडर्नाइजेशन की प्रक्रिया को मूर्त रूप दिया जाएगा।

आवारा जानवरों से जनता परेशान, सरकार बेफिक्र : अखिलेश यादव

लखनऊ । समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि छुट्टा पशुओं के कारण लोग परेशान है। किसानों की फसलें तबाह हो रही है मगर भाजपा सरकार पूरी तरह से लापरवाह बनी हुयी है।

यादव ने सोमवार को जारी बयान में कहा कि प्रदेश में हर दिन छुट्टा पशुओं के कारण किसी न किसी की मौत हो रही है। भाजपा सरकार में छुट्टा पशु, महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और अपराध सब बेतहाशा बढ़ रहा है। भाजपा सरकार को जनता की तकलीफों की कतई परवाह नहीं है।

उन्होने कहा कि प्रधानमंत्री से लेकर मुख्यमंत्री तक ने छुट्टा पशुओं की समस्या के समाधान के लिए हवाई

घोषणाएं की। मुख्यमंत्री ने तो छुट्टा पशुओं को सड़कों और किसानों के खेतों से हटाने के लिए न जाने कितनी बार निर्देश दिये है लेकिन हालात जस के तस हैं। यह समस्या और बढ़ती जा रही है। पूरे प्रदेश का किसान छुट्टा पशुओं के कारण फसलों की बर्बादी से परेशान है। अन्ना जानवर किसानों की मेहनत पर पानी फेर रहे हैं।

यादव ने कहा कि इस महंगाई में किसान लागत लगाकर दाल, सब्जी तथा अन्य फसलें तैयार करता है। छुट्टा जानवर उन्हें चरने के साथ उन्हें रौंद डालते हैं। किसानों को आर्थिक नुकसान हो रहा है साथ में भाजपा सरकार में प्रदेश में अब तक सैकड़ों लोग छुट्टा पशुओं से अपनी जान गंवा चुके हैं। सपा अध्यक्ष ने कहा कि मुख्यमंत्री और उनका प्रशासन आवारा पशुओं की इस समस्या को लेकर बिल्कुल भी गंभीर नहीं है। उन्होंने प्रदेश के किसानों और आम जनता को अपने हाल पर छोड़ दिया है। छुट्टा पशुओं को लेकर सरकार की कागजी कार्यवाई और झूठी घोषणाओं का अब तक कोई असर नहीं दिखा है।

महिला ने घरेलू कलह में फांसी लगायी

बुलंदशहर। उत्तर प्रदेश में बुलंदशहर जिले के स्याना कोतवाली क्षेत्र में एक महिला अधिकारी ने फांसी लगा कर आत्महत्या कर ली। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार ने सोमवार को बताया कि चंचल कुमारी नामक महिला सिपाही का विवाह डेढ़ वर्ष पूर्व स्याना कोतवाली क्षेत्र के ग्राम खाद मोहनपुर निवासी कुलदीप के साथ सम्पन्न हुआ था। पति-पत्नी की तैनाती पीलीभीत जिले में थी। उन्होंने बताया कि महिला आरक्षी चंचल कुमारी का बीती रात अपने आरक्षी पति कुलदीप से काफी विवाद हुआ था तथा देर रात महिला पुलिसकर्मी का शव कमरे में छत पर लटका हुआ मिला मिला। पुलिस ने दहेज हत्या के धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर कुलदीप व उसके पिता जसवीर सिंह को गिरफ्तार कर शव को पोस्टमार्टम के लिये भेज दिया है।

उदयाचल सूर्य को अर्घ्य के साथ संपन्न हुआ छठ व्रत

लखनऊ। संतान की सुख-समृद्धि एवं दीर्घायु को लेकर चार दिवसीय छठ महापर्व सोमवार को संगम तट पर उदयाचल सूर्य को अर्घ्य देने के साथ संपन्न हो गया।

प्रयागराज,जौनपुर,वाराणसी,बस्ती ,गोरखपुर,देवरिया और लखनऊ समेत समूचे उत्तर प्रदेश मे लोकआस्था के महापर्व छठ के चौथे दिन सप्तमी के उदयाचल सूर्य को अर्घ्य देने के लिए श्रद्धालु नदियों,पोखरों और तालाबों के किनारे उमड़ पड़े। महिलाओं ने परिवार के साथ वेदियों पर छठी मैया को धूप, दीप, नैवेध, फल, शाक सहित अन्य सामग्री अर्पित की। उदयाचल सूर्य के साथ व्रती महिलाएं जल में खड़े होकर अर्घ्य देने का सिलसिला शुरू किया। भगवान भास्कर से संतान

प्राप्ति, समृद्धि सहित सुहाग की सलामती की दुआ की। अर्घ्य देने और पूजा करने के बाद प्रसाद ग्रहण कर 36 घंटे का छठ मइया का निर्जला व्रत पूरा किया। बिहार से शुरू हुई छठ पूजा आज पूरे भारत की पहचान है। प्रयागराज से प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार गंगा,यमुना और अदृश्य सरस्वती के संगम पर प्रात्काल से व्रत करने वाली महिलाएं सूर्य भगवान के उदय होने की प्रतीक्षा कर रही थी।

बांदा में पौत्र ने की बुजुर्ग की हत्या

बांदा। उत्तर प्रदेश में बांदा जिले के कोतवाली नगर क्षेत्र में सोमवार को एक युवक ने गड़ासे से अपने वयोवृद्ध बाबा की गर्दन काट कर हत्या कर दी। पुलिस क्षेत्राधिकारी नगर गवेंद्र पाल गौतम ने बताया कि मवई गांव निवासी बच्चू पाल (80) उर्फ फुल्ला अपने मझले पुत्र के साथ रहता था। जो सारी सम्पत्ति उसी को ही देना चाहता था,इससे बड़े पुत्र कामता का लड़का छोटे पाल परेशान था। इसी विवाद की चलते छोटा पाल ने आज सुबह गड़ासे से अपने बाबा का सिर धड़ से अलग कर दिया जब वह घर से बाहर शौच क्रिया के लिए गया था। उन्होंने बताया कि पुलिस उच्च अधिकारियों की मौजूदगी में घटना स्थल का विस्तृत किया गया और कटे सर और धड़ को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। पुलिस क्षेत्राधिकारी ने बताया कि बाबा की हत्या के आरोपी छोटा पाल को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया और उसके पास से हत्या में प्रयुक्त गड़ासा भी बरामद किया है।

देवरिया में 3600 उपभोक्ताओं पर बिजली चोरी का मुकदमा

देवरिया। उत्तर प्रदेश के देवरिया जिले में चार लाख 62 से अधिक बिजली उपभोक्ताओं में से तीन हजार 690 उपभोक्ताओं पर बिजली चोरी का मुकदमा दर्ज है। जिन पर विभाग का करोड़ों रूपये का बकाया हैं।

जिलाधिकारी अखंड प्रताप सिंह ने सोमवार को यहां एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि बिजली विभाग ने उपभोक्ताओं को राहत देने के लिए एक मुश्त समाधान योजना (ओटीएस) शुरू की है। तीन चरणों की योजना का पहला चरण आठ से 30 नवम्बर, दूसरा चरण एक से 15 दिसम्बर और तीसरा चरण 16 से 31 दिसम्बर तक चलाया जायेगा। नगर व ग्रामीण क्षेत्र के सभी श्रेणी के घरेलू उपभोक्ता, कामर्शियल उपभोक्ता, निजी संस्थान (जैसे स्कूल कालेज, अस्पताल), निजी नलकूप, लघु एवं मध्यम औद्योगिक इकाई (जैसे मेंथा फैक्ट्री, कृषि यंत्र बनाने वाले कारखाने, चक्की आदि) को इस योजना में शामिल किया गया है। ऐसे में इन उपभोक्ताओं के बकाया बिल में लगे ब्याज से छूट दी जाएगी। इस योजना का लाभ लेने के लिए उपभोक्ता को पंजीकरण कराना होगा। सिंह ने बताया कि एक किलोवाट क्षमता वाले घरेलू उपभोक्ताओं को एक मुश्त भुगतान पर पहले व दूसरे चरण में शत प्रतिशत तथा तीसरे चरण में 80 प्रतिशत की छूट दी जाएगी। एक किलोवाट से अधिक क्षमता वाले उपभोक्ताओं को पहले चरण में 90, दूसरे चरण में 80 तथा तीसरे चरण में 70 प्रतिशत की छूट दी मिलेगी। तीन किलोवाट क्षमता वाले कामर्शियल उपभोक्ताओं को पहले चरण में 80, दूसरे चरण में 70 तथा तीसरे चरण में 60 प्रतिशत तथा तीन किलोवाट से अधिक क्षमता वाले उपभोक्ताओं को पहले चरण में 60, दूसरे चरण में 50 तथा तीसरे चरण में 40 प्रतिशत की छूट मिलेगी।

उत्तरप्रदेश परिवहन निगम ने अक्टूबर में कमाए साढ़े 32 लाख

लखनऊ। उत्तर प्रदेश राज्य परिवहन निगम ने अक्टूबर माह में चेकिंग अभियान के दौरान 32 लाख 58 हजार रूपये से अधिक की राजस्व की वसूली की है।

आधिकारिक सूत्रों ने सोमवार को बताया कि निगम के प्रवर्तन कार्मिकों द्वारा अक्टूबर में चेकिंग की गयी, जिसमें विभाग को केवल एक माह में 32 लाख 58 हजार 385 रुपये का रेवेन्यू प्राप्त हुआ।

निगम के प्रधान प्रबन्धक (कार्मिक) अशोक कुमार ने बताया कि परिवहन निगम को घाटे से उबारने के लिए कई कदम उठाए गए है। इससे निगम ने पिछले साढ़े छह वर्षों में काफी लाभांश अर्जित किया है। इसके लिए मुख्यालय स्तर से गठित सूमो चालाक दल एवं इन्टरसेप्टर के माध्यम से समय-समय पर परिवहन निगम की बसों की नियमित जांच की जाती है। ऐसे में अक्टूबर में परिवहन निगम द्वारा संचालित बसों की एक लाख 16 हजार 834 बार जांच की गयी।

उन्होने बताया कि जांच के दौरान कुल 4901 यात्री बिना टिकट यात्रा करते पाये गये जबकि 172.4 टन बिना बुक भार पकड़ा गया है। जांच दल द्वारा की गई कार्यवाही से विभाग को 32 लाख 58 हजार 385 रुपये वसूले गये। इस दौरान 8,420 चालकों, परिचालकों का एल्कोहल टेस्ट भी किया गया।

किसान की हत्या

सीतापुर। उत्तर प्रदेश में सीतापुर जिले के मछरेहटा क्षेत्र में सोमवार खेत से वापस आ रहे किसान की आपसी रंजिश के कारण धारदार हथियारों से हमला कर हत्या कर दी गयी। पुलिस सूत्रों ने बताया कि बेहरा मजरा भड़ेवर निवासी पृथ्वी पाल खेत में मजदूरी करके वापस लौट रहा था कि तभी पुरानी रंजिश को लेकर उस पर धारदार हथियारों से ताबड़तोड़ हमला कर दिया गया जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की सूचना पुलिस को परिजनों ने सीएससी मछरेहटा पहुंच कर दी जहां पृथ्वी पाल को मृत घोषित कर दिया गया इस संबंध में परिजनों के तहरीर पर एक व्यक्ति सुंदरलाल को हिरासत में लेकर पुलिस पूछताछ कर रही है।

सड़क हादसे में बाइक सवार छात्र की मौत, दूसरा गंभीर

जौनपुर। उत्तर प्रदेश में जौनपुर जिले के शाहगंज क्षेत्र में तेज रफ्तार ट्रक की चपेट में आने से बाइक सवार छात्र की मौत हो गई, जबकि दूसरा छात्र गंभीर रूप से घायल हो गया।

पुलिस के अनुसार ग्राम बाधमिया कुत्तुपुर गांव निवासी छात्र यश उर्फ लालू यादव (16) बाइक से अपने दोस्त अंश (17) के साथ स्कूल जा रहा था कि शाहगंज से पचहटिया की तरफ जा रही तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक को टक्कर मार दी। इस हादसे में यश की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि अंश गंभीर रूप से घायल हो गया। दुर्घटना से गुस्साए ग्रामीणों ने शाहगंज जौनपुर मार्ग पर चक्का जाम कर दिया। जिससे वाहनों की लंबी कतारें लग गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने ग्रामिणों को समझा बुझाकर लगभग दो घंटे चले चक्का जाम को समाप्त कराया। पुलिस ने घायल छात्र को जिला अस्पताल भेजा गया जहां युवक की हालत गंभीर देख चिकित्सकों ने उसे बेहतर उपचार के लिए बीएचयू वाराणसी रेफर कर दिया।

कुत्तुपुर गांव के पूर्व प्रधान रमेश सोनकर ने मृतक छात्र के पीड़ित गरीब परिवार के लिए प्रशासन से आर्थिक सहायता प्रदान करने की मांग की है। थाना लाइन बाजार में स्थित नई मंडी में चालक अपनी ट्रक को छोड़कर फरार हो गया।

युवक की हत्या में शामिल पांच आरोपी गिरफ्तार

दो दिन पूर्व दो आरोपियों को किया था गिरफ्तार

आजमगढ़। आजमगढ़ जिले में मनचोभा में युवक की हत्या के मामले में पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। दो दिन पूर्व इस मामले में दो बदमाशों को मुठभेड़ में गिरफ्तार किया गया था। पुलिस को बदमाशों ने बताया, दोस्त सूरज मेरी बहन पर गंदी नजर रखता था। उससे वॉट्सऐप से चैटिंग करता था। मना करने पर भी मान नही रहा था। इसलिए प्लानिंग कर 11 नवंबर को चाकू से गला रेतकर हत्या कर दी।

उसके बाद शव को तमसा नही में फेंक दिया। शहर कोतवाली क्षेत्र के मनचोभा निवासी दिनेश कुमार थाने में शिकायत की। उन्होंने पुलिस को बताया कि मेरा बेटा सूरज कुमार 11 नवंबर को शराब के ठेके के पास अपने दोस्त मो. आमीर और अन्य दोस्त के साथ खड़ा था। जब मैंने उसे घर चलने के लिए कहा तो बेटे ने कहा कि मैं दोस्त आमीर के साथ घर आ जाऊंगा। इसके बाद बेटे ने मुझे फोन कर बताया कि दोस्त मुझे किशुनदापुर ले जा रहे है। इसके बाद फोन कट गया। काफी खोजबीन की मगर, कही पता नही चला। इसके बाद 13 नवंबर को तमसा नदी में शव मिला था।

पांच आरोपियों को किया गया गिरफ्तार

इस मामले में शामिल अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही थी। इसी क्रम में दो आरोपियों मोहम्मद आमिर और अंकुश को मुठभेड़ में गिरफ्तार किया जा चुका है। जबकि इस मामले में शामिल अन्य आरोपियों शेख कासिम, नुराना बानो, अनम बानो, रजिया और तंजीम को हिरासत में लिया गया है।

अयोध्या की प्राइवेट चीनी मिल में ब्लास्ट: एक इंजीनियर की मौके पर ही मौत

अयोध्या। अयोध्या के पूराकलंदर थाना क्षेत्र स्थित मसौधा चीनी मिल के विद्युत संयंत्र में ब्लास्ट हो गया है। ब्लास्ट होने से इंजीनियर की मौत हो गई है। घटना टरबाइन में आग लगने से हुई है। घटना के बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मसौधा चीनी मिल में सोमवार दोपहर 3-30 बजे चीनी उत्पादन संयंत्र में ब्लास्ट हो गया। घटना में वाराणसी के रहने वाले इलेक्ट्रिक इंजीनियर विपिन सिंह (38) की मौके पर ही मौत हो गई। टरबाइन में ब्लास्ट के बाद मिल में आग लग गई। जिसके बाद पुलिस और अग्निशमन की टीमें मौके पर पहुंची। जिसके बाद तीन गाड़ियों ने आग पर काबू पाया। घटना के बाद गन्ना पेराई कार्य बंद कर दिया गया है। पूराकलंदर थाना प्रभारी रतन शर्मा ने बताया कि घटना के बाद संयंत्र को बंद करा दिया गया है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पुलिस टीम मौके पर मौजूद है।

फरुर्खाबाद में पुलिस ने पकड़ी शस्त्र बनाने की फैक्ट्री : 3 आरोपी गिरफ्तार

अवैध हथियार और हथियार बनाने वाले उपकरण बरामद

फरुर्खाबाद। फरुर्खाबाद जिले के कंपिल थाना क्षेत्र के अंतर्गत एसओजी, सर्विलांस व थाना पुलिस ने संयुक्त रूप से कार्रवाई की। इस दौरान पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार किया है। वहीं 20 देशी तमंचा 12 बोर, 9 अदद तमंचा 315 बोर और 4 अधबने तमंचे की बॉडी, 3 अधबनी नाल 12 बोर और 01 देशी राइफल की नाल 315 बोर और तमंचा बनाने के उपकरण बरामद किए हैं।

एसपी विकास कुमार ने पुलिस लाइन में प्रेस वार्ता के दौरान बताया मुखबिर से सूचना मिली कि अवैध शस्त्र फैक्ट्री का संचालन होता है। इस पर पुलिस न दबिश देकर तीन आरोपियों का पकड़ा। बताया कि पकड़े गए युवक पवन कुमार, राकेश व प्रमोद शर्मा को गिरफ्तार किया गया है। गांव साधनगर

में दबिश देकर तीनों को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया पुलिस ने कुल बने और अधबने 37 तमंचा बरामद हुए हैं।

पुलिस टीम को 25 हजार ईनाम देने की घोषणा

वहीं तमंचा बनाने का सामान भी पुलिस ने बरामद किया है। एसपी ने बताया आरोपी जगह बदल- बदलकर यह कार्य करते हैं। पुलिस द्वारा बड़ी कार्रवाई की गई है। उन्होंने पुलिस टीम को 25 हजार रुपए इनाम देने की बात कही। उन्होंने बताया कि पूछताछ के दौरान आरोपियों ने बताया कि वह अपने शौक पूरा करने के लिए यह कार्य करते हैं। वहीं आरोपियों पर अन्य मामले भी दर्ज हैं।

शार्ट न्यूज

हैवल्स का गुरुग्राम में अभिनव फ्लैगशिप स्टोर

गुरुग्राम। उपभोक्ता इलेक्ट्रिकल उत्पाद कंपनी हैवल्स इंडिया लिमिटेड ने गुरुग्राम में अपने अभिनव फ्लैगशिप स्टोर को लाँच करने की घोषणा की है। कंपनी ने यहां कहा कि साल 2022 में दिल्ली में कंपनी ने हैवल्स ऐक्सपीरियेंस सेंटर की शुरुआत की थी जिसके बहुत कामयाबी मिली है, उसी तर्ज पर कंपनी ने अब अपने इस स्टोर का आरंभ किया है। ग्राहक जिस तरीके से इलेक्ट्रिकल उपकरणों और समाधानों को देखते परखते व खरीदते हैं उस तरीके में यह स्टोर क्रांतिकारी बदलाव लाने के लिए तैयार है। यह स्टोर एक ही छत के नीचे उत्पादों की विस्तृत रेंज पेश करता है और सभी इलेक्ट्रिकल जरूरतों के लिए वन-स्टॉप-डेस्टिनेशन बन गया है। अत्याधुनिक घरेलू उपकरणों (जैसे लॉयड एयर कंडीशनर, वॉशिंग मशीन व टेलीविजन) से लेकर उन्नत इंडस्ट्रियल उपकरणों (जैसे क्रेन ड्यूटी पम्प, हैवी-ड्यूटी फैन, स्विच गियर, कंट्रोल गियर) तक और कंज्यूमर प्रोडक्ट्स जैसे पंखे, लाइटिंग, स्विच, हेयर ड्रायर व एयर कूलर तक - हैवल्स फ्लैगशिप स्टोर में सब कुछ मौजूद है। उसने कहा कि हैवल्स फ्लैगशिप स्टोर महज एक रिटेल स्टोर नहीं है, भारत की मिलेनियम सिटी गुरुग्राम में इलेक्ट्रिकल समाधानों के बारे में गहन जानकारी से परिचित कराने वाला यह एक विशेष केन्द्र है।

सेबी के पास पड़े सहारा के पैसों पर सरकार ले सकती है बड़ा फैसला, रिपोर्ट्स का दावा

नई दिल्ली। सरकार कथित तौर पर सहारा-सेबी रिफंड खाते में पड़े बिना दावे की राशि को सरकार की संचित निधि में स्थानांतरित करने की वैधता पर विचार कर रही है। हालांकि इसमें उन निवेशकों के लिए प्रावधान किए की उम्मीद है जो भविष्य में दावे करेंगे। मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि इस फैसले पर समूह के संस्थापक सुब्रत रॉय के पिछले सप्ताह निधन के बाद विचार किया जा रहा है। रिपोर्ट्स के अनुसार, सहारा रिफंड खाता बनने के बाद पिछले 11 वर्षों में गिने-चुने ही दावेदार ही सामने आए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स में एक अधिकारी के हवाले से कहा गया है कि निवेशकों को धन लौटाने के लिए इस राशि को एक अलग खाते के साथ भारत की संचित निधि में बदलने का विकल्प तलाशा जाएगा। यदि दिए गए ब्योरे के सत्यापन के बाद सेबी सभी या किसी भी ग्राहक के ठिकाने का पता लगाने में असमर्थ रहता है तो ऐसे अंशधारकों से एकत्र की गई राशि को सरकार को हस्तांतरित कर दिया जाएगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि धन का उपयोग गरीबों की मदद के लिए चल रहे कार्यक्रमों या लोक कल्याण के लिए किए जाने की उम्मीद है। 31 मार्च तक समूह से वसूली गई और सरकारी बैंकों में जमा की गई कुल राशि 25,163 करोड़ रुपये थी, जबकि 48,326 खातों से जुड़े 17,526 आवेदनों के बदले 138 करोड़ रुपये का भुगतान निवेशकों को किया जा चुका है।

अनिल देशमुख को झटका, सीबीआई ने बेटी और बहू के खिलाफ आरोपपत्र दायर

नई दिल्ली। महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख को एक ताजा झटका देते हुए सीबीआई ने उनकी बेटी पूजा और बहू राहत देशमुख के खिलाफ 2021 में एजेंसी की आंतरिक मसौदा रिपोर्ट कथित तौर पर लीक करने के सिलसिले में आरोपपत्र दायर किया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि यहां सीबीआई की विशेष अदालत के समक्ष दायर पूरक आरोपपत्र में एजेंसी ने पूजा को %सह-साजिशकर्ता% करार दिया है। उनपर आरोप है कि उन्होंने मसौदा रिपोर्ट हासिल करने के लिए एजेंसी के उपनिरीक्षक अभिषेक तिवारी को रिश्वत देने के लिए देशमुख के वकील आनंद दिलीप डागा के साथ कथित तौर पर योजना बनाई, उन्हें निर्देश दिया और साजो-सामान मुहैया कराया। एजेंसी ने आरोप लगाया है कि उनके खिलाफ बंबई उच्च न्यायालय की ओर से निर्देशित जांच को पलटने के लिए 29 अगस्त, 2021 को यह रिपोर्ट मीडिया में लीक की गई। बॉम्बे हाईकोर्ट ने सीबीआई को मुंबई के पूर्व पुलिस आयुक्त परमबीर सिंह की ओर से अनिल देशमुख के खिलाफ लगाए गए मुंबई के रेस्तरां और बार मालिकों से करोड़ों रुपये की जबरन वसूली के आरोपों की जांच करने का निर्देश दिया था। मीडिया में लीक हुई सीबीआई की रिपोर्ट में कथित तौर पर उल्लेख किया गया है कि अनिल देशमुख द्वारा कोई संज्ञेय अपराध नहीं किया गया है।

एमवे ने 4000 करोड़ रुपये की अवैध आय आर्जित की

नई दिल्ली। भारत में मल्टी लेवल मार्केटिंग के जरिए कारोबारी करने वाली कंपनी एमवे इंडिया ने 4000 करोड़ रुपये की अवैध आय अर्जित की और इसका एक बड़ा हिस्सा देश के बाहर स्थित बैंक खातों में भेजा गया। केंद्रीय जांच एजेंसी प्रवर्तण निदेशालय ने सोमवार को यह जानकारी दी। एजेंसी ने एमवे इंडिया इंटरप्राइजेज प्राइवेट लिमिटेड के खिलाफ हैदराबाद स्थित विशेष पीएमएलए अदालत में सोमवार को चार्जशीट दाखिल की। एजेंसी के बयान में कहा गया है कि अदालत ने अभियोजन पक्ष की चार्जशीट पर संज्ञान लिया है। ईडी की ओर से दर्ज किया गया धनशोधन का यह मामला एमवे और उसके निदेशकों के खिलाफ तेलंगाना पुलिस की ओर से दर्ज किए गए कई मामलों से उपजा है। ईडी ने आरोप लगाया है कि कंपनी ने माल की बिक्री की आड़ में पैसों का गलत तरीके से सर्कुलेशन किया। लोगों को बड़ा कमीशन और प्रोत्साहन राशि का लालच दिया गया और उनके साथ ठगी की गई। दूसरी ओर, कंपनी की ओर से कहा गया है कि वह कानून का पालन कर रही है। एमवे के एक प्रवक्ता ने कहा है कि प्रवर्तन निदेशालय की ओर से दायर चार्जशीट 2011 की जांच से संबंधित है और तब से हम उसके के साथ सहयोग कर रहे हैं और समय-समय पर मांगी गई सभी सूचनाओं को एजेंसी से साझा किया है।

ओपनएआई से निकाले गए सैम आल्टमैन माइक्रोसॉफ्ट से जुड़े, नडेला ने किया एलान

नई दिल्ली। ओपनएआई से निकाले गए सैम आल्टमैन माइक्रोसॉफ्ट से जुड़ गए हैं। माइक्रोसॉफ्ट के मुखिया सत्या नडेला ने इसका एलान खुद किया है। सैम अल्टमैन के अलावा, ग्रेग ब्रॉकमैन भी एक नई उन्नत एआई अनुसंधान टीम का नेतृत्व करने के लिए माइक्रोसॉफ्ट की रिसर्च टीम से जुड़ेंगे। आल्टमैन की नियुक्ति की घोषणा करते हुए, माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्य नडेला ने एक्स पर पोस्ट किया, हम ओपनएआई के साथ अपनी साझेदारी के लिए प्रतिबद्ध हैं और हमें अपने उत्पाद रोडमैप, माइक्रोसॉफ्ट इग्नाइट में घोषित हर चीज के साथ नवाचार जारी रखने की हमारी क्षमता और हमारे ग्राहकों और भागीदारों का समर्थन जारी रखने में विश्वास है। माइक्रोसॉफ्ट सीईओ ने पोस्ट किया, हम एम्मेट शियर और ओएआई की नई नेतृत्व टीम को जानने और उनके साथ काम करने के लिए उत्सुक हैं और हम इस खबर को साझा करने के लिए बेहद उत्साहित हैं कि सैम आल्टमैन और ग्रेग ब्रॉकमैन, अपने सहयोगियों के साथ, एक नई उन्नत एआई अनुसंधान टीम का नेतृत्व करने के लिए माइक्रोसॉफ्ट में शामिल होंगे। हम उनकी सफलता के लिए आवश्यक संसाधन प्रदान करने के लिए तेजी से आगे बढ़ने के लिए तत्पर हैं। बता दें कि माइक्रोसॉफ्ट ने ओपनएआई में अरबों डॉलर का निवेश किया है और बिंग सहित अपनी पेशकशों में कंपनी की तकनीक का प्रयोग कर रहा है।

भारत 2030 तक बनेगा दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था, स्टार्टअप निभाएगा अहम भूमिका

तिरुवनंतपुरम। केंद्र सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) वी अनंत नागेश्वरन ने कहा है कि भारत को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने में स्टार्टअप अहम भूमिका निभाएंगे। वे केरल स्टार्टअप मिशन (केएसयूएम) की ओर से आयोजित हडल ग्लोबल 2023 के समापन अवसर पर बोल रहे थे। नागेश्वरन ने कहा कि सरकार की बुनियादी ढांचे और सहायक नीतियों में सुधार के कारण तिरुवनंतपुरम समेत टियर-2 और 3 शहरों में भी स्टार्टअप को फलने-फूलने में मदद मिल रही है। सीईए ने कहा कि भारत पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और कुछ वर्षों में तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की राह पर है। यदि भारत अपने वर्तमान विकास दर को बनाए रखता है तो उसे 2030 तक सात ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था का आकार संभव है।

बिकवाली के कारण शेयर बाजार गिरावट में रहा

मुंबई। वैश्विक स्तर के कमजोर संकेतों के साथ ही घरेलू स्तर पर ऑटो, रियलटी, यूटिलिटी और कमोडिटी जैसे समूहों में हुयी बिकवाली के कारण आज शेयर बाजार गिरावट में रहा।

बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 139.58 अंक टूटकर 65665.15 अंक पर और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 37.80 अंक लुढ़ककर 19694 अंक पर रहा। बीएसई में छोटी और मझौली कंपनियों में भी बिकवाली देखी गयी जिससे मिडकैप 0.06 प्रतिशत टूटकर 33361.52 अंक पर और स्मॉलकैप 0.39 प्रतिशत फिसलकर 39751.33 अंक पर रहा।

बीएसई के अधिकांश समूह गिरावट में रहे जिसमें ऑटो 0.69 प्रतिशत, कमोडिटी 0.66 प्रतिशत, कैपिटल गुड्स 0.43 प्रतिशत, रियलटी 0.33 प्रतिशत और यूटिलिटी 0.44 प्रतिशत प्रमुखता से शामिल है। बढ़त में रहने वालों में आईटी 0.64 प्रतिशत, टेक 0.52 प्रतिशत, टेलीकम्युनिकेशंस 0.44 प्रतिशत, हेल्थकेयर 0.31 प्रतिशत और एनर्जी 0.02 प्रतिशत प्रमुखता से शामिल है।

बीएसई में कुल 3980 कंपनियों में कारोबार हुआ जिसमें से 1997 गिरावट में और 1840 बढ़त में रहा जबकि 143 में कोई बदलाव नहीं हुआ।

वैश्विक स्तर पर जर्मनी का डैक्स 0.26 प्रतिशत, जापान का निक्केई 0.59 प्रतिशत और ब्रिटेन का एफटीएसई 0.16 प्रतिशत की गिरावट में रहा जबकि हांगकांग 1.86 प्रतिशत और चीन का शंघाई कंपोजिट 0.46 प्रतिशत की बढ़त में रहा।

बीएसई का सेंसेक्स सात अंकों की मामूली गिरावट के साथ 65787.51 अंक पर खुला। सत्र के दौरान यह 65844.01 अंक के उच्चतम स्तर तक चढ़ा लेकिन बिकवाली के दबाव में यह 66547.80 अंक तक उतरा। अंत में यह पिछले दिवस के 65974.73 अंक की तुलना में 0.21 प्रतिशत अर्थात 139.58 अंक गिरकर 65655.15 अंक पर रहा।

सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में से 19 लाल निशान में और 11 हरे निशान में रही।

एनएसई का निफ्टी लगभग सपाट 19731.15 अंक पर खुला। सत्र के दौरान यह 19756.45 अंक के उच्चतम और 19670.50 अंक के निचले स्तर के बीच रहा। पिछले दिवस के 19731.80 अंक की तुलना में 37.80 अंक अर्थात 0.19 प्रतिशत की गिरावट लेकर 19694 अंक पर रहा।

निफ्टी में शामिल 50 कंपनियों में से 27 को नुकसान हुआ जबकि 21 को लाभ हुआ और दो में कोई बदलाव नहीं हुआ।

सुगम्य शौचालयों पर 1554 स्थानीय प्लंबर और राजमिस्त्री प्रशिक्षित

नयी दिल्ली। सुगम्य पारिवारिक शौचालय परियोजना के तहत सुगम्य शौचालयों पर 1554 से अधिक स्थानीय प्लंबर और राजमिस्त्री को प्रशिक्षित किया गया है।

विश्व शौचालय दिवस के अवसर पर एक्सेसिबिलिटी/सुगम्यता संगठन स्वयं, एवं सहयोगी एजेंसी फाउंडेशन फॉर एक्सेसिबल एक्वानिर एंड सेनिटेशन के साथ मिल कर सुगम्य पारिवारिक शौचालय परियोजना के प्रमुख निष्कर्षों को जारी किया है। प्रारंभिक मूल्यांकन सर्वे से पता चला कि कम गतिशीलता वाले 76 प्रतिशत से अधिक व्यक्तियों को सुगम्यता,स्वच्छता जैसी सुविधाओं तक पहुंचने के लिए बहुत ही संघर्ष करना पड़ता है। स्वयं ने 2019 में इस परियोजना की शुरुआत की और 4 वर्षों में, 24,500 से अधिक स्वयं सहायता समूह (एसएचजी), संयुक्त दायित्व समूह (जेएलजी), और समुदाय-आधारित संगठनों (सीबीओ) को संवेदनशील बनाया गया है, जिसके परिणामस्वरूप 1.5 करोड़ व्यक्तियों तक पहुंचने में मदद मिली है सुगम्य शौचालयों पर 1554 से अधिक स्थानीय प्लंबर और राजमिस्त्री को प्रशिक्षित किया है।

आशा और प्रगति की एक किरण के रूप में उभरते हुए, इस परियोजना के तहत स्वयं के संवेदीकरण और प्रशिक्षण कार्यक्रमों ने ग्रामीण भारत को सुगम्य सड़कों के निर्माण के द्वारा भविष्य के लिए तैयार होने में मदद की है। हालाँकि शौचालय को एक बुनियादी आवश्यकता के रूप में

मान्यता दी गई है, फिर भी वरिष्ठ नागरिक, दिव्यंगजन , गर्भवती महिलाए, बच्चों आदि सहित कम गतिशील लोगों की एक बड़ी संख्या इस सुविधा से वंचित है। इसे पहचानते हुए, स्वयं ने सुगम्य शौचालय का विचार किया, कल्पना की और भारतीय घरों में सुगम्य शौचालयों के महत्व पर जमीनी स्तर पर जागरूकता फैलाई। भारत के ग्रामीण हिस्सों में रहने वाले 69 प्रतिशत दिव्यंगजन (पीडब्ल्यूडी) और 71 प्रतिशत वरिष्ठ नागरिकों के साथ, स्वंयम ने कम गतिशीलता वाले लोगों की सुरक्षा, सुविधा और सम्मान के लिए स्वच्छता सुविधाओं में सुधार करने के इरादे से इस परियोजना का नेतृत्व किया।

सुगम्य शौचालयों की आवश्यकता को समझने के लिए, भारत में व्यापक रूप से तीन महीने का आवश्यकता मूल्यांकन सर्वेक्षण आयोजित किया गया, जिसमें सुगम्यता, स्वच्छता जैसी सुविधाओं की तत्काल आवश्यकता का पता चला। चौंकाने वाले आंकड़े सामने आया, जो दिव्यंगजन और कम गतिशीलता वाले लोगों के सामने आने वाली चुनौतियों को उजागर करते हैं। भारत में 22 प्रतिशत दिव्यांगजन प्रति माह 3000 से कम कमाते हैं। यह सर्वेक्षण सुगम्य शौचालयों के बारे में जागरूकता के अलावा, स्वच्छता एवं ऋणों के बारे में जागरूकता की भी आवश्यकता बतायी है, जो स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी), संयुक्त दायित्व समूहों (जेएलजी) और अन्य जैसे माइक्रोफाइनेंस मॉडल के माध्यम से प्रदान किए जाते हैं।

स्वयम की संस्थापक-अध्यक्ष और जिंदल सॉ लिमिटेड की प्रबंध निदेशक स्मीनू जिंदल ने कहा स्वयम में, हम दृढ़ता से मानते हैं कि सुगम्यता एक अंतर्निहित मानवीय आवश्यकता है और हर व्यक्ति का अधिकार है। हमारी व्यापक चार साल की परियोजना ने मिथकों को तोड़ दिया है कि दिव्यंगजन व्यक्तियों के लिए सुगम्यता पूरी तरह से आवश्यक नहीं है; यह सभी के लिए आवश्यक है। इस परियोजना के माध्यम से, हमने ग्रामीण समुदायों के लोगों को सुगम्य शौचालय के लिए अपनी बचत का निवेश करने और यहां तक कि इस मौलिक आवश्यकता को पूरा करने के लिए ऋण लेने की इच्छा देखी है - वास्तव में उल्लेखनीय बात यह है कि 99 प्रतिशत पुनर्भुगतान दर है, जो उनके जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए उधार कर्ताओं की अटूट प्रतिबद्धता को प्रमाण है।

व्यक्तियों पर पहल का प्रभाव काफी रहा है, 1,008 से अधिक परिवारों ने अपने घरों में सुलभ शौचालयों के निर्माण की सुविधा के लिए लगभग 3 करोड़ रुपये की राशि का सफलतापूर्वक ऋण लिया है। यह परियोजना शुरुआत में महाराष्ट्र, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश, कर्नाटक और ओडिशा में शुरू हुई। लाभार्थियों पर प्रभाव से प्रोत्साहित, 14 सूक्ष्म वित्त संस्थानों (एम. एफ. आई) की सहायता से, परियोजना आंध्र प्रदेश, बिहार, छत्तीसगढ़, गुजरात, हरियाणा, मध्य प्रदेश, पंजाब, राजस्थान, तेलंगाना और पश्चिम बंगाल सहित अतिरिक्त नौ राज्यों में विस्तारित हुई।

इसके अलावा, इस परियोजना की सफलता ने स्वयं और एनएचएफडीसी फाउंडेशन को भारत के सात राज्यों में 17 स्वालम्बन केंद्रों में इसका विस्तार करने के लिए समझौता के लिए प्रेरित किया। इस सहयोग की शुरुआत करते हुए, उत्तर प्रदेश के कन्नौज में आयोजित उद्घाटन गतिविधि, सुलभ शौचालयों के निर्माण के लिए प्लंबर और राजमिस्त्री को प्रशिक्षित करने पर केंद्रित है। इसके साथ ही एनएचएफडीसी फाउंडेशन द्वारा एक गांव-व्यापी सर्वेक्षण चल रहा है। प्रभावशाली रूप से, सर्वेक्षण करने वाले 70प्रतिशत परिवारों ने अपने शौचालयों को अपग्रेड करने के लिए ऋण प्राप्त करने में गहरी रुचि व्यक्त की है।

आयशर ने लांच की हेवी-ड्यूटी ट्रकों की नॉन-स्टॉप सीरीज

नयी दिल्ली। वीई कमर्शियल व्हीकल्स लिमिटेड की बिजनेस यूनिट आयशर ट्रक्स एंड बसेस ने आज आयशर नॉन-स्टॉप सीरीज के लॉन्च की घोषणा की, जो हैवी ड्यूटी वाले ट्रकों की एक नई सीरीज है जिसे देश में तेजी से बदलती लंबी दूरी के ट्रांसपोर्टेशन के लिए डिज़ाइन किया गया है।

चार नए हेवी-ड्यूटी ट्रकों वाली नॉन-स्टॉप सीरिज पॉवरफुल और फ्यूल एफिशिएंट इंजनों से लैस है और फ्लिट ओनर्स को बेहतर परफॉर्मेंस और बेहतर अपटाइम प्रदान करने के लिए एक कनेक्टेड सर्विस इकोसिस्टम द्वारा सपोर्टेट है। आयशर प्रो 6019एक्सपीटी , टिपर; आयशर प्रो 6048एक्सपी, हॉलेज ट्रक; आयशर प्रो 6055एक्सपी और आयशर प्रो 6055एक्सपी 4गुना2, ट्रैक्टर-ट्रक, आयशर के भारी, मध्यम और हल्के ड्यूटी ट्रकों और बसों की एक्सटेंसिव लाइन-अप के कॉम्प्लीमेंट करता हैं।

वीईसीवी के एमडी और सीईओ विनोद अग्रवाल ने कहा, हमें एचडी ट्रकों की नॉन-स्टॉप रेंज पेश करने में बहुत गर्व है जो इंडस्ट्री में स्टैंण्डर्ड स्थापित करेगा, जो न केवल हमारे कस्टमरों की सफलता के लिए हमारे डेडिकेशन का रिप्रजेंट करेगा बल्कि हमारे देश में लॉजिस्टिक्स की एफिशियंसी और कॉस्ट में सुधार की दिशा में भी। हमारे इंडस्ट्री के लीडिंग अपटाइम सेंटर और माय आयशर ऐप द्वारा सपोर्टेड, यह नई रेंज आयशर कस्टमरों के लिए अधिक प्रोडक्टिविटी और प्रोफीबिलटी प्रदान करेगी।

वीईसीवी के एचडी ट्रक बिजनेस के वरिष्ठ उपाध्यक्ष गगनदीप सिंह गंधोक ने कहा , आयशर अपने ग्राहकों को एक मजबूत हेवी-ड्यूटी पोर्टफोलियो प्रदान करता है, जो एक कनेक्टेड सर्विस इकोसिस्टम द्वारा सपोर्टेड है जिसके परिणामस्वरूप प्रोडक्टिविटी और प्रॉफिबिलटी में वृद्धि होती है। वाहनों की नई सीरीज को असाधारण परफॉर्मेंस सुनिश्चित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है और एआई और मशीन लर्निंग का लाभ उठाने वाले हमारे हॉलिस्टिक सर्विस सॉल्यूशन के साथ, वे बिजनेस और प्रॉफिबिलटी में नॉन स्टॉप ग्रोथ देने के लिए तैयार हैं।

उन्होंने कहा कि आयशर प्रो 6048एक्सपी 48-टन जीवीडब्ल्यू के साथ, यह वाहन,फ्यूल एफिशिएंट वीडीएक्स 8 इंजन द्वारा संचालित है जो 300 एचपी की हाई पावर प्रदान करता है। 1200 एनएम का हाई इंजन टॉर्क लंबी दूरी के ट्रांसपोर्टेशन में बेहतर परफॉर्मेंस और हाई प्रोडक्टिविटी सुनिश्चित करेगा। आयशर प्रो 6055एक्सपी और आयशर प्रो 6055/1 (4गुना2)ट्रैक्टर ट्रेलर एक इकोनॉमिकल वीईडीएक्स8 इंजन द्वारा संचालित होते हैं, जो 300 एचपी की टॉप नॉट पॉवर प्रदान करता है जो 1200 एनएम का मैक्सिमम टॉर्क पैदा करता है।

मछली पालन उद्योग पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन अहमदाबाद में 21-22 नवंबर को

नयी दिल्ली। केंद्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री परषोत्तम रूपाला मंगलवार को अहमदाबाद में एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का का उद्घाटन करेंगे। गुजरात साइंस सिटी में इस दो दिवसीय यह सम्मेलन एवं प्रदर्शनी का आयोजन विश्व मत्स्य पालन दिवस पर हो रहा है। इसमें फ्रांस, न्यूजीलैंड और नार्वे सहित विभिन्न देशों तथा अंतराष्ट्रीय और राष्ट्रीय संगठनों के प्रतिनिधियों के अलावा राज्य सरकारों के मछली पालन विभागों की भी भागीदारी होगी। मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय की सोमवार को जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार इस आयोजन का उद्देश्य मत्स्य पालन क्षेत्र की व्यापार श्रृंखला के हितधारकों के साथ मिलकर भारतीय मत्स्य पालन और जलीय कृषि क्षेत्र के लिए आगे बढ़ने के उपायों पर चर्चा कर इसके लिए मार्गों निर्धारित किए जा सकें। रूपाला इस अवसर पर वहां एक प्रदर्शनी एवं खाद्य मेला का का भी उद्घाटन करेंगे। इस दौरान अंतर्राष्ट्रीय गोलमेज बैठकें और समानांतर तकनीकी सत्र, उद्योगों के बीच संपर्क के सत्र, सरकारी प्रतिनिधियों और व्यवसायियों के बीच द्विपक्षीय बैठकें होंगी। इस आयोजन में फ्रांस, न्यूजीलैंड, नॉर्वे, ऑस्ट्रेलिया, रूस, स्पेन, जिम्बाब्वे, अंगोला, ब्राजील और यूनान के प्रतिनिधियों के आलवा खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) एशियाई विकास बैंक (एडीबी), डॉयचे गेसेलशाफ्ट फर इंटरनेशनल जुसामेनरबीट (जीआईजेड), बंगाल की खाड़ी कार्यक्रम (बीओबीपी), मरीन स्टीवर्डशिप काउंसिल इंडिया (एमएससी इंडिया) जैसे अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के प्रतिनिधि भाग लेंगे। सम्मेलन में अरुणाचल प्रदेश के राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के मंत्री , हरियाणा, उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, मेघालय, नागालैंड, त्रिपुरा, गोवा और आंध्र प्रदेश सरकारों के साथ साथ राष्ट्रीय मत्स्य विकास बोर्ड (एनएफडीबी) जैसे केंद्रीय संगठनों की भी भागीदारी होगी।

दुनिया में सबसे ज्यादा प्रॉब्लम सॉल्वर भारत में

नयी दिल्ली। कार्यस्थल पर अलग-अलग तरह के कर्मचारियों के साथ भारत एआई अपनाने के मामले में सबसे आगे खड़ा है, जिसे सबसे ज्यादा प्रॉब्लम सॉल्वर और एक्सप्रेशनिस्ट अपना रहे हैं। प्रॉब्लम सॉल्वर और एक्सप्रेशनिस्ट भारत में एआई एडॉप्शन का नेतृत्व कर रहे हैं। वर्कप्लेस प्रोडक्टिविटी प्लेटफॉर्म स्लैक ने आज अपनी नई ग्लोबल रिसर्च के परिणाम जारी किए, जिसमें भारत में कार्यस्थल पर काम करने वाले लोगों और टेक्नॉलॉजी एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) को अपनाने पर उनके प्रभाव का अध्ययन किया गया है। यह यूगॉव सर्वे नौ बाजारों में 15,000 डेस्क कर्मचारियों पर किया गया, जिनमें 2000 कर्मचारी भारत से थे। इसमें भारतीय डेस्क कर्मचारियों की पसंद और व्यवहार के बारे में अद्वितीय जानकारी सामने आई।

इस अध्ययन में सामने आया कि भारत में सबसे ज्यादा आम कार्यबल प्रॉब्लम सॉल्वरों का है, जिसमें 23 प्रतिशत कार्यबल शामिल है। प्रॉब्लम सॉल्वर टेक और ऑटोमेशन में निपुणता रखते हैं, और एआई एवं कार्य की प्रक्रियाओं को स्ट्रीमलाईन करने के लिए अत्यधिक उत्साहित हैं। उनमें से 92 प्रतिशत अरली टेक एडॉप्टर हैं, और 77 प्रतिशत एआई की ओर उत्सुक हैं। अपने काम में एआई का उपयोग करने के लिए प्रॉब्लम सॉल्वर का उत्साह स्पष्ट दिखाई देता है। उनमें से 43 प्रतिशत प्रोडक्टिविटी बढ़ाने के लिए एआई का उपयोग करना चाहते हैं। अध्ययन में सामने आया कि ये लोग 54 प्रतिशत हैं, जो भारत में एआई के सबसे ज्यादा उपयोग में अपना योगदान देते हुए एक्सटर्नल टेक प्रशिक्षण चाहते हैं, इसके बाद 34 प्रतिशत के साथ सिंगापुर का स्थान है।

एक्सप्रेशनिस्ट के पास एक मजबूत विज़्युअल कम्युनिकेशन स्टाईल होता है, जो भारत के कार्यबल में 21 प्रतिशत हैं। वो एमोजी, जीआईएफ और मेमेज़ द्वारा कार्यस्थल के संवाद को कम औपचारिक और ज्यादा दिलचस्प बनाते हैं। विश्व में 72 प्रतिशत एक्सप्रेशनिस्ट संचार बढ़ाने के लिए इन विज़्युअल टूल्स का उपयोग करते हैं, जबकि ऐसे डेस्क कर्मियों की संख्या 29 प्रतिशत है। उनका मानना है कि कार्यस्थल का संचार मनोरंजक और दिलचस्प होना चाहिए, और वर्चुअल कनेक्शन स्थापित करने और अपेक्षा के अनुरूप संदेश पहुँचाने के लिए इन विज़्युअल एलिमेंट्स का उपयोग होना चाहिए। एक्सप्रेशनिस्ट का वर्चस्व दक्षिण कोरिया (15 प्रतिशत) और सिंगापुर (12 प्रतिशत) में भी है।

दूसरी तरफ, भारत में डिटेक्टिव कम हैं। ये तफ्तीश करने वाले लोग अपनी जिज्ञासा और जानकारी साझा करने की प्रवृत्ति के लिए जाने जाते हैं। डिटेक्टिव्स सुव्यवस्थित होते हैं, और 93 प्रतिशत स्वतंत्र रूप से समस्या को हल करना पसंद करते हैं। यद्यपि फ्रांस (38 प्रतिशत), ब्रिटेन (34 प्रतिशत), अमेरिका (33 प्रतिशत), और जर्मनी (33 प्रतिशत) में डिटेक्टिव्स की संख्या ज्यादा है, लेकिन भारत में ये केवल 16 प्रतिशत हैं। अध्ययन में सामने आया कि इसका कारण भारत में तुलनात्मक रूप से ज्यादा युवा कार्यबल है, क्योंकि डिटेक्टिव ज्यादा उम्र के कार्यबल में अधिक होते हैं।

रोड वॉरियर्स, जो लचीलेपन और दूरस्थ संपर्कों के साथ काम करते हैं, वो जापान (28 प्रतिशत) और सिंगापुर (26 प्रतिशत) में ज्यादा हैं। भारत के कार्यबल में उनकी संख्या केवल 18 प्रतिशत है।

जलवायु परिवर्तन की मांग : कोयला उद्योग के वैश्विक संघ ने नाम, निशान बदला

नयी दिल्ली। जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों के बीच कोयला उद्योग के वैश्विक मंच वर्ल्ड कोल एसोसिएशन (डब्ल्यूसीए) ने अपनी 38 साल की यात्रा के बाद अपनी वर्तमान पहचान को समाप्त करते हुए भविष्योन्मुखी एक नयी पहचान और नये नाम के साथ अपने को प्रस्तुत करने की यहां सोमवार को घोषणा की ।

एसोसिएशन की एक शीर्ष अधिकारी ने कहा कि अपने नये कलेवर में यह फोरम चाहता है कि वैश्विक व्यवस्था में सभी प्रकार के ईंधन और सभी प्रकार की प्रौद्योगिकी को जगह होनी चाहिये और सभी देशों में कोयला उत्पादकों तथा उपभोक्ताओं के सार्वभौमिक अधिकार को स्वीकार किया जाना चाहिये। 'फ्यूचरकोल - दी ग्लोबल एलायंस फॉर सस्टेनेबल कोल' के नए नाम के साथ- इस औद्योगिक मंच ने अपना नया प्रतीक चिह्न जारी किया है।

इस अवसर पर एक संवाददाता सम्मेलन में 'फ्यूचरकोल'(वर्ल्ड कोल एसोसिएशन) की मुख्य कार्यकारी, मिशेल मनुक ने कहा कि यह बदलाव कोयला और कोयला संबद्ध क्षेत्रों के आधुनिकीकरण और एक सामान्य उद्देश्य के तहत एकजुट होने की समय की मांग का उत्तर है।

उन्होंने कहा कि कोयला और अधिक विशेष रूप से कोयल की कमी वाले समाधानों की एक व्यापक परिभाषा मौजूद है और ऊर्जा क्षेत्र में किसी भी परिवर्तन में इसकी आवश्यकता होगी। उन्होंने कहा कि कोयला एक महत्वपूर्ण संसाधन है और आर्थिक विकास और तथा कार्बन उत्सर्जन में कमी- दोनों क्षेत्र में कोयला उद्योग एक एक वैध भागीदार है।

उन्होंने कहा कि फ्यूचरकोल अब कोयले के मूल्यवर्धन (खनन से लेकर उपयोगकर्ता तक पहुंचने की श्रृंखला) की संपूर्ण कड़ियों और इसमें सामिल रणनीतिक इकाइयों के लिए भी अपने दरवाजे खेलेगा। उन्होंने कहा कि संगठन कोयले के उत्पादक और उपभोग करने वाले सभी देशों और उनमें कार्यरत सभी हितधारकों के संप्रभु अधिकारों का समर्थन करने के लिए एक समावेशी नीति का समर्थन करेगा जिसमें सभी प्रकार के ईंधन और सभी प्रकार की प्रौद्योगिकियों के लिए अनुकूल अंतर्राष्ट्रीय नीति ढांचे की वकालत की जाएगी।

उन्होंने कहा कि वैश्विक कोयला उद्योग ने खिलाफ लम्बे समय से अपने खिलाफ भावनात्मक दबाव को बढ़ने दिया और अपना बिखराव देखता रहा। इसके परिणामस्वरूप वैश्विक स्तर पर कोयला उद्योग कमजोर हुआ तथा विकासशील और उभरते देशों की क्षमता और प्रगति भी प्रभावित हुई ।

मनुक ने कहा, फ्यूचरकोल कुछ लोगों को साहसिक लग सकता है, लेकिन कई लोगों के लिए यह उस वास्तविकता का प्रतिनिधि है जिसका हम सामना कर रहे हैं।

एडब्लूएस पर जनरेटिव एआई-पॉवर्ड चैटबॉट और वॉयसबॉट सॉल्यूशंस

नयी दिल्ली। अमेज़न डॉटकॉम कंपनी अमेज़न वेब सर्विसेज़ (एडब्लूएस) ने कन्वर्सेशनल आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कंपनी यलोडॉटएआई ने अपने जनरेटिव एआई-पॉवर्ड वॉयसबॉट और चैटबॉट सॉल्यूशंस के लिए एडब्लूएस को अपना क्लाउड प्रदाता बनाया है। कंपनी ने आज यहां कहा कि ये डायनामिक एआई एजेंट ग्राहकों से लक्ष्य पर केंद्रित बात करके उनका अनुभव बेहतर बनाएंगे और उनकी जरूरतों को समझकर उन्हें व्यक्तिगत समाधान प्रदान करेंगे। कंपनी के कस्टमर सर्विस डायनामिक एआई एजेंट 135 से ज्यादा भाषाओं में 35 से अधिक टेक्स्ट एवं वॉयस-आधारित चैनलों द्वारा उच्च गुणवत्ता की सपोर्ट सेवाएं प्रदान करने के लिए लार्ज लैंग्वेज मॉडल का उपयोग करते हैं। यलोडॉटएआई ने पूरे विश्व में अपने व्यवसाय का विस्तार करने के लिए अपना समाधान एडब्लूएस मार्केटप्लेस में उपलब्ध कराया है, जो स्वतंत्र सॉफ्टवेयर विक्रेताओं की ओर से हजारों सॉफ्टवेयर लिस्टिंग का एक डिजिटल कैटालॉग है, जिसके द्वारा एडब्लूएस पर चलने वाले सॉफ्टवेयर ढूंढना, उनका परीक्षण करना, उन्हें खरीदना और फिर स्थापित करना आसान हो जाता है।

शार्ट न्यूज

कोच के रूप में अपने भविष्य पर नहीं सोचा

अहमदाबाद। राहुल द्रविड़ ने कहा कि उनका सारा ध्यान विश्वकप अभियान पर रहा उन्होंने मुख्य कोच पद पर बने रहने के बारे में नहीं सोचा, लेकिन समय मिलने पर वह ऐसा करेंगे। विश्वकप फाइनल मुकाबले के ऑस्ट्रेलिया से हार मिलने के बाद रविवार देर रात संवाददाता सम्मेलन में पूछे गये सवाल के जवाब में द्रविड ने कहा,मैंने इसके बारे में नहीं सोचा है। मैं अभी खेल खेलकर आया हूं। मेरे पास इस बारे में सोचने का समय नहीं है और न ही इस पर विचार करने का समय है। हां, जब मुझे ऐसा करने का समय मिलेगा तब मैं ऐसा करूंगा। लेकिन अभी इस समय, मैं पूरी तरह से विश्वकप अभियान पर केंद्रित था, और मेरे दिमाग में और कुछ नहीं था। और मैंने भविष्य में क्या होगा इसके बारे में कोई अन्य विचार नहीं किया है। जब उनसे उनकी कोचिंग के दो वर्षो के वर्षो के कार्याकाल के बारे में पूछा गया तो द्रविड़ ने कहा कि वह ऐसे व्यक्ति नहीं हैं जो खुद का मूल्यांकन और विश्लेषण करेंगे, लेकिन उन्होंने कहा कि उन्हें खिलाड़ियों के साथ काम करने पर वास्तव में गर्व है। उन्होंने कहा, मेरे पास इसके बारे में सोचने का समय नहीं है। मेरा मतलब है, मैं अभी-अभी वहां एक खेल से बाहर आया हूं, इसलिए ईमानदारी से कहूं तो मैंने वास्तव में इसके बारे में नहीं सोचा है और ईमानदारी से कहूं तो मैं वास्तव में कोई ऐसा व्यक्ति नहीं हूं जो स्वयं को परखने और विश्लेषण करने के लिए जा रहा हो।

मार्श की सोशल मीडिया पर वायरल फोटो को लेकर प्रशंसकों की तीखी टिप्पणी

नयी दिल्ली। आईसीसी विश्वकप के फाइनल मुकाबले में भारत को हराने से अधिक चर्चा ट्रॉफी के अनादर को लेकर हो रही है। मिशेल मार्श की वायरल हो रही तस्वीर पर भारतीय प्रशंसकों ने सोशल मीडिया पर ऑस्ट्रेलियाई टीम को जमकर आड़े हाथों लिया है। सोशल मीडिया पर वायर फोटो में देखा गया है कि मार्श विश्व कप ट्रॉफी के ऊपर पैर रखकर बैठे हैं। इसको लेकर सोशल मीडिया पर लोग मिशेल मार्श से काफी नाराज हैं और लोगों का कहना है कि ऐसी हरकत करके मार्श ने ट्रॉफी का अनादर किया है। मिशेल की फोटो पर सोशल मीडिया पर तीखी टिप्पणी सामने आ रही हैं। इस फोटो को कंगारू टीम के कप्तान पैट कमिंस ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर साझा किया गया है। इस फोटो के साथ ट्रॉफी की फूल माला वाली संयुक्त फोटो वायरल हो रही है। इस फोटो को लेकर एक यूजर ने सोशल मीडिया पर किसी शायर की पंक्तियों साझा करते हुए लिखा।

...इतना भी गुमान ना कर अपनी जीत पे ऐ बेखबर,
शहर में तेरी जीत से ज्यादा चर्चे तो मेरी हार के हैं।
समय अच्छे अच्छों को कद्र करना सिखा देता है, आज नहीं तो कल सही।
भारत, भारतीय संस्कृति की जय

वहीं एक अन्य यूजर ने लिखा, वे इस ट्रॉफी के लायक नहीं हैं, अगर उनके मन में इसके लिए सम्मान नहीं है। तुम्हें शर्म आनी चाहिए मिशेल मार्श। इसके अलावा एक अन्य व्यक्ति ने लिखा कि मार्श की यह हरकत क्रिकेट के इतिहास में अपमानजनक और असम्मानजनक कृत्य के रूप में दर्ज किया जाएगा। ऐसा रवैया अनुचित और अस्वीकार्य है। आप क्रिकेटरों की भावी पीढ़ी के लिए क्या संदेश दे रहे है।

रेलवे स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड और इंडियन ऑयल के बीच होगी खिताबी भिड़ंत

नई दिल्ली। वंदना कटारिया के नेतृत्व वाला रेलवे स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड मंगलवार को तीसरी हॉकी इंडिया सीनियर महिला अंतर-विभागीय राष्ट्रीय चैम्पियनशिप के खिताब के लिये इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन से भिड़ेगी। शिवाजी स्टेडियम में तीसरे और चौथे स्थान के लिये सशस्त्र सीमा बल का सामना भारतीय खेल प्राधिकरण से होगा। रेलवे स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड ने पहले सेमीफाइनल में अपना दबदबा दिखाते हुए सशस्त्र सीमा बल को 5-0 से हराकर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। गतिशील भारतीय ड्रैग-फ्लिकर, गुरजीत कौर ने पेनल्टी कॉर्नर से शुरुआती गोल (5%) के साथ माहौल तैयार किया। कप्तान वंदना कटारिया ने शानदार फील्ड गोल (11%) के साथ अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया, जिससे उनकी टीम की बढ़त दोगुनी हो गई। नवनीत कौर (37%), प्रीति दुबे (45%) और संगीता कुमारी (59%) ने गोल करने का सिलसिला जारी रखा। दूसरे सेमीफाइनल मुकाबले में इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन ने भारतीय खेल प्राधिकरण पर 3-0 से शानदार जीत हासिल की। शर्मिला देवी (22%) ने पेनल्टी कॉर्नर के माध्यम से स्कोरिंग की शुरुआत की, उसके बाद ज्योति (47%) ने एक और पीसी गोल के साथ बढ़त बढ़ा दी। दीपिका (56%) ने बेहतरीन फील्ड गोल से जीत पक्की कर दी, जिससे इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन की फाइनल में जगह पक्की हो गई।

शरीफ आज आईएचसी के समक्ष पेश होंगे

इस्लामाबाद। पाकिस्तान मुस्लिम लीग नवाज (पीएमएलएन) के अध्यक्ष नवाज शरीफ विभिन्न राजनीतिक कार्यक्रमों के लिए सोमवार लाहौर से यहां पहुंच रहे हैं। शरीफ का संघीय राजधानी में एक सप्ताह का व्यस्त प्रवास होगा। पीएमएलएन के सूत्रों ने बताया कि श्री शरीफ पांच साल पहले जवाबदेही अदालतों द्वारा उन्हें सुनाई गई सजा के खिलाफ अपनी अपील में मंगलवार को इस्लामाबाद उच्च न्यायालय (आईएचसी) के समक्ष पेश होंगे। वह अदालत से उपस्थिति से छूट की मांग करेंगे। वह अपने लंबे समय के सहयोगी मौलाना फजलुर रहमान के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक करेंगे और उन्होंने खैबर-पख्तूनख्वा की एक संक्षिप्त यात्रा की भी योजना बनाई है। सूत्रों ने कहा कि पीएमएलएन और अन्य राजनीतिक दलों के कई नेता संघीय राजधानी और पेशावर में पूर्व प्रधानमंत्री से मुलाकात करेंगे। पीएमएलएन की मुख्य आयोजक मरियम नवाज और पार्टी के कुछ अन्य नेता भी उनके साथ होंगे। सूत्रों ने कहा कि मानसेहरा की यात्रा भी श्री नवाज की अस्थायी यात्रा योजना का हिस्सा है। वह सोमवार को इस्लामाबाद पहुंचने के बाद अपने पहाड़ी आवास के लिए रवाना होंगे, वहां सीनेटर आजम नजीर तरार और अमजद परवेज के नेतृत्व में अपनी कानूनी टीम के साथ बैठक का कार्यक्रम पहले ही तय है। श्री नवाज इस्लामाबाद में सीनेटर इशाक डार के आवास पर रुकेंगे। श्री शरीफ के इस्लामाबाद प्रवास के दौरान कुछ महत्वपूर्ण देशों के राजदूत और उच्चायुक्त भी उनसे मुलाकात करेंगे। अमेरिकी राजदूत डोनाल्ड ब्लोम और ब्रिटिश उच्चायुक्त जेन मैरियट ने पिछले सप्ताह लाहौर में उनके जाति उमरा आवास पर उनसे अलग-अलग मुलाकात की एवं महत्वपूर्ण चर्चा हुई।

पाकिस्तान उच्चतम न्यायालय एवं आईएचसी शरीफ के मामलों की सुनवाई करेंगे

इस्लामाबाद। पाकिस्तान उच्चतम न्यायालय (एससी) और इस्लामाबाद उच्च न्यायालय (आईएचसी) सोमवार से पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की सजा के खिलाफ अपील पर सुनवाई करेंगे। आईएचसी के मुख्य न्यायाधीश अमीर फारूक और न्यायमूर्ति मियां गुल हसन औरंगजेब 21 नवंबर (मंगलवार) को आईएचसी की विशेष पीठ में पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की सजा के खिलाफ अपील पर सुनवाई करेंगे। नवाज शरीफ ने दो मामलों में 10 महीने और 26 दिन जेल में बिताए। एवेनफील्ड संदर्भ परीक्षण 9 महीने और 28 दिनों तक चला। अल-अज़ीज़िया संदर्भ एक वर्ष तीन महीने 16 दिन तक चला। मुक़दमे के दौरान नवाज़ शरीफ़ और मरियम नवाज़ 100 से अधिक बार अदालत में पेश हुए। मरियम नवाज और कैप्टन सफदर को पहले ही बरी कर दिया गया है, जबकि राष्ट्रीय जवाबदेही ब्यूरो (एनएबी) ने कहा है कि एवेनफील्ड फ्लैट्स मामले में नवाज शरीफ के खिलाफ कोई सबूत नहीं है। इस मामले में उन्हें एक दो पेशी बरी करने के लिए है और अल-अज़ीज़िया संदर्भ में सज़ा नहीं दी गई थी। दोषी ठहराने वाले जज दिवंगत अरशद मलिक का यह कबूलनामा है। मामले को ख़ारिज किया जाना चाहिए या जवाबदेही अदालत को वापस भेजा जाना चाहिए। इस सप्ताह में मियां नवाज शरीफ के खिलाफ मामलों को लेकर काफी प्रगति होने की संभावना है।

मार्नस और ट्रैविस का योगदान काबिल ए तारीफ : कमिंस

एजेंसी

अहमदाबाद। ऑस्ट्रेलिया कप्तान पैट कमिंस ने रविवार को आईसीसी विश्वकप का खिताबी मुकाबले जीतने पर कहा कि मार्नस लाबुशेन और हेड ट्रैविस का योगदान काबिल ए तारीफ है।

ऑस्ट्रेलियाई कप्तान ने कहा, हम टूर्नामेंट में अधिकतर बार बल्लेबाज़ी कर के आए थे लेकिन हमने सोचा आज बल्लेबाजी करना ज्यादा बेहतर रहेगा। पिच समय के साथ धीमी हो रही थी लेकिन हेड ने अच्छी बल्लेबाज़ी की।

और गेंदबाजी में भी हमने अच्छा प्रदर्शन किया। 300 के स्कोर तक में भारत को रोकना इस विकेट पर अच्छा होता और हम उन्हें 240 पर रोकने में ही सफल हो गए। मार्नस और खासकर ट्रैविस ने वही किया जो वे करते आए हैं। ट्रैविस पहले चोटिल थे लेकिन मेडिकल टीम की सहायता से हम उन्हें वापस ला पाए और जिस तरह का उन्होंने योगदान दिया वह काबिल ए तारीफ़ है। भारत में क्रिकेट को लेकर जुनून अलग ही स्तर पर है। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के बाद विश्व कर जीतना अविश्वसनीय है।

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने टीम के खिलाड़ियों को बधाई दी।

इस अवस पर मैच में शतक बनाने वाले ट्रेविस हेड ने कहा कि मुकाबला जीतने के बाद बेहद अच्छा लग रहा है। मैं बेहद उत्साहित हूं। यह चोट के साथ घर पर विश्वकप देखने की तुलना में कहीं अधिक बेहतर है। मैं नर्वस था लेकिन जिस तरह से मार्नस ने खेला वह वाकई लाजवाब है, उन्होंने दबाव पर बेहद अच्छे ढंग से काबू पाया। मिच (मिचेल मार्श) को भी श्रेय देना होगा जिस तरह से उन्होंने खेल को योजनाबद्ध तरीके सेट किया।

लाबुशेन ने कहा, आज जो हमने हासिल किया है वो वाक़ई अविश्वसनीय है। भारत टीम ऑफ़ द टूर्नामेंट था। लेकिन आपको पता होता है कि जब आप अपनी बेस्ट क्रिकेट खेलते हैं तो चीज़ें आपके पक्ष में जाती हैं। मेरे पास बयान करने के लिए शब्द नहीं हैं। मैं दो महीने पहले दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टीम में भी नहीं था। मैक्सवेल ने कहा,हेड ने जिस तरह से बल्लेबाज़ी की वह वाक़ई लाजवाब है। मैंने तो यह सोचा भी नहीं था कि मेरी बल्लेबाज़ी नहीं आएगी लेकिन जिस तरह से हेड ने बुमराह के खिलाफ जिस तरह से बल्लेबाजी की वह अविश्वसनीय है।

डेविड वॉर्नर ने कहा, शुरुआत में भारत ने अच्छी शुरुआत की थी लेकिन गेंदबाज़ों को श्रेय देना होगा। हमारे तीन विकेट भी जल्दी गिर गए थे लेकिन हेड और लाबुशेन ने अच्छी पारियां खेली। खासकर हेड ने चोटिल होने के बाद वापसी की थी लेकिन अंत में सबकुछ सही रहा।

मोदी ने की भारतीय क्रिकेट टीम की हौसला अफजाई

अहमदाबाद। आईसीसी विश्व कप फाइनल मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया से मिली हार के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ड्रेसिंग रूम में पहुंचकर भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाड़ियों की हौसला अफजाई की।

प्रधानमंत्री ने ड्रेसिंग रूप में पहुंच कर निराश खिलाड़ियों का दर्द साझा करते हुए उनकी हौसलाफजाई की। इसको लेकर टीम इंडिया के खिलाड़ियों ने प्रधानमंत्री के साथ फोटो को सोशल मीडिया पर साझा भी किया है।

विश्वकप फाइनल के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर लिखा, प्रिय टीम इंडिया, विश्व कप में आपकी प्रतिभा और दृढ़ संकल्प उल्लेखनीय था। आपने सभी मैच बहुत अच्छे जज्बे के साथ खेले और देश को गौरवांवित किया। हम आज और हमेशा आपके साथ खड़े हैं। ऑस्ट्रेलिया को बधाई देते हुए उन्होंने लिखा, विश्व कप में शानदार जीत पर ऑस्ट्रेलिया को बधाई! पूरे टूर्नामेंट में उनका प्रदर्शन सराहनीय रहा जिसका समापन शानदार जीत के साथ हुआ। ट्रेविस हेड को आज उनके उल्लेखनीय प्रदर्शन के लिए बधाई। भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद शमी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर ट्वीट किया, दुर्भाग्य से, कल हमारा दिन नहीं था। मैं पूरे टूर्नामेंट में टीम और मेरा समर्थन करने के लिए सभी भारतीयों को धन्यवाद देना चाहता हूं। विशेष रूप से ड्रेसिंग रूम में आने और हमारा उत्साह बढ़ाने के लिए पीएम नरेंद्र मोदी का आभारी हूं। हम वापस उछाल देंगे। रविंद्र जडेजा ने मोदी के साथ फोटो साझा करते हुए कैप्शन में लिखा, हमारा टूर्नामेंट बहुत अच्छा था, लेकिन कल हम हार गए। हम सभी दुखी हैं लेकिन हमारे लोगों का सपोर्ट हमें आगे बढ़ा रहा है। प्रधानमंत्री मोदी का कल ड्रेसिंग रूम का आना विशेष और बहुत प्रेरणादायक था।

जोकोविच ने सिनर को हराकर सातवीं बार जीता एटीपी फाइनल का खिताब

ट्यूरिन। सर्बिया के नोवाक जोकोविच ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए इटली के यानिक सिनर को सीधे सेटों में हराकर रिकॉर्ड सातवीं बार एटीपी फाइनल्स टेनिस टूर्नामेंट का खिताब जीत लिया। इस के साथ दुनिया के नंबर 1 खिलाड़ी जोकोविच ने सत्र के आखिर की चैंपियनशिप में रोजर फेडरर के करियर के छह खिताबों के पिछले रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। जोकोविच ने एक घंटा 43 मिनट तक चले मुकाबले में स्थानीय खिलाड़ी सिनर को 6-3, 6-3 से से हराया। खिताब जीतने के बाद जोकोविच ने कहा, इसमें कोई संदेह नहीं कि मेरी जिंदगी का यह सर्वश्रेष्ठ सत्र रहा। इस सप्ताह शानदार प्रदर्शन करने वाले स्थानीय खिलाड़ी यानिक के खिलाफ जीत दर्ज करके खिताब हासिल करना शानदार रहा। एटीपी फाइनल्स में करियर के सर्वाधिक खिताब (1970 से) नोवाक जोकोविच ने वर्ष 2008, 2012, 2013, 2014, 2015, 2022 और 2023 तक सात बार खिताब जीते है।

सविता तीसरी बार सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर के अवार्ड के लिये नामांकित हुई

एजेंसी

बेंगलुरु। वर्ष 2021 और 2022 में एफआईएच गोलकीपर ऑफ द ईयर अवॉर्ड जीतने वाली भारतीय महिला हॉकी टीम की गोलकीपर सविता को इस साल के एफआईएच हॉकी स्टार्स अवार्ड्स में एक ही श्रेणी में लगातार तीसरी बार नामांकित किया गया है।

इस बारे अपनी खुशी का इजहार करते हुये सविता ने मिले सम्मान को टीम को समर्पित किया और कहा, मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं लगातार दो वर्षों तक यह पुरस्कार जीतूंगी, और फिर से नामांकित हो जाऊंगी। मैं वास्तव में बहुत अच्छा महसूस कर रहा हूं और यह मेरे, मेरे परिवार और मेरे साथियों के लिए भी गर्व का क्षण है। जब मैंने खेलना शुरू किया, तो मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं इतना आगे तक आऊंगी और यह सब मेरे परिवार और मेरे साथियों के समर्थन के कारण है।

उन्होंने कहा, टीम खेल में कोई भी उपलब्धि व्यक्तिगत प्रयासों पर आधारित नहीं होती बल्कि टीम वर्क

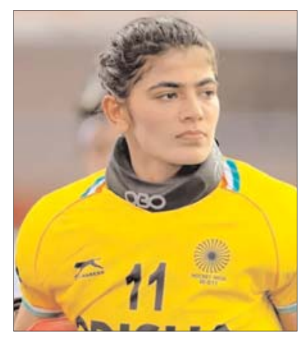

का परिणाम होती है। आपकी कड़ी मेहनत के लिए पहचाना जाना बहुत अच्छी बात है और यह पूरी टीम को प्रेरित करती है।

सविता ने हाल के वर्षों में भारत को कई महत्वपूर्ण जीत दिलाई हैं, जिसमें स्पेन में एफआईएच हॉकी महिला कप 2022 में खिताबी जीत भी शामिल है। उन्होंने एशियाई खेलों हांगझाउ 2022 में कांस्य पदक जीतने के लिए टीम का नेतृत्व किया और इसके बाद हाल ही में आयोजित झारखंड महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी रांची 2023 में खिताबी जीत हासिल की। उनकी कप्तानी में, भारत ने अपनी सर्वश्रेष्ठ विश्व रैंकिंग (नंबर 6) भी हासिल की।

सविता ने कहा, यह हमारे लिए एक अद्भुत सीज़न रहा है। मुझे इस बात पर गर्व है कि हमने अपने रास्ते में आने वाली बाधाओं को पार किया। हम प्रत्येक खेल के साथ बेहतर होते गए हैं। यहां तक ? ?कि युवा खिलाड़ियों ने भी महान दृढ़ता दिखायी है।

आगामी एफआईएच हॉकी ओलंपिक क्वालीफायर रांची 2024 पर ध्यान केंद्रित करने के साथ, भारतीय महिला हॉकी टीम प्रतिष्ठित पेरिस 2024 ओलंपिक के लिए अपनी योग्यता सुरक्षित करने के लिए टूर्नामेंट में शीर्ष तीन में जगह बनाने का लक्ष्य रखेगी। टूर्नामेंट का आयोजन 13 से 19 जनवरी तक रांची में होना है। भारत को पूल बी में न्यूजीलैंड, अमेरिका और इटली के साथ रखा गया है। पूल ए में जर्मनी, जापान, चिली और चेक गणराज्य शामिल हैं। प्रत्येक समूह से शीर्ष दो टीमें सेमीफाइनल में पहुंचेंगी और शीर्ष तीन टीमें पेरिस ओलंपिक के लिए अपनी योग्यता सुनिश्चित करेंगी।

हूती विद्रोहियों ने कार्गो जहाज हाईजैक किया

इसमें 25 क्रू मेंबर्स; इजराइली सेना बोली- इसके पीछे ईरान, जहाज में हमारे नागरिक नहीं

यरूशलम। यमन के हूती विद्रोहियों ने रविवार को तुर्किए से भारत आ रहे जहाज को हाईजैक कर लिया। लाल सागर से बंधक बनाए गए 620 फीट के कार्गो शिप का नाम गैलेक्सी लीडर है और इसमें 25 क्रू मेंबर मौजूद हैं।

वारदात से पहले हूती समूह ने इजराइली जहाजों पर हमले की चेतावनी दी थी। हूती विद्रोहियों के एक स्पोकपर्सन ने कहा कि इजराइल की तरफ से चलने वाले सभी जहाजों को निशाना बनाया जाएगा।

हालांकि, इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा है कि यह जहाज उनका नहीं है और इस पर कोई इजराइली और भारतीय नगारिक सवार नहीं है। कतरी मीडिया हाउस अलजजीरा के मुताबिक ये कार्गो शिप ब्रिटेन का है और इसे जापानी कंपनी ऑपरेट करती है।

जहाज में केवल इजराइली बिजनेसमैन की पार्टनरशिप

इजराइल डिफेंस फोर्सेज के अनुसार बहामास के झंडे तले जा रहा

जहाज ब्रिटिश कंपनी के नाम पर रजिस्टर्ड है। इजराइली कारोबारी अब्राहम उंगर इसके आंशिक हिस्सेदार हैं। फिलहाल यह एक जापानी कंपनी को लीज पर दिया गया था।

इजराइली विदेश मंत्रालय के अनुसार, जहाज पर यूक्रेन, बुल्गारिया, फिलीपींस और मेक्सिको के नागरिक सवार हैं। वहीं, इजराइली प्रधानमंत्री कार्यालय ने इसे आतंकी घटना बताते हुए इसके पीछे ईरान का हाथ बताया।

वहीं, हूती मिलिट्री के प्रवक्ता याह्या सारी ने कहा है कि वो जहाज पर मौजूद सभी बंधकों को इस्लामिक उसूलों और तौर-तरीके के साथ संभाल रहे हैं। उन्होंने लाल सागर में इजराइली जहाजों को निशाना बनाने की फिर से धमकी दी है।

नेतन्याहू ने जताई चिंता, बोले- शिपिंग लाइन प्रभावित होगी

इजराइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने इसे ईरान की ओर से अंतरराष्ट्रीय जहाज पर हमला बताया है। उन्होंने कहा कि यह ईरान की ओर से आतंकवाद का एक और कृत्य है। यह फ्री वर्ल्ड के लोगों पर एक बड़ा हमला है। इसके अलावा यह दुनिया की शिपिंग लाइन को भी प्रभावित करता है। इससे इस रूट की सुरक्षा को लेकर चिंता स्वाभाविक है।

हमले से पहले ईरान समर्थित हूती के प्रवक्ता याह्या सारिया ने टेलीग्राम चैनल पर कहा था कि समूह इजराइली कंपनियों के स्वामित्व वाले या संचालित या इजराइली झंडे तले जाने वाले सभी जहाजों को टारगेट करेगा।

कौन हैं हूती विद्रोही

साल 2014 में यमन में गृह युद्ध शुरू हुआ। इसकी जड़ शिया-सुन्नी विवाद है। कार्नेजी मिडल ईस्ट सेंटर की रिपोर्ट के मुताबिक दोनों समुदायों में हमेशा से विवाद था जो 2011 में अरब क्रांति की शुरूआत से गृह युद्ध में बदल गया। 2014 में शिया विद्रोहियों ने सुन्नी सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया।

इस सरकार का नेतृत्व राष्ट्रपति अब्दरब्बू मंसूर हादी कर रहे थे। हादी ने अरब क्रांति के बाद लंबे समय से सत्ता पर काबिज पूर्व राष्ट्रपति अली अब्दुल्ला सालेह से फरवरी 2012 में सत्ता छीनी थी। हादी देश में बदलाव के बीच स्थिरता लाने के लिए जूझ रहे थे। उसी समय सेना दो फाड़ हो गई और अलगाववादी हूती दक्षिण में लामबंद हो गए।

अरब देशों में दबदबा बनाने की होड़ में ईरान और सउदी भी इस गृह युद्ध में कूद पड़े। एक तरफ हूती विद्रोहियों को शिया बहुल देश ईरान का समर्थन मिला। तो सरकार को सुन्नी बहुल देश सउदी अरब का।

देखते ही देखते हूती के नाम से मशहूर विद्रोहियों ने देश के एक बड़े हिस्से पर कब्जा कर लिया। 2015 में हालात ये हो गए थे कि विद्रोहियों ने पूरी सरकार को निर्वासन में जाने पर मजबूर कर दिया था।

पाकिस्तान में रिफाइनरी नहीं लगाएगा सऊदी अरब

कहा- अब यह मुनाफे का सौदा नहीं रहा

इस्लामाबाद। सऊदी अरब सरकार पाकिस्तान में क्रूड ऑयल रिफाइनरी लगाने के वादे से पलटती नजर आ रही है। पाकिस्तान के अखबार 'द न्यूज' की रिपोर्ट में आला अफसरों के हवाले से यह दावा किया गया है।

इन अफसरों के मुताबिक- सऊदी अरब की सबसे बड़ी ऑयल कंपनी आरामको ने पाकिस्तान सरकार को बताया है कि रिफाइनरी बिजनेस अब पहले की तरह मुनाफे वाला इन्वेस्टमेंट नहीं रहा। सऊदी और पाकिस्तान के अलावा चीन भी इस प्रोजेक्ट में पार्टनर था।

नाम नहीं बताना चाहते अफसर

रिपोर्ट में जिन अफसरों के हवाले से सऊदी कंपनी के पक्ष को सामने

लाया गया है, उनमें से कोई भी नाम नहीं बताना चाहता। इसकी वजह है कि पाकिस्तानी की ताकतवर फौज भी इस प्रोजेक्ट में गहरी रुचि ले रही थी।

अगर यह रिफाइनरी लग जाती तो पाकिस्तान हर दिन तीन लाख बैरल क्रूड ऑयल रिफाइन कर सकता था। यह डील पिछले साल हुई थी और उस वक्त शाहबाज शरीफ की अगुआई में पाकिस्तान डेमोक्रेटिक फ्रंट की हुकूमत थी। यह रिफाइनरी प्रोजेक्ट हासिल करने के लिए पाकिस्तान ने सऊदी अरब को हर तरह की सहूलियत दी थी। कंपनी को ग्रीन रिफाइनरी के नाम पर मुनाफे में 25 साल तक 7.5 प्रतिशत देने का वादा था। इसके अलावा सभी तरह के टैक्स से 20 साल के लिए राहत दी गई थी। रिपोर्ट के मुताबिक- यह दोनों मांगें सऊदी सरकार ने पाकिस्तान के सामने रखी थीं।

यमन में इजरायल से जुड़े जहाजों पर हमलों की चेतावनी

दोहा। यमन के विद्रोही अंसार अल्लाह आंदोलन ने रविवार को सभी इज़राइल-संबद्ध जहाजों पर संभावित हमलों की चेतावनी दी और अन्य राज्यों से अपने चालक दल को वापस बुलाने और समुद्र में ऐसे जहाजों के पास जाने से बचने का आग्रह किया। हाउती प्रवक्ता याह्या सरिया ने अल मसीरा ब्रॉडकास्टर के प्रसारण पर कहा, गाजा पट्टी पर होने वाली क्रूर इजरायली-अमेरिकी आक्रामकता के कारण यमनी सशस्त्र बलों ने घोषणा की है कि वे ज़ायोनी संस्था के झंडे के नीचे सभी जहाजों, इजरायली कंपनियों द्वारा संचालित जहाजों और इजरायली संस्थाओं के स्वामित्व वाले जहाजों को निशाना बनाएंगे।

अमेरिकी रक्षा मंत्री ऑस्टिन यूक्रेन पहुंचे

कीव। अमेरिका के रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने सोमवार को कहा कि वह यूक्रेन की राजधानी कीव पहुंच गये हैं। ऑस्टिन ने कहा कि अमेरिका यूक्रेन का समर्थन करना जारी रखेगा। ऑस्टिन ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर कहा, मैं अभी यूक्रेन के नेताओं से मिलने के लिये कीव पहुंचा हूं। मैं आज यहां एक महत्वपूर्ण संदेश देने आया हूं - अमेरिका रूस के आक्रामक रुख के खिलाफ इस जंग में वर्तमान और भविष्य में भी यूक्रेन के साथ खड़ा रहेगा। अमेरिकी रक्षा विभाग ने कहा कि यूक्रेन के शीर्ष अधिकारियों के साथ बैठक के दौरान श्री ऑस्टिन की आगामी सर्दियों के मद्देनजर यूक्रेन की सेना का समर्थन करने और अधिक मजबूती के साथ सहयोग करने जैसे विषयों पर चर्चा होने की उम्मीद है। अमेरिकी रक्षा मंत्री ऑस्टिन अपनी यूक्रेन यात्रा के दौरान वहां के शीर्ष नेतृत्व के साथ उच्च-स्तरीय वार्ता में शामिल होंगे। अमेरिका और यूक्रेन दोनों देशों के नेताओं के बीच चर्चा रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने पर केंद्रित होगी। इस चर्चा में अमेरिकी रक्षा मंत्री ने कहा कि यह सुनिश्चित करना होगा कि यूक्रेन के सशस्त्र बलों के पास सर्दियों में तथा भविष्य में रूसी खतरों के खिलाफ देश की रक्षा करने के लिये आवश्यक युद्धक्षेत्र क्षमतायें हैं। विज्ञप्ति में यह भी कहा गया है कि सप्ताह के अंत में अमेरिकी रक्षा मंत्री यूक्रेन रक्षा संपर्क समूह की बैठक की मेजबानी करेंगे।

अंतरराष्ट्रीय समस्याओं को सुलझाने को रूस-चीन कर रहे हैं समन्वित प्रयास: पुतिन

मॉस्को। राष्ट्रपति ब्लादिमिर पुतिन ने सोमवार को दावा किया कि रूस और चीन दुनिया की समस्याओं को सुलझाने और एक न्यायपूर्ण तथा लोकतांत्रिक विश्व निर्माण के लिए योगदान कर रहे हैं। यूनाइटेड रशिया पार्टी और चीन की कम्युनिस्ट पार्टी संवाद के सदस्याओं को दिये शुभकामना संदेश में रूसी राष्ट्रपति ने कहा, रूस और चीन के बीच समेकित और रणनीतिक स्तर पर भागीदारी उच्चतम स्तर पर है। आर्थिक, यातायात, ऊर्जा, मानवीय पहलुओं और दूसरी परियोजनाओं को शुरू किया जा रहा है। एससीओ, ब्रिक्स और ऐसे ही दूसरे बहुतस्तरीय संगठनों खाके के तहत दोनों देश दुनिया भर की समस्याओं को सुलझाने के लिए समन्वित प्रयास कर रहे हैं। पुतिन ने कहा, यूनाइटेड रशिया और चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के बीच रचनात्मक कार्य द्विपक्षीय संबंधों के प्रगतिशील विकास में योगदान देता है। पुतिन ने कहा, उनके केंद्रीय निकायों और क्षेत्रीय संरचनाओं दोनों से जुड़े नियमित संपर्क पार्टी निर्माण, संसदीय और सार्वजनिक गतिविधियों के क्षेत्रों में अनुभव का उपयोगी आदान-प्रदान प्रदान करते हैं, जिससे हमें द्विपक्षीय और अंतरराष्ट्रीय एजेंडे पर व्यापक मुद्दों पर गहन चर्चा करने की अनुमति मिलती है।

बाइडेन की उम्र मतदाताओं के लिए चिंता का सबब

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन 81 वर्ष के हो गये हैं और उनकी उम्र देश के मतदाताओं के लिए एक बड़ी चिंता का विषय है। उनका जन्मदिन इस तथ्य पर सुर्खियों में हैं कि अगर बाइडेन अगले साल दोबारा राष्ट्रपति निर्वाचित होते हैं तो वह अमेरिकी इतिहास में सबसे उम्रदराज राष्ट्रपति होंगे क्योंकि उनका कार्यकाल पूरा होने तक वह 86 वर्ष के हो जाएंगे। दूसरी तरफ पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, जिनसे अगले साल श्री बाइडेन का सामना होने की संभावना है, इस तथ्य के बावजूद कि वह 77 वर्ष के हैं, अभी तक मतदाताओं के बीच उम्र को लेकर चिंता की वजह नहीं बने हैं। मैरीलैंड विश्वविद्यालय में सरकार और राजनीति पढ़ाने वाले डेविड करोल ने कहा, बाइडेन 'बहुत गलत नहीं कर रहे हैं' लेकिन अपनी उम्र के साथ-साथ अर्थव्यवस्था जैसे अन्य मुद्दों पर धारणाओं को बदलने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। वह स्पष्टवादी हैं, लेकिन लोगों की यही धारणा है। बाइडेन अगर दोबारा चुने जाते हैं, तो वह रिकॉर्ड-धारक रोनाल्ड रीगन की तुलना में पूरे नौ साल अधिक उम्र में पद छोड़ेंगे। इससे पहले रीगन ने 77 वर्ष की उम्र में पद छोड़ा था। याहू के एक सर्वेक्षण के मुताबिक 54 प्रतिशत अमेरिकियों का कहना है कि श्री बाइडेन के पास अब 'राष्ट्रपति का काम करने की क्षमता' नहीं है, जो 2020 के चुनाव से पहले 41 प्रतिशत थी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं... से मुद्रित एवं , ब्लाक नं 23 मकान नं 399 त्रिलोक पुरी दिल्ली -91 से प्रकाशित
संपादकः प्रवीण कुमार सिंह, आरएनआई नं. ·DELHIN/2011/38334, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, टेलीफोन नं.: 011-26700510/11 , ई-मेल : info@gauravshalibharat.com, समस्त विवादो का न्यायलय दिल्ली होगा

'मेरा नाम शिवराज है !' आवाज़ दिल्ली तक भी पहुंची ही होगी ?

-श्रवण गर्ग

अमित शाह के हवाले से जानकारी छपी है कि शिवराज सिंह (और वसुंधरा राजे) की आगामी भूमिका चुनावों के बाद तय होगी ! शिवराज एक अनुभवी राजनेता हैं। वे जानते हैं कि इस तरह के सवाल या तो किए जाएँगे या करवाए जाएँगे ! इसीलिए लगभग उसी दौरान जब 17 नवम्बर को मतदान प्रारंभ होने ही वाला था, शिवराज ने भी अपने 'मन की बात' उजागर कर दी कि पार्टी जो भी ज़िम्मेदारी देगी वे उसे स्वीकार करने के लिए तैयार हैं। 'निवृत्तमान' मुख्यमंत्री को पता है कि पार्टी अगर जीत गई तो उन्हें मुख्यमंत्री नहीं बनाया जाएगा और हार गई तो आलाकमान यानी प्रधानमंत्री उन्हें किन-किन ज़रूरी कामों में लगा सकते हैं !

अपने भविष्य का काफ़ी कुछ अनुमान शिवराज को उस समय ही लग गया होगा जब चुनाव प्रचार की अंतिम घड़ी में 14 नवम्बर के दिन इंदौर महानगर के एक व्यस्ततम पौने दो किलो मीटर लंबे टुकड़े पर हुए पचास मिनिट के भव्य रोड शो में प्रधानमंत्री के साथ खुली जीप पर एकमात्र सवार व्यक्ति प्रदेश का मुख्यमंत्री नहीं बल्कि प्रदेशाध्यक्ष-सांसद वी डी शर्मा थे। मानकर चला जा सकता है कि रोड शो के शांतिपूर्वक संपन्न होने तक उपस्थित जन-समूह की संख्या और सुरक्षा इंतज़ामों को लेकर शिवराज अपने द्वारा ही शहर में नियुक्त किए गए अधिकारियों से पल-पल की जानकारी लेते रहे होंगे।

मध्यप्रदेश की कोई नौ करोड़ जनता को संघर्षपूर्ण चुनावों के नतीजों के साथ ही जिस एक अन्य जानकारी की अब उत्सुकता से प्रतीक्षा है वह यह कि शिवराज का आगे क्या होने वाला है ? एक साल 28 दिनों का संक्षिप्त 'कमलनाथकाल' छोड़ दें तो जो व्यक्ति पिछले अठारह सालों से सत्ता में बना हुआ है उसका आगे का राजनीतिक भविष्य जनता ही नहीं पार्टी और वफ़ादार नौकरशाही में भी चर्चा का विषय है। शिवराज दोनों ही चिंताओं से मुक्त हैं ! नतीजों की पूर्व जानकारी उन्हें 2018 में भी थी और इस बार भी है। मोदी जिसे पसंद करना छोड़ देते हैं उसे सौंपी जा सकने वाली ज़िम्मेदारियों का भी उन्हें पूर्वानुमान है।

नरेंद्र मोदी तो 2001 में पहली बार गुजरात की विधानसभा में पहुँचे थे और सीधे मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठ गए। शिवराज सिंह उनसे दस साल पहले 1991 में विधायक बन चुके थे। वे उसके बाद पाँच बार लोकसभा के लिये चुने गए। मोदी पहली बार संसद में 2014 में पहुँचे और सीधे प्रधानमंत्री बन गए। विधायक बनने से पहले शिवराज वर्षों तक संगठन में महत्वपूर्ण पदों पर काम कर चुके थे।

शिवराज सिंह से जब एक इंटरव्यू में सवाल किया गया कि आलाकमान

द्वारा घोषित किए बग़ैर ही वे चुनाव में मुख्यमंत्री पद का चेहरा कैसे बन गए तो उनका जवाब था ='अब जन-भावनाओं का तो हम कुछ नहीं कर सकते !' 2018 में भी शिवराज को मुख्यमंत्री पद का चेहरा नहीं बनाया गया था और विधानसभा चुनाव प्रधानमंत्री के चेहरे पर ही लड़ा गया था।

भाजपा चुनाव हार गई थी। पूछा जा सकता है कि कमलनाथ सरकार के गिरने के बाद 2020 में जब फिर से भाजपा की सरकार बनी तो शिवराज को ही मुख्यमंत्री क्यों बनाना पड़ा ?

विधानसभा में हार-जीत के नतीजों से भी बड़ा सवाल यह है कि चार महीनों के बाद ही होने वाले लोकसभा चुनावों में मध्यप्रदेश में पार्टी का नेतृत्व कौन करेगा ? 2019 के लोकसभा चुनावों में तो देश भर में मोदी का ही चेहरा था और उनका जादू कारगर भी था। इसीलिए विधानसभा चुनाव हारने के बावजूद पार्टी ने लोकसभा में प्रदेश की 29 में से 28 सीटें जीत लीं थीं। उन्हीं जीती गई सीटें के सात दिग्गजों और एक राष्ट्रीय महासचिव को 'शिवराज का विकल्प तैयार करने के लिए' विधानसभा चुनाव लड़वाया गया। पूरे प्रदेश ने देखा कि सारे ही दिग्गज अपने-अपने चुनाव क्षेत्रों में ही क़ैद रहते हुए किस तरह से हाँफने लगे जबकि शिवराज बुधनी में चुनाव प्रचार के लिए लगभग गए ही नहीं !

सवाल यह है कि आलाकमान (मोदी-शाह) अगर शिवराज का कोई 'चुनाव जिताऊ विकल्प' नौ सालों में नहीं खड़ा कर पाया है तो लोकसभा चुनावों के पहले चार महीनों में ऐसा क्या चमत्कार हो जाने वाला है ? शिवराज के प्रति 'नज़र आती' नाराज़गी का क्या एक कारण यह भी हो सकता है कि योगी की तरह ही ये मुख्यमंत्री भी सत्ता का एक केंद्र बन गए हैं।(वैसे भी दिल्ली के मुक़ाबले भोपाल से नागपुर आधी से कम दूरी पर है।) कर्नाटक में भी ऐसा ही केंद्र येदियुरप्पा बन गए हैं। इसीलिए वहाँ की हार के बाद उनके बेटे को प्रदेश की कमान सौंपी गई है। राजस्थान में भी ऐसा ही एक केंद्र वसुंधरा के नेतृत्व में खड़ा हो रहा है।

भाजपा आलाकमान ने उक्त सभी स्थानों पर विकल्प तैयार करने की कोशिशें तो कीं पर अपेक्षित सफलता नहीं मिली। शिवराज का टिकिट चौथी सूची में शामिल करने से काफ़ी पहले आठ दिग्गज नामों की घोषणा के बाद एक हिन्दी अख़बार ने हेडलाइन प्रकाशित की थी कि ='सीएम की दौड़ में रहे विजयवर्गीय-तोमर-पटेल को टिकट'। ये तीनों नाम और पाँच अन्य शिवराज के मुक़ाबले कितने दमदार हैं कुछ तो उनके चुनाव-प्रचार की कसरत में साबित हो गया और बाक़ी नतीजों के बाद पता चल जाएगा।

तीसरी सूची भी घोषित होने के बाद जब प्रदेश में चर्चाएँ चल निकलीं कि मुख्यमंत्री का टिकिट कट रहा है तो शिवराज ने वही किया जो 2014 के लोकसभा चुनावों के पहले करने से वे डर गए थे।

प्रधानमंत्री पद के लिए उम्मीदवारी में शिवराज को मोदी के मुक़ाबले ज़्यादा स्वीकार्य नेता माना जा रहा था। आडवाणी सहित वाजपेयी युग के कई नेताओं और संघ का उन्हें समर्थन प्राप्त था।(यह बात कभी अलग से कि संघ बाद में क्यों पलटी खा गया ?) इसमें यह भी शामिल है कि शिवराज के आग्रह पर 2014 में आडवाणी भोपाल से लोकसभा का चुनाव लड़ना चाहते थे पर आलाकमान द्वारा उन्हें रोक दिया गया और 'उनकी मर्ज़ी के विरुद्ध' गांधीनगर से उम्मीदवार बनाया गया।

शिवराज के इस कदम को बिना कोई आवाज़ किए आलाकमान के प्रति चुनौती भी माना जा सकता है कि जब तीसरी सूची तक नाम सामने नहीं आया तो वे अपने क्षेत्र की जनता के बीच पूछने पहुँच गए =' मैं चला जाऊँगा तो बहुत याद आऊँगा ! मैं चुनाव लड़ूँ या नहीं ? यहाँ से लड़ूँ या नहीं ?' जनता ने अपने दोनों हाथ ऊँचे करके ज़ोरदार आवाज़ में शिवराज के प्रति समर्थन ज़ाहिर कर दिया।

चुनाव प्रचार के दौरान जब एक अंग्रेज़ी अख़बार के संवाददाता ने शिवराज से सवाल पूछा कि इतने साल सत्ता में रहने के बाद भी चुनावी चेहरा नहीं बनाए जाने पर क्या आपको बुरा नहीं लगा तो मुख्यमंत्री ने जवाब दिया = मेरा नाम शिवराज सिंह चौहान है ! छोटी-छोटी बातों का मुझ पर या मेरे काम पर असर नहीं पड़ता। कुछ तो हूँ मैं !

पोस्ट महत्वपूर्ण नहीं है !' शिवराज सिंह किसी और संदर्भ में पहले कभी ऐसा भी बोल चुके हैं कि 'टाइगर अभी ज़िंदा है।' शिवराज के कहे की गूंज दिल्ली दरबार तक भी निश्चित ही पहुँची होगी ?

'भारत अर्जेंटीना संबंध : आगे की राह' विषय पर जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज में जी20 कार्यक्रम आयोजित

नई दिल्ली। जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज द्वारा दिल्ली विश्वविद्यालय सांस्कृतिक परिषद के सहयोग से जी20 कार्यक्रम के तहत भारत-अर्जेंटीना संबंध: आगे की राह विषय पर शैक्षणिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सोमवार को कार्यक्रम के समापन अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. योगेश सिंह उपस्थित रहे जबकि सुबह के उद्घाटन और शैक्षणिक सत्र में सम्मानित अतिथियों के रूप में रजिस्ट्रार डॉ. विकास गुप्ता, संस्कृति परिषद की संचालन समिति के अध्यक्ष अनूप लाठर और डीन प्रो. रविंदर कुमार उपस्थित रहे। प्रो. योगेश सिंह ने नोडल कॉलेज के प्रयासों को बधाई देते हुए विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत की सराहना की। जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज जी20 नोडल कॉलेज के रूप में था तो इसका भागीदार देश अर्जेंटीना था। कॉलेज ने दोनों देशों के बीच सहयोग के शैक्षणिक और सांस्कृतिक रास्ते विकसित करने के उद्देश्य से कई कार्यक्रम आयोजित किए थे।

उद्घाटन समारोह सुबह 9 : 30 बजे गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में औपचारिक दीप प्रज्ज्वलन के साथ शुरू हुआ और उसके बाद कॉलेज की प्रार्थना हुई। स्वागत भाषण में अर्जेंटीना के राष्ट्रीय संप्रभुता दिवस के रूप में 20 नवंबर के महत्व को बताया गया। भारत-अर्जेंटीना संबंध: आगे की राह पर पैनल चर्चा की अध्यक्षता पूर्व राजदूत रेंगराज विश्वनाथन ने की, जिसमें प्रतिष्ठित वक्ता डॉ. ऐश नारायण रॉय और काउंसलर सेसिला सिलबरबर्ग शामिल थे। प्रोफेसर पायल नागपाल ने सत्र का सारांश दिया। शैक्षणिक सत्र का समापन डॉ. देबहुति ब्रह्मचारी (जी20 संकाय समन्वयक) द्वारा दिए गए धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ। सांय के सांस्कृतिक कार्यक्रम सेलिब्रेटिंग कल्चर – भारत और अर्जेंटीना के तहत संगीत, नृत्य और वेशभूषा के भारतीय और अर्जेंटीना कला रूपों का जीवंत मिश्रण दिखाया गया। इस अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि कुलपति प्रोफेसर योगेश सिंह रहे और उनके साथ अनूप लाठर व प्रोफेसर रविंदर कुमार विशिष्ट अतिथियों के रूप में उपस्थित रहे। शासी निकाय की अध्यक्ष सुश्री अनुराधा कृष्णा भी इस अवसर पर उपस्थित रही। सांस्कृतिक कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने नूपुर नृत्य और झंकार के विभिन्न नृत्य समूहों द्वारा फ्यूजन नृत्य प्रस्तुत किया। यूफोनी के संगीतमय मेडले ने अर्जेंटीना के बोपी गान ओले ओले पर व्यापक रूप से प्रकाश डाला और दर्शक इस धुन पर तालियां बजते नज़र आए। सारंग ने दर्शकों को बांधे रखने के लिए समय-समय पर डांडिया जैसे प्रॉप्स का उपयोग करते हुए गायकों के साथ एक लोकगीत, संगीतमय वापसी प्रस्तुत की। पूरे कार्यक्रम को डिजाइन शोकेस ब्रिजिंग डिजाइन और ड्रेस द्वारा दोनों देशों के विभिन्न विषयों को एक साथ लाने से और भी अधिक आनंदमय बना दिया गया, जिसमें प्रो. पूनम बेवत्रा (जी20 नोडल अधिकारी) ने विभिन्न सदस्यों से प्राप्त महत्वपूर्ण सहयोग का उल्लेख करते हुए धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया।

सांसद रामशकल व विधायक डॉ0 अनिल कुमार मौर्य ने शिक्षण कक्षों का किया लोकार्पण

सोनभद्र ।सोन के अञ्चल में विलसित सोनाञ्चल इण्टरमीडिएट कॉलेज में आहूत रहा कार्यक्रम भवन लोकार्पण का जिसे लोकार्पित किया राज्यसभा सांसद रामशकल और विधायक डॉ0 अनिल कुमार मौर्य ने। सोनभद्र के घोरावल में सुदीर्घ समय से संचालित सोनाञ्चल इण्टरकॉलेज में कक्षों की आवश्यकता पर दृष्टिपात करते इण्टरकॉलेज के दो कक्षा कक्ष दिए तथा सोनाञ्चल शिशु मंदिर के लिए दो कक्षा कक्षों के लिए सात – सात लाख स्वीकृत किये थे सांसद रामशकल और विधायक डॉ0 अनिल कुमार मौर्य ने। इन्हीं द्वय जनप्रतिनिधियों द्वारा लोकार्पण भी किया गया नगर घोरावल स्थित विद्यालय प्रांगण में निर्मित भवनों का। प्रधानाचार्य एवं प्रबंधक के0 पी0 मौर्य ने सांसद रामशकल और विधायक डॉ0 अनिल कुमार मौर्य को अंगवस्त्रम, स्मृतिचिह्न एवं प्रशस्ति पत्र अर्पित कर सम्मानित किया। इसी श्रृंखला में विविध विधाओं की प्रतियोगिता भी आयोजित हुई जिसमें प्रथम , द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्तकर्ताओं को शील्ड , प्रमाणपत्र प्रदान कर पुरस्कृत किया विधायक एवं सांसद ने। प्रिंसिपल अंजली गुप्ता के स्वागत संभाषण से प्रारंभ कार्यक्रम में शिक्षार्थियों ने वाग्देवी का स्तवन , स्वागत गान करते विविध विधाओं के व विभिन्न प्रकार के गीत लोकगीत एवं अन्यान्य गीत गायन को सुर , लय तथा ताल में निबद्ध करते जीवन्त प्रस्तुतियां परोसी मौजूद जनसमुदाय के समक्ष। कार्यक्रम में आद्योपांत उपस्थित रहे रामनवल आचार्य, डॉ0 कान्ता कुशवाहा , चंद्रभान मौर्य, कैलाश सिंह बैस, रविशंकर, सुश्री अभिलाषा, सुनील चौबे, अरुण पांडेय, शिवदास शास्त्री, सत्यम मोदनवाल, जयनाथ कुशवाहा, भोला पटेल, इनामुल हक अंसारी, अमरेश कुमार व श्यामबिहारी यादव के साथ गणमान्य जन।

प्रत्येक योजनाओं से शत-प्रतिशत लाभार्थियों को लाभान्वित करना प्रमुख लक्ष्य :अनुप्रिया पटेल

स्मृतियां साझा करने मे तल्लीन हैं लोग ''मेरी कहानी मेरी जुबानी'' को

सोनभद्र ।''विकसित भारत संकल्प यात्रा'' चोपन ब्लॉक के ग्राम पंचायत जुगैल के पंचायत भवन में आयोजित हुई जिसमें केन्द्रीय वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल ने सक्रिय सहभागिता की तथा कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि देश के प्रधानमंत्री ने भगवान बिरसा मुण्डा की जयंती पर 15 नवम्बर को जो विकसित भारत संकल्प यात्रा खूंटी से शुरू की है उसका उद्देश्य है केंद्र सरकार द्वारा संचालित जन कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से समाज के अन्तिम पायदान पर खड़े व्यक्तियों को सरकार की संचालित योजनाओं से जोड़ा जाय और उससे लाभान्वित किया जाय। सरकार द्वारा संचालित योजनाओं से लाभार्थियों के जीवन स्तर में कितना सुधार हुआ उनकी कहानी उनकी जुबानी यह बात सुनी जाय। विकसित भारत संकल्प यात्रा में एलईडी वैन के माध्यम से केंद्र सरकार द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं के संबंध में जन मानस को जानकारी दी जा रही है, जिससे समाज के अति पिछड़े वंचित लोगों को केंद्र सरकार द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी प्राप्त हो सके।

इस यात्रा के दौरान कार्यक्रम स्थल पर विभिन्न विभाग द्वारा सरकार योजनाओं से सम्बन्धित स्टाल भी लगाये जा रहे हैं जिसके माध्यम से जनमानस को सरकार द्वारा संचालित योजनाओं के संबंध में जानकारी दी जा रही है और पात्र लाभार्थियों को योजनाओं से जोड़ा भी जा रहा है। आजादी के 75 वर्ष पूर्ण होने पर जैसे आजादी का अमृत महोत्सव मना रहे हैं, ठीक इसी तरह 25 वर्षों के बाद वर्ष 2047 में भारत को विकासशील देश नहीं बल्कि विकसित भारत के रूप में जाना जाय। इन योजनाओं का लाभ समाज के अन्तिम पायदान पर खड़े दलित , शोषित , वंचित तक सुगमता से पहुंचाया जाय, योजना से जोड़कर लाभान्वित किया जाय।उन्होंने कहा कि भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य को पूरा करने के लिए सभी भारतवासियों के सहयोग से ही यह अभियान सफल होगा।

राज्य मंत्री समाज कल्याण विभाग संजीव कुमार गोंड ने उद्बोधन में कहा कि विकसित भारत संकल्प यात्रा के माध्यम से समाज के वंचित, पिछड़े, अति पिछड़े लोगों को सरकार की योजनाओं से जोड़ने का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा की जनजाति समुदाय को विकसित भारत संकल्प यात्रा के माध्यम से लाभान्वित करने के कार्य सकुशल निष्पादित हो रहे हैं। इस मौके पर एल0ई0डी0 वैन के माध्यम से केन्द्र सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकी योजनाओं की जानकारी उपस्थित जन समुदाय को दी गयी, जिसको भारी संख्या में उपस्थित जनमानस ने देखा – परखा और सराहा भी। इस मौके पर स्कूल के छात्र-छात्राओं द्वारा स्वागत गान गाया गया और केन्द्रीय वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल द्वारा उपस्थित जन समुदाय को विकासित राष्ट्र की शपथ दिलायी गयी। इस दौरान सांसद पकौड़ी लाल कोल ने भारत विकसित संकल्प यात्रा के सम्बन्ध में विस्तार पूर्वक जानकारी दी।

विज्ञान प्रदर्शनी का किया गया आयोजन

छपिया/ गोण्डा। रॉयलसन पब्लिक इंटर कालेज भोपतपुर(हथिनी खास) गोण्डा में विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यालय के विद्यार्थियों ने इनोवेशन के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रदर्शनी में अनेकों प्रोजेक्ट प्रस्तुत किया। जिनमें से कुछ बच्चों के इनोवेशन प्रोजेक्ट बहुत ही प्रशंसनीय रहे। उनको प्रोत्साहित करने के लिए ऐसे कुछ बच्चों को सम्मानित भी किया गया ।जिसमें प्रमुख नाम इस प्रकार हैं।आनंद विश्वकर्मा ने रेफ्रिजरेटर बनाया, शिवा मौर्या ने एयर कूलर बनाया, राम प्रसाद वर्मा ने टुल्लू पंप, विशाल वर्मा ने रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम, मोहित वर्मा ने ट्रैक्टर, सोनी वर्मा ने रेनवॉटरफॉल ,सरल वर्मा ने रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम,खुशबू गौतम ने वॉटरफॉल प्रोजेक्ट प्रस्तुत किया ।इन सब को पूर्व ज्येष्ठ ब्लॉक प्रमुख छपिया खंड के शैलेंद्र पांडे एवं विद्यालय के संस्थापक डावीएन0शर्मा

ने संयुक्त रूप सम्मानित किया। तत्पश्चात विद्यालय की परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर प्रथम स्थान अर्जित करने वाली प्रिया वर्मा को विद्यालय के प्रशासक व मुख्य बीमा सलाहकार अनूप कुमार शर्मा तथा एलआईसी के सी0एम0 क्लब के सदस्य मनीष गुप्ता ने संयुक्त रूप से एलआईसी की तरफ से मेडल देकर सम्मानित किया ।इसी क्रम में टॉपर की सूची में दूसरे प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थी राहुल शर्मा को विद्यालय के प्रधानाचार्य प्रधानाचार्य श्री कृष्णदेव पांडे तथा पूर्व जिला बीज अधिकारी गंगाधर चतुर्वेदी में संयुक्त रूप से मेडल देकर सम्मानित किया। दूसरा स्थान प्राप्त करने वाले अमित भारती एवं राधा वर्मा को वीरेंद्र प्रताप सिंह एवं विद्यालय के अध्यापक अखिलेश पांडे जी ने संयुक्त रूप से मेडल देकर सम्मानित किया। तत्पश्चात तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले शिवा मौर्या एवं लक्ष्मी चौहान को कृपा शंकर तिवारी तथा शैलेंद्र पांडे ने संयुक्त रूप से मेडल देकर सम्मानित किया। उक्त कार्यक्रम में सूरज वर्मा, अरविंद तिवारी, प्रीती पांडे, संध्या पांडे ,वीरेंद्र नाथ पांडे ,सुधा शर्मा ,पूनम कनौजिया, ललिता भारती, उर्मिला भारती, किरन मौर्या ,शिवम पांडे , सहित अनेको गणमान्य लोग उपस्थित रहे । कार्यक्रम का संचालन अनूप कुमार शर्मा ने किया।

मछलीपालन में यूपी अव्वल : संजय कुमार निषाद

लखनऊ। (पी एम ए) मछली पालन के मामले में उत्तर प्रदेश सर्वश्रेष्ठ भारतीय राज्य के रूप में उभरा है। विश्व मत्स्य पालन दिवस के अवसर पर अगले सप्ताह होने वाले वैश्विक मत्स्य सम्मेलन में केंद्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय द्वारा राज्य को पुरस्कृत किया जाएगा। एक आधिकारिक प्रवक्ता ने बताया कि व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए मछलियों के प्रजनन को बढ़ावा देने के लिए राज्य में 21 योजनाएं चलाई जा रही हैं। पिछले एक साल में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस मुद्दे का समर्थन किया है। विवरण साझा करते हुए, राज्य के मत्स्य पालन मंत्री संजय कुमार निषाद ने कहा कि योगी सरकार ने पिछले 6 सालों में विभिन्न योजनाओं के प्रभावी कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए कड़ी मेहनत की है। मंत्री ने कहा, इन प्रयासों के फलस्वरूप राज्य में मछली उत्पादन में वृद्धि हुई है।2022 में 8.08 लाख मीट्रिक टन के मुकाबले 2023 में 9.15 लाख मीट्रिक टन का उत्पादन दर्ज किया गया है।

शार्ट न्यूज

महत्व :अक्षय नवमी के दिन आंवला के सेवन का

शुभम कुमार चतुर्वेदी

कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि को आंवला नवमी, आरोग्य नवमी, अक्षय नवमी, कुष्मांड नवमी के नाम से जाना जाता है। हिंदू पंचांग के अनुसार यह पर्व 21 नवंबर को है। आयुर्वेद में आंवला को चमत्कारी औषधि कहा गया है। इसकी उत्पत्ति जगत पिता ब्रह्मा के आंसूओं से हुई है। जब धरती का कोई वजूद नहीं था, चारों ओर जल ही जल था। उस समय ब्रह्मा कमल पुष्प पर बैठकर तप कर रहे थे। प्रभु प्रेम में उनकी आंखों से आंसू टपके और आंवला पैदा हुआ। आंवला नवमी के दिन स्नान, पूजन, तर्पण तथा अन्नदान करने का बहुत महत्व होता है। इस दिन किया गया जप, तप, दान इत्यादि व्यक्ति को सभी पापों से मुक्त करता है तथा सभी इच्छाओं की पूर्ति करने वाला होता है। मान्यता है कि सतयुग का आरंभ भी इसी दिन हुआ था। इस दिन आंवले के वृक्ष की पूजा करने का विधान है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार आंवले के वृक्ष में सभी देवताओं का निवास होता है तथा यह फल भगवान विष्णु को भी अति प्रिय है। चरक संहिता में बताया गया है अक्षय नवमी को महर्षि च्यवन ने आंवला खाया था, जिस से उन्हें पुन: जवानी अर्थात नवयौवन प्राप्त हुआ था। आप भी आज के दिन यह उपाय करके नवयौवन प्राप्त कर सकते हैं। शास्त्र कहते हैं कि आंवले का रस हर रोज पीने से पुण्यों में बढ़ोतरी होती है और पाप नष्ट होते हैं।

राजस्वकर्मी की लापरवाही से दर-दर भटक रहा फरियादी

रमेश कुमार शर्मा/गौरवशाली भारत

सादुल्लाह नगर/ बलरामपुर। सरकार एक तरफ त्वरित समाज हित में कार्रवाई को लेकर जहां मंचों के माध्यम से बड़े-बड़े भाषण देती है। वही कर्मचारी व विभागीय अधिकारियों की शिथिलता के कारण फरियादी दर-दर फरियाद लेकर भटक रहे हैं ।ऐसा ही एक मामला थाना सादुल्लाह नगर क्षेत्र के ग्राम पंचायत देवरिया आदम का है। जहां फरियादी भानु प्रताप मौर्य ने थाना दिवस सादुल्लाह नगर में 14 अक्टूबर को सरकारी जमीन की कब्जे को लेकर प्रार्थना पत्र दिया था। लेकिन राजस्व कर्मी के लापरवाही के कारण मामला ज्यों की त्यों बना हैं। एक तरफ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भूमि विवाद से सम्बन्धित घटना होने पर संबंधित जनपद व तहसील के अधिकारी कर्मचारी की जिम्मेदारी तय करने की बात करते है लेकिन फरियादी अपनी फरियाद को लेकर दर-दर भटक रहा है। इस सम्बन्ध में उपजिलाधिकारी उतरौला को अवगत कराया तो उन्होंने त्वरित कार्रवाई करने का आश्वासन दिया।

हलाल सर्टिफिकेट मामले में यूपी सरकार के बैन की राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग को शिकायत

लखनऊ । (पी एम ए) आजाद अधिकार सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमिताभ ठाकुर ने उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा हलाल सर्टिफिकेट को बैन किए जाने और हलाल सर्टिफिकेट लिखे खाद्य एवं अन्य सामग्रियों पर कानूनी कार्रवाई किए जाने के आदेश के संबंध में राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग को शिकायत भेजी है. अपनी शिकायत में उन्होंने कहा है कि यह आदेश प्रथमदृष्टया विधि सम्मत नहीं दिखता है. उन्होंने कहा कि खाद्य पदार्थ, औषधि, चिकित्सा सामग्री, प्रसाधन आदि से जुड़े किसी भी कानून में ऐसा लिखा नहीं दिखता है कि कोई कंपनी उन कानून में अपनी ओर से कोई और सर्टिफिकेट या मापन नहीं लिख सकता है. अत: यह सही है कि खाद्य पदार्थ, औषधि, चिकित्सा सामग्री, प्रसाधन आदि से जुड़े कानून में अलग से हलाल सर्टिफिकेट की व्यवस्था नहीं है किंतु इसका यह अर्थ नहीं दिखता है कि यदि कोई व्यक्ति इस प्रकार से हलाल सर्टिफिकेट लिखता है तो वह गैरकानूनी माना जाए और उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज की जाए. अमिताभ ठाकुर ने कहा कि इन तथ्यों से प्रथमदृष्टटया ऐसा लगता है कि उत्तर प्रदेश सरकार ने जानबूझकर मात्र राजनीतिक कारणों से इन हलाल सर्टिफिकेट वाले पदार्थों पर बैन लगाते हुए उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की बात कही है और ऐसे कानूनी कारवाइयां शुरू कर दी है।

राजधानी में साहित्योत्सव जश्न-ए-अदब का सांस्कृतिक आयोजन 24-26 तक

नयी दिल्ली। साहित्यिक मंच साहित्योत्सव जश्न-ए-अदब ने संस्कृति और पर्यटन मंत्रालयों के सहयोग से इस सप्ताह 24 नवंबर से राजधानी में तीन दिन के 'साहित्योत्सव जश्न-ए-अदब सांस्कृतिक कारवां विरासत' के आयोजन की सोमवार को घोषणा की। संस्था की एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि यह कार्यक्रम संस्कृति मंत्रालय और पर्यटन मंत्रालयों के सहयोग से इंडिया इंटरनेशनल सेंटर (आईआईसी) में 24 से 26 नवंबर तक चलेगा। इसमें कार्यक्रमों के सत्र प्रतिदिन अपराह्न दो बजे से शुरू होंगे। कार्यक्रम में डॉ. सोनल मानसिंह , सुरेंद्र शर्मा, प्रो अशोक चक्रधर, मालिनी अवस्थी , उस्ताद अनवर खान , डॉ. यश गुलाटी, डॉ. सलीमा रज़ा, वसीम बरेलवी, कुमुद मिश्रा, मनु ऋषि चड्ढा , प्रियांशु पेनयुली, राजीव सिंह और सफी सोपोरी सहित कविता, नृत्य-संगीत , गायन और कविता, नृत्य एवं गायन तथा फिल्म क्षेत्र की विभिन्न जानी मानी हस्तियों की प्रस्तुतियां होगी।

एसजीपीसी ने करतारपुर साहिब के निरादर पर कड़ा विरोध कराया दर्ज

नयी दिल्ली। दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी) ने पाकिस्तान में ऐतिहासिक गुरुद्वारा श्री करतारपुर साहिब में निरादर की घटना के खिलाफ पाकिस्तान उच्चायोग के समक्ष कड़ा विरोध जताया है और इस मामले को तुरंत पाकिस्तानी सरकार के समक्ष उठाने के लिए कहा है ताकि इस घिनौने अपराध के लिए दोषियों को सज़ा दी जा सके तथा भविष्य में ऐसी घटनाओं पर लगाम लगाई जा सके। पाकिस्तान उच्चायोग में प्रभारी अजीज खान को लिखे एक पत्र में, दिल्ली गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष सरदार हरमीत सिंह कालका और महासचिव सरदार जगदीप सिंह काहलों ने शनिवार को ऐतिहासिक गुरुद्वारा साहिब परिसर में हुई पार्टी के खिलाफ अपना कड़ा विरोध दर्ज किया है। सरदार कालका और सरदार काहलों ने कहा कि पाकिस्तान में ऐतिहासिक गुरुद्वारा श्री करतारपुर साहिब में निरादर की घटना का शर्मनाक वीडियो संज्ञान में आया है जिसमें शराब और मांस परोसा जा रहा है तथा पृष्ठभूमि में तेज संगीत बज रहा है। उन्होंने कहा कि इस घटना से दुनिया भर में सिखों की भावनाएं आहत हुई हैं जिसके कारण सिख समुदाय में भारी रोष है।

प्राकृतिक संसाधनों के उत्तरदायित्वपूर्ण उपयोग की आवश्यकता बताई धनखड़ ने

नयी दिल्ली। प्राकृतिक संसाधनों के विवेकहीन दोहन के बजाय उनके उत्तरदायित्वपूर्ण उपयोग की आवश्यकता पर जोर देते हुए उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने सोमवार को कहा कि पृथ्वी ग्रह केवल मनुष्यों के लिए नहीं, बल्कि सभी जीवित प्राणियों के लिए भी है। धनखड़ ने यहां शांतिगिरि आश्रम के रजत जयंती समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि आज देश में एक ऐसी मानसिकता को बढ़ावा देने की आवश्यकता है जो हमारी सभ्यतागत लोकाचार को प्रोत्साहन देती है। उन्होंने भारतीय संस्कृति को भारतीय समाज रीढ़ बताते हुए सभी से भारत के प्राचीन ज्ञान और उपलब्धियों पर गर्व करने को कहा। प्राकृतिक संसाधनों के विवेकहीन दोहन के बजाय उनके जिम्मेदार उपयोग की आवश्यकता पर जोर देते हुए, उपराष्ट्रपति ने कहा,हमें यह महसूस करना होगा कि पृथ्वी ग्रह केवल मनुष्यों के लिए नहीं, बल्कि सभी जीवित प्राणियों के लिए भी है।